



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० २३] नई दिल्ली, शनिवार, जून ६, १९८१ (ज्येष्ठ १६, १९०३)

No. 23] NEW DELHI, SATURDAY, JUNE 6, 1981 (JYAISTA 16, 1903)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड १

[PART III—SECTION 1]

उच्च न्यायालयों, नियन्त्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक २ मई १९८१

सं० ए०-३२०१४/३/७९-प्रशा-१—संघ लोक सेवा आयोग के संवर्ग में निम्नलिखित स्थाई वरिष्ठ वैयक्तिक सहायकों को (के० स० स्ट०० से०० का ग्रेड ख) को राष्ट्रपति द्वारा उनके नामों के सामने निरिष्ट तारीखों से अधिवा आगामी आवेदनों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में पूर्णतः प्रतिनिमित्त, अस्थाई और तदर्थ आधार पर निजी सचिव (के० स० स्ट०० से०० का ग्रेड क) के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है।

क्रम	नाम	प्रवधि
१.	श्री जोगिन्द्र सिंह	४-५-८१ से ३-७-८१ तक
२.	श्री आर० ए० ठाकुर	२५-४-८१ से २४-६-८१ तक

एच० सी० जाटद,
मंत्रिकार सचिव (प्रशा०)

(7045)

प्रवर्तन निदेशालय

(विदेशी मुद्राविनियमन अधिनियम)

नई दिल्ली-110003, दिनांक १० अप्रैल १९८१

सं० ए०-११/१/८१—श्री आर० के० दुबे, सहायक प्रवर्तन अधिकारी, प्रवर्तन निदेशालय, आगरा उप-क्षेत्रीय कार्यालय को इस निदेशालय के दिल्ली क्षेत्रीय कार्यालय में दिनांक २४-२-८१ (पूर्वाक्ति) से अगले आवेदनों तक के लिये प्रवर्तन अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मण्डल,
उप-निदेशक (प्रशासन)

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक १६ मई १९८१

सं० १११-१४०२९/१७/८०-प्र० ई०-II—उत्तर पूर्वी परिषद अधिनियम, १९७१ (१९७१ का ८४) की धारा

7 की उप धारा (1) की अनुमति में, राष्ट्रपति, श्री वी० ई० अर्मा, आई० ए० प० (एम० पी० 1956) को, 13 अप्रैल, 1981 (अपराह्न) से श्रगले आदेशों तक, वर्तमान 2500-2750 रुपये में उत्तर पूर्वी परिषद सचिवालय गिरावंग में श्रीजना भगवान्कार के रूप में नियुक्त करते हैं।

एम० पी० खोसला,
निदेशक (एन० ई० मी०)

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल

नई दिल्ली-110022, दिनांक 12 मई 1981

सं० ओ० दो० 1577/81-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डा० बिरोवन दाम को 18 अप्रैल, 1981 के पूर्वांक से बेवत नीत माह के लिये अधिका उस पद पर नियमित नियुक्त होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस सारीख तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्य रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 13 मई 1981

सं० ओ० दो०-248/69-स्थापना—श्री लेख राम ने मराठारी सेवा से नियुक्त होने के फलस्वरूप, सहायक कमान्डेंट

11 बटालियन, के० ए० प० पू० बननईदिल्ली के पद का कार्यभार दिनांक 30-4-81 (अपराह्न) से त्याग दिया।

दिनांक मई 81

सं० ओ० दो०-5/76-स्थापना—श्री वी० के० झा, भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी ने गुजरात राज्य में प्रत्यावर्तन के फलस्वरूप 20-4-81 के अपराह्न से केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उपमहानिरीक्षक, पटना के पद का कार्यभार छोड़ा।

2. उनको, 90 दिन का अर्जित अवकाश 21-4-81 से दिया गया है तथा उनको कहा गया है कि छुट्टी के बाद वह महानिरीक्षक गुजरात, अहमदाबाद को रिपोर्ट करेंगे।

ए० के० सूरी,
सहायक निदेशक (स्थापना)

का० ए० प्रा० मु० विभाग

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 14 मई 1981

सं० ए०-19036/13/76-प्रशा०-5—सीमा सुरक्षा बल से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त पुलिस उप-अधीक्षक श्री ए० चक्रवर्ती की सेवायें दिनांक 31-3-81 (अपराह्न) से सीमा सुरक्षा बल को वापस मौप दी गई।

दिनांक 16 मई 1981

सं० ए०-16020/23/81-प्रशासन-5—केन्द्रीय सिविल सेवायें (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं अपील) नियम, 1965 के नियम 9(2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, निम्नलिखित व्यक्तियों को उनके नामों के सम्बन्ध लिखित तिथियों से केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग में मूल रूप से कार्यालय अधीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पद-स्थापन के वर्तमान स्थान	स्थाई-करण की तिथि सहित श्रेणी जिसमें पहले से स्थाई है	केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो की कार्यालय शाखा जहाँ कार्यालय अधीक्षक के अधीक्षक के स्थाई पद रूप में मूल रूप पर पुनर्ग्रहणाधिकार रखे से नियुक्त गये। की तिथि	
1	2	3	4	5	6
1.	श्री मोहम्मद शफीक	के० ए० ब्यूरो / मुख्यालय	अपराध सहायक	मुख्यालय	2-8-79
			20-8-71		
2.	श्री पूरन चन्द	के० ए० ब्यूरो/मुख्यालय अपराध सहायक		मुख्यालय	1-12-79
			20-8-71		
3.	श्री ए० गी० पात्रो	के० ए० ब्यूरो/मुख्यालय	अपराध सहायक	विशेष एकक	23-12-79
			20-8-71		

सं ६०-२००१४/४३२/८०-प्रशासन-१:—पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस में प्रत्यावर्ती हो जाने पर केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो में पुलिस निरीक्षक के रूप में प्रतिनियक्ति पश्चिम बंगाल राज्य पुलिस के अधिकारी श्री फणी भूषण सरकार को दिनांक 16-३-८१ के पूर्वान्त्र में केन्द्रीय अन्वेषण व्यूरो, सामान्य अपराध स्कन्ध, कलकत्ता शाखा में अपने कार्यभार में मुक्त कर दिया गया है।

की० ना० ग्रोवर,
प्रशासनिक अधिकारी (स्थान)

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-११००११ दिनांक 12 मई 1981

मं ११/१७/८१-प्रशा०-१:—राष्ट्रपति हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय में सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर कार्यरत श्री जे० आर० वशिष्ठ को उसी कार्यालय में तारीख १० अप्रैल, १९८१ के पूर्वान्त्र से श्री जे० आर० वशिष्ठ के स्थान पर २ महीने से अनधिक अवधि के लिये या जब तक श्री वशिष्ठ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर प्रत्यावर्तित हों, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

एस० बहल, अपनी छुट्टी से वापस श्रान्ते पर तदर्थ उप निदेशक, जनगणना कार्य के पद का कार्यभार सम्भालें, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर उप निदेशक जनगणना कार्य के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. राष्ट्रपति, हरियाणा, चण्डीगढ़ में जनगणना कार्य निदेशालय में अन्वेषक के पद पर कार्यरत श्री जे० एस० मूरी को उसी कार्यालय में तारीख १० अप्रैल, १९८१ के पूर्वान्त्र से श्री जे० आर० वशिष्ठ के स्थान पर २ महीने से अनधिक अवधि के लिये या जब तक श्री वशिष्ठ सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर प्रत्यावर्तित हों, जो भी अवधि पहले हो, पूर्णतः अस्थाई और तदर्थ आधार पर सहायक निदेशक जनगणना कार्य (तकनीकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

3. सर्वथी वशिष्ठ और सूरी के मुख्यालय चण्डीगढ़ में होंगे।

पी० पदमनाभ
भारत के महापंजीकार

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक-महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली-११०००२, दिनांक 1981

मं १० न० प०/१/१-८१—अपर उप नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०) निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वा०) को पदोन्नत करते हैं और उन्हें लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं और नीचे प्रत्येक नाम के सामने कालम ४ में लिखे कार्यालय में कालम ५ में लिखी तारीखों से आगे आदेश दिये जाने तक उन्हें तैनात करते हैं।

क्रम सं०	अनुभाग अधिकारी (वा०) का नाम	कार्यालय जहाँ पदोन्नति से पहले कार्यरत हैं	कार्यालय जहाँ ले० प० आ० ले० प० आ०(वा०) (वा०) के रूप में पदोन्नति के रूप में पदोन्नति के बाद तैनात किये गये हैं की तारीख	
1	2	3	4	5
1.	श्री एम० पूर्णिन्द्र शास्त्री	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, हैदराबाद	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, हैदराबाद	31-12-80
2.	श्री भोलानाथ भट्टाचार्जी	स० ले० प० बोर्ड, एवं पदेन नि० वा० ले० प०,	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन नि० वा० ले० प०, रांची	21-1-81 अपराह्न
3.	श्री वी० बालाकृष्णामूर्ति	स० ले० प० बोर्ड एवं निदेशक वा० ले० प०, हैदराबाद	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, हैदराबाद	31-12-80
4.	श्री आर० सी० गोत्तम	म० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०,	महालेखाकार, जम्मू व कश्मीर श्रीनगर	31-1-81
5.	श्री एम० वी० यादपनवर	महालेखाकार, कर्नाटक बंगलौर	महालेखाकार, कर्नाटक, बंगलौर	30-1-81

1	2	3	4	5
6.	श्री सी० एल० गोपालकृष्णामूर्ति	महालेखाकार-II, तमिलनाडु स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, बम्बई		27-1-81
7.	श्री वाई० सी० इनायतुल्लाह	निवेशक, लेखापरीक्षा (खाद्य) महालेखाकार, कर्नाटक मद्रास	महालेखाकार, उड़ीसा	24-1-81
8.	श्री एस० आर० घोष दस्तिदार	महालेखाकार, उड़ीसा भुवनेश्वर	महालेखाकार, उड़ीसा भुवनेश्वर	31-12-80
9.	श्री एम० वैकटाराव	आनन्द प्रदेश राज्य मांस और तत् निम्न नियम के अधीन मुर्गीपालन विकास निगम हैदराबाद में प्रतिनियुक्ति पर	पदोन्नत किये गये और आनन्द प्रदेश राज्य मांस और मुर्गीपालन विकास निगम हैदराबाद में प्रति- नियुक्ति पर रहने की अनुमति दी गई	16-2-81
10.	श्री एस० एन० सिंह राजपुरोहित	महालेखाकार, राजस्थान जयपुर	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन नि० वा० ले० प०, बम्बई	16-2-81
11.	श्री ए० ए० भीडे	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन नि० वा० ले० प०, (कोयला) कलकत्ता	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, बम्बई	17-1-81
12.	श्री गिरीश चन्द्र श्रीवास्तव	महालेखाकार II, उत्तर प्रदेश लखनऊ	महालेखाकार-II, बिहार, पटना	15-1-81
13.	श्री सैयद दाऊद, हुसैन आविदी	महालेखाकार II, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०, रांची	27-1-81
14.	श्री रतन लाल कोटरू	महालेखाकार, जम्मू व कश्मीर, श्रीनगर	महालेखाकार जम्मू व कश्मीर श्रीनगर	13-1-81
15.	श्री अब्दुल सत्तार	महालेखाकार तमिलनाडु, मद्रास	महालेखाकार उड़ीसा, भुवनेश्वर	30-1-81
16.	श्री एम० के० नागराजा	महालेखाकार, कर्नाटक बंगलौर	महालेखाकार कर्नाटक, बंगलौर	31-12-80
17.	श्री आनन्द प्रकाश धिलदयाल	महालेखाकार II, उत्तर प्रदेश, लखनऊ	महालेखाकार, बिहार पटना	15-1-81
18.	श्री नरेश कुमार चक्रवर्ती	महालेखाकार II, पश्चिम बंगाल, कलकत्ता	महालेखाकार II पश्चिम बंगाल, कलकत्ता	1-4-81
19.	श्री जी० वी० एल० नारायनन	महालेखाकार 11, तमिलनाडु, मद्रास	महालेखाकार, उड़ीसा भुवनेश्वर	10-2-81
20.	श्री द्वारका नाथ उपाध्याय	महालेखाकार-II उत्तर प्रदेश, लखनऊ	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन नि० वा० ले०, प०, रांची	11-3-81
21.	श्री अरुण बसन चौधुरी	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन नि० वा० ले० प०	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन नि० वा० ले० प०, (कोयला), कलकत्ता	28-1-81
22.	श्री ई० वी० गौरीणंकरन	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन, नि० वा० ले०	महालेखाकार, उड़ीसा, भुव- नेश्वर प०, मद्रास	27-1-81

1	2	3	4	5
23.	श्री जी० श्रीनिवासन	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक वा० ले० प०, मद्रास	स० ले० प० बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वा० ले० प०, बम्बई	4-2-81
24.	श्री जे० एन० सूद	महालेखाकार, पंजाब, चण्डीगढ़	महालेखाकार, हरियाणा चण्डीगढ़	23-1-81
सं० एम० ए० सोमेस्वरा राव, उपनिदेशक (वा०)				

रक्षा लेखा विभाग
कार्यालय रक्षा लेखा नियंत्रक (आयु सेना)
देहरादून, दिनांक 12 मई 1980

सं० प्रशा०-1/9716-गोप—श्री एम० ए० मुनीर अर्द्ध-
स्थाई लेखा परीक्षक (लेखा संख्या 8263796) सुपुत्र श्री
अब्दुल कादीर निवासी 3.30.7 मुनिसिप कोर्ट के पीछे,
स्ट्रेशन मार्ग, डाकखाना टेन्डुर, सेन्टरल रेलवे, जिला हैदराबाद
(आनन्द प्रदेश) और कार्यालय स्थानीय लेखा परीक्षा अधिकारी
(आयु सेना) बेगमपेट हैं सेवारत में, दिनांक 1-12-78 से
विगा छुट्टी के अनुपस्थित हैं विभागीय नियमों के अधीन
आनुशासनिक कार्रवाईयों के पश्चात् रक्षा लेखा महानियंत्रक,
नई दिल्ली द्वारा उन्हें दिनांक 31-3-81 से सेवा से हटाये
जाने का दण्ड दिया गया है। क्योंकि सेवा से हटाये जाने
का आदेश जो उन्हें उनके उपलब्ध पते पर पंजीकृत छाक
द्वारा भेजा गया था, वितरित हुए विना वापस प्राप्त हुआ
है, इसलिये एतद्वारा अधिसूचित विधा जाता है कि उक्त
श्री एम० ए० मुनीर को सेवा से हटाये जाने का आदेश उक्त
विधि से पूर्वतः माना जायेगा।

अवतार सिंह तनेजा,
लेखा अधिकारी (प्रशासन)

उच्चोग मंत्रालय
आधिकारिक विकास विभाग
विकास आयुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय

दिल्ली-110011, दिनांक 30 अप्रैल 1981

सं० 12 (688)/71-प्रशासन (राज०)-खण्ड 2-न्यू
बैंक आफ इण्डिया, नई दिल्ली में संकाय सदस्य (फैकल्टी
मेम्बर) के रूप में नियुक्त होने पर, श्री वी० सरदाना ने
दिनांक 15 अप्रैल, 1981 (अपराह्न) से विकास आयुक्त
(लघु उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के सहायक निदेशक,
ग्रेड-2 (आधिकारिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण) पद का कार्यभार
ठोड़ा दिया।

सं० ए० 19018/(515)/81-प्र० (राज०)—राष्ट्रपति
श्री जगदीश चन्द्र पसरीजा को दिनांक 23 मार्च, 1981

(पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान,
इन्दौर में सहायक निदेशक, ग्रेड-1 (रसायन) के पद पर
नियुक्त करते हैं।

दिनांक 12 मई 1981

सं० 12(134)/61-प्रशा० (राज०)—राष्ट्रपति जी,
लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर के सहायक निदेशक, ग्रेड
1 (चर्म/पातुका) श्री चन्द्रभान को नियर्तन की आयु प्राप्त
कर लेने पर दिनांक 28 फरवरी, 1981 (अपराह्न) से
सरकारी सेवा से सेवानिवृत्त होने की अनुमति प्रदान करते
हैं।

सं० ए०-19018/544/81-प्रशा० (राज०)—विकास
आयुक्त (लघु उद्योग), लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली
के श्री स्वदेश कुमार, लघु उद्योग संवर्धन अधिकारी (आधिकारिक^{प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण}) को दिनांक 13 अप्रैल, 1981
(पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक लघु उद्योग सेवा संस्थान
नई दिल्ली में ही सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (आधिकारिक प्रबन्ध^{एवं प्रशिक्षण}) के रूप में सदर्ध प्राधार पर नियुक्त करते
हैं।

सं० ए०-19018/546/81-प्रशा० (राज०)—विकास
आयुक्त (लघु उद्योग), केन्द्रीय चर्म पातुका प्रशिक्षण केन्द्र,
मद्रास के श्री के० एस० नायडू, लघु उद्योग संवर्धन अधिकारी
को दिनांक 6 अप्रैल, 1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक,
उसी संस्थान में सहायक निदेशक, ग्रेड-2 (चर्म/पातुका) के
पद पर तवर्ध प्राधार पर नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 मई 1981

सं० ए० 19018/94/73-प्रशा० (राज०)—इलैक्ट्रो-
निक्स ड्रेड एण्ड टेक्नालाजी डेवलपमेंट कारपोरेशन लि०, नई
दिल्ली में मुख्य प्रबन्धक (निर्यात उत्पादन) के पद पर
नियुक्त हो जाने पर, श्री पी० पी० मल्होत्रा ने दिनांक
30 अप्रैल, 1981 (अपराह्न) से विकास आयुक्त (लघु
उद्योग), नई दिल्ली के कार्यालय के उपनिदेशक (इलैक्ट्रोनिक्स)
पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सी० सी० राय,
उप निदेशक (प्रशासन)

नागरिक पूर्ति मंत्रालय

वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय

नई दिल्ली-19, दिनांक 15 मई 1981

सं० १० १२०२२/८/८०-स्थापना—श्री शान्ति कुमार राय, सहायक विषयन अधिकारी, विषयन तथा निरीक्षण निदेशालय, फरीदाबाद, ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय, को अस्थाई नियमित आधार पर ११ मई, १९८१, पूर्वाह्न से आगे और आदेश होने तक ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रुपये के वेतनमान में वनस्पति, वनस्पति तेल तथा वसा निदेशालय, नागरिक पूर्ति मंत्रालय में विकास अधिकारी (तेल) के पद पर नियुक्त किया गया गया है।

श्र० कु० अश्रवाल
मुख्य निदेशक

इस्पात और खान मंत्रालय

इस्पात विभाग

लोहा और इस्पात नियंत्रण

कलकत्ता-७०००२०, दिनांक १३ मई १९८१

सं० प्रशासन पी० एफ० (४५५)/५५—वर्षांक्य व्यय प्राप्त होने पर, श्री देव प्रसाद राय, सहायक लोहा और इस्पात नियंत्रक ३० अप्रैल, १९८१ के अपराह्न से सेवा निवृत्त हो गये।

एस० एन० विष्वास
संयुक्त लोहा और इस्पात नियंत्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-७०००१६, दिनांक १४ मई १९८१

सं० २२१९ बी०/ए० ३२०१३(ए ओ)७८/१९ ए—भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के अधीक्षक श्री ए० के० चटर्जी को प्रशासनिक अधिकारी के रूप में उसी विभाग में वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, तदर्थ आधार पर, कोयला प्रभाग, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण, कलकत्ता के प्रशासनिक अधिकारी श्री एम० एम० दास के अवकाश रिक्त के स्थान पर २५-३-१९८१ के पूर्वाह्न से पदोन्नति पर नियुक्त किया जा रहा है।

सं० २२३० बी०/ए०-१९०१२(३-आर० पी० एस०)/८०-१९ बी०—श्री आर० पी० सघालाखे, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को सहायक रसायनश के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक २१-११-८० के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

सं० २२४३ बी०/ए० १९०१२(३-जी० एन०)-८०-१९ बी०—श्री जी० के० नरसिंहन, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को सहायक रसायनश के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में वेतन नियमानुसार ६५०-३०-७४०-३५-८१०-८० रो०-३५-८८०-४०-१०००-८० रो०-४०-१२०० रु० के वेतनमान में, अस्थाई क्षमता में, आगामी आदेश होने तक २३-१०-१९८० के पूर्वाह्न से नियुक्त किया जा रहा है।

वी० एस० कृष्णस्वामी,
महा निदेशक,

भारतीय खान व्यूरो

नागपुर, दिनांक १६ मई १९८१

सं० १९०१२(१४४)/८१-स्था० ए०—श्री डी० पी० गुप्ता, वरिष्ठ तकनीकी सहायक (सांख्यिकी) भारतीय खान व्यूरो, की दिनांक २४ अप्रैल, १९८१ से ६ जून, १९८१ तक तदर्थ आधार पर खनिज अधिकारी (सा०) के पद पर श्री जी० राम, खनिज अधिकारी (सा०) के छुट्टी की अवधि में नियुक्त की गई है।

आ० रा० कम्पय
कार्यालय अध्यक्ष

ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय

विषयन एवं निरीक्षण निदेशालय

फरीदाबाद, दिनांक ८ मई १९८१

सं० ए० १९०२४/१/८१-प्र० तू०—श्री आर० डी० गुप्ता, वरिष्ठ रसायनश को इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय ऐगमार्क प्रयोगशाला नागपुर में दिनांक ३१-३-८१ (पूर्वाह्न) से प्रगले आदेश होने तक छ: महीने की अवधि के लिए पूर्णतयः तदर्थ आधार पर या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है दोनों में से जो भी पहले हो, स्थानापन्न रूप में कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी के पद पर नियुक्त किया जाता है।

दिनांक, १३ मई १९८१

सं० ए० १९०२३/२/८१-प्र० तू०—विभागीय पदोन्नति समिति (वर्ग-ब) की संस्तुतियों के अनुसार श्री पी० कुटुम्बा राव, सहायक विषयन अधिकारी को इस निदेशालय के अधीन फरीदाबाद में दिनांक २९-४-८१ (पूर्वाह्न) से प्रगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न विषयन अधिकारी (वर्ग-१) के रूप में नियुक्त किया जाता है।

(२) विषयन अधिकारी के रूप में पदोन्नति होने के उपरान्त श्री राव ने दिनांक १६-४-८१ के अपराह्न में हैदराबाद में सहायक विषयन अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार
निदेशक प्रशासन,
हत्ते कृषि विषयन समाजकार

परमाणु ऊर्जा विभाग
विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग
बम्बई-5, दिनांक 2 मई 1981

मं. वि० प्रा० ई० प्र० ३(२६२)/७८-प्रशासन ५४०२—
निदेशक, विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई एतद्-
द्वारा इस प्रभाग के एक स्थाई वैयक्तिक सहायक एवं स्थाना-
पन्न आणुलिपिक- III श्री आर० एस० तलपदे को मई ४
१९८१ के पूर्वाह्न से जून २०, १९८१ के अपराह्न तक के
लिये उसी प्रभाग में सहायक कार्मिक प्रधिकारी के पद पर
अस्थाई रूप से नियुक्त करते हैं, यह नियुक्ति सहायक कार्मिक
प्रधिकारी श्री जी० ए० कौलगुड के स्थान पर की जा रही
है जो छट्टी पर गये हैं।

मं. पी० पी० ई० डी० ३(२३६) ८१-ई० एस० टी० टी० १/
५५८५—विद्युत प्रायोजना इंजीनियरिंग प्रभाग, बम्बई के
निदेशक इस प्रभाग के निम्नलिखित कर्मचारियों को फरवरी
१, १९८१ के पूर्वाह्न से आगे आदेश तक के लिये उसी प्रभाग
में अस्थाई रूप से वैज्ञानिक प्रधिकारी अभियन्ता ग्रेड “एस०
बी” नियुक्त करते हैं:—

क्रम संख्या	नाम	वर्तमान ग्रेड
१. श्री विह० व्ह० बाबजी	वैज्ञानिक सहायक “सी” (स्थायित्र एस० ए० “बी”)	
२. श्री एम० के० पान	वैज्ञानिक सहायक “सी” (स्थायित्र एस० ए० “बी”)	

ब० वि० य०,
प्रशासन अधिकारी

नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र
हैदराबाद-५००७६२, दिनांक अप्रैल १९८१
आदेश

मंदर्भ सं० ना० ई० स० का० प्र० ५/२६०६/४५५—जबकि
नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र के द्वितीय श्रेणी के चालक श्री
मोहम्मद जहांगीर अली को दिनांक २३-५-१९८० से
२४-६-१९८० पर्यन्त कार्मिकावकाश प्रदान किया गया था;

और जब कि उक्त श्री जहांगीर अली अनुमोदित अवकाश
की समाप्ति पर दिनांक २५-६-१९८० को काम पर लौटने
में चूक गये;

और जब कि उक्त श्री जहांगीर अली अवकाश की बिना
किसी सूचना/अनुमोदन के ही दिनांक २५-६-१९८० के बाद
में काम पर से निरन्तर अनुपस्थित रहे तथा जिस में काम
काज अव्यवस्थित हो गया;

और जब कि उक्त श्री जहांगीर अली जो दिनांक
२-११-८० की एक तार भेजा गया जिस में उन्हें काम पर
तत्काल लौटने के लिये निर्देश दिया गया;

और जब कि उन्हें उन के निवासीय पते अर्थात् निवास
मंडपा २०-२-२६९, हैदराबाद-५००००२ को भी पावती सह
पंजीकृत डाक द्वारा प्रेषित तार की प्रतिलिपि संज्ञा नाई स/
का प्र प०/९(११)/८०, दिनांक २-११-८० को डाक प्राधि-
कारियों ने बिना वितरित किये हुए इन अध्युक्तियों के साथ
वापस कर दिया, “इस संज्ञा के निवास में ऐसा कोई व्यक्ति
नहीं रहता है। प्रेषक को वापस किया जाता है;”

और जब कि उक्त श्री जहांगीर अली नाभिकीय ईंधन
सम्मिश्र को बिना अपना पता ठिकाना सूचित किये ही (आवकाश
की बिना पूर्व सूचना/अनुमोदन के) अप्राधिकृत काम पर से
निरन्तर अनुपस्थित रहे;

और जब कि उक्त श्री जहांगीर अली को एक आरोप
पत्र दृष्टव्य जापन सं० ना ई स/का प्र ५/२६०६/४५५, दिनांक
२३-२-८१, दिया गया;

और जब कि उक्त श्री जहांगीर अली को दिनांक
२३-२-८१ के ज्ञापन की प्राप्ति के ७ दिवस के अन्दर अपने
वचाव का लिखित वक्तव्य प्रस्तुत कर ने का निर्देश दिया
गया तथा यह भी बतलाने को कहा गया कि क्या वे व्यक्तिगत
रूप से सुनवाई में उपस्थित रहने के इच्छुक हैं;

और जबकि उन के निवासीय पते अर्थात् निवास सं०
२०-२-२६९, हैदराबाद ५००००२ को पावती सह पंजीकृत
डाक द्वारा प्रेषित आरोप पत्र सं० ना ई स/का प्र ५/२६०६/४५५,
दिनांक २३-२-८१ को डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित
किये हुए इन अध्युक्तियों के साथ वापस कर दिया, “इस
संज्ञा के निवास में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं रहता है। प्रेषक
को वापस किया जाता है”;

और जब कि उक्त श्री जहांगीर अली अप्राधिकृत काम
पर से निरन्तर अनुपस्थित रहे तथा नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र
को अपना पता ठिकाना ही सूचित किया;

और जब कि उक्त श्री जहांगीर अली स्वेच्छा तथा अपनी
नौकरी छोड़ने के दोषी हैं;

और जब कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र को बिना अपना
वर्तमान पता ठिकाना सूचित किये सेवा परिवारण के
कारण, अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र
के स्थाई आदेशों के अनुच्छेद ४१ अथवा केन्द्रीय नागरिक
सेवा (वर्गीकरण, आचरण व अपील) नियम, १९६५ के
नियम, १४ की व्यवस्थाओं के अनुसार जांच आयोजन तर्कत
व्यावहारिक नहीं हैं;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी इस अनन्तिम निष्कर्ष पर
पहुंचे हैं कि उक्त श्री जहांगीर अली पर सेवा से निष्कासन
का दण्ड अधिरोपित किया जाय;

और जब कि उक्त श्री जहांगीर अली को इस अनन्तिम
निष्कर्ष की सूचना ज्ञापन सं० ना ई स/का० प्र० ५/२६०६/
४५५/७९८, दिनांक ११-४-८१ द्वारा देकर उन्हें इस ज्ञापन
की प्राप्ति की तिथि से १० दिवस के अन्दर प्रस्तावित दण्ड
के विरुद्ध अधिवेदन करने का एक अवसर प्रदान किया

और जब कि दिनांक 11-4-81 का उक्त ज्ञापन जो उन्हें पावती सह पंजीकृत डाक द्वारा उन के स्थानीय/स्थाई पते अर्थात् निवास सं. 20-2-269, कमान सूची, मीर हुसैनी आलम, हैदराबाद-500002 को प्रेषित किया गया था, डाक प्राधिकारियों ने बिना वितरित किये हुए इन अध्युक्तियों के साथ वापस कर दिया, “इस संघ्या के निवास में ऐसा कोई व्यक्ति नहीं रहता। प्रेषक को वापस किया जाता है”;

और जब कि अधोहस्ताक्षरी, इस भास्त्रे के सम्बद्ध कागजपत्रों पर सावधानी पूर्वक विचार करने के पश्चात् इस अन्तिम निलेख पर पहुंचे हैं कि उक्त श्री जहांगीर अली पर सेवा से निष्कासन का दण्ड अधिरोपित किया जाय;

प्रतः अब, अधोहस्ताक्षरी नाभिकीय इंधन सम्मिश्र के स्थाई आदेशों के अनुच्छेद 43 को परमाणु ऊर्जा विभाग के आदेश सं. 22(1)/68-प्रशा०-II, दिनांक 7-7-79 के साथ सुनियोजित कर इन में प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा उक्त श्री जहांगीर अली को तत्काल प्रभाव से सेवा से निष्कासित करते हैं।

जी० जी० कुलकर्णी,
वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)

हैदराबाद-500016, दिनांक 11 मई 1981

सं० प० ख० प्र०-४(१५)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थाई वैज्ञानिक ‘ए’ और स्थानापन्थ वैज्ञानिक ‘सी’, श्री एस० एल० अग्रसाल को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी ‘एस० बी०’ नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-४(१५)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के अस्थाई वैज्ञानिक सहायक ‘सी’ (भूषेदन), श्री राजन साहू को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक अस्थाई रूप से वैज्ञानिक अधिकारी ‘एस० बी०’ नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-४(१५)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थाई वरिष्ठ खदान सर्वेक्षक और स्थानापन्थ सर्वेक्षक “बी०”, श्री सी० बेबी को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी ‘एस० बी०’ नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-४(१५)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थाई वरिष्ठ खदान सर्वेक्षक और स्थानापन्थ सर्वेक्षक ‘बी०’ श्री जी० पी० शर्मा को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी ‘एस० बी०’ नियुक्त करते हैं।

सं० प० ख० प्र०-४(१५)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थाई तकनीकी सहायक और स्थानापन्थ तकनीकी सहायक ‘सी०’, श्री गुरुदास सिंह को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी ‘एस० बी०’ नियुक्त करते हैं।

दिनांक 15 मई 1981

सं० प० ख० प्र०-४(१५)/८०-भर्ती—परमाणु ऊर्जा विभाग, परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक एतद्वारा परमाणु खनिज प्रभाग के स्थाई सर्वेक्षक और स्थानापन्थ सर्वेक्षक ‘बी०’, श्री एस० बैनर्जी को उसी प्रभाग में 1 फरवरी, 1981 के पूर्वाह्न से अगले आदेश होने तक स्थानापन्थ रूप से वैज्ञानिक अधिकारी ‘एस० बी०’ नियुक्त करते हैं।

श्री मोहम्मद जहांगीर अली

निवास सं. 20-2-269,

कमान सूची, मीर हुसैनी

आलम, हैदराबाद-500 002

एस० एस० राव,

वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा अधिकारी

भारी पानी परियोजना

अम्बई-400008, दिनांक 13 मई 1981

संदर्भ सं० 05012/ग्रार० 2/प्र०० पी/4051—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य अधिकारी, श्री सुरेश चित्तामण ठाकुर, स्थाई सहायक कार्मिक अधिकारी, भारी पानी परियोजना (बड़ीदा) को उसी परियोजना में अगस्त 21 (पूर्वाह्न) 1980 से जनवरी 21 (अपराह्न), 1981 तक के लिये श्रम तथा कल्याण अधिकारी स्थानापन्थ रूप में नियुक्त करते हैं। वे इस अवधि में इस के साथ साथ अपना कार्य भी करेंगे।

र० च० कोटिअनकर
प्रशासन अधिकारी

अंतरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

तिरुवनन्तपुरम-695022, दिनांक 12 मई 1981

सं० बी० एस० एस० सी०/स्था०/एफ०/१(१७)—निदेशक, बी० एस० एस० सी०, अन्तरिक्ष विभाग के विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, तिरुवनन्तपुरम में निम्नलिखित कर्मचारियों को, वैज्ञानिक/इंजीनियर “एस० बी०” के पद पर रु० 650-30-740-35-

810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के ग्रेड में 1 अप्रैल, 1981 पूर्वाह्न से स्थानापन्थ रूप में आगामी श्रादेश तक नियुक्त करते हैं:—

क्रम सं०	नाम	पदनाम	प्रभाग परियोजना
1.	श्री एन० सदाशिवन	वैज्ञानिक/इंजीनियर पृ० श्री०	आर० एफ० एफ०
2.	श्री बी० के० नारायणन	"	एफ० आर० पी०
3.	श्री के० रामचन्द्रन पिल्लै	"	एस० टी० एफ०
4.	श्री के० कोलप्पन आशारी	"	एस० एल० बी०
5.	श्री एच० गलाम दस्तगिर	"	एस० एल० बी०
6.	श्री ए० ग्रहमुगम	"	पी० एस० एन०/पी० एल० एस०
7.	श्री पी० बी० प्रभाकरन	"	ई० एफ० एफ०
8.	श्री के० श्रीधरन	"	एल० सी० एस० डी०/ए० पी० एस० यू०
9.	श्री एम० एस० सुकुमारन नायर	"	पी० एस० एन०/पी० एफ० एस०
10.	श्री० के० रामचन्द्रन पिल्लै	"	कंप्यूटर
11.	श्री एस० रामचन्द्रन नायर	"	ए० आर० डी०
12.	श्रीमती एस० कल्याणि अम्माल	"	सी० जी० डी०
13.	श्रीमती सी० सी० विल्ली	"	सी० जी० डी०
14.	श्री एस० पुंदरिकाशन	"	टी० ई० डी०
15.	श्री सी० जी० परमेश्वरन	"	एल० सी० एस० डी०/ए० पी० एस०यू०
16.	श्री आई० राजा राव	"	एम० ए० सी०
17.	श्री जी० प्रभाकरन	"	पी० एस० सी०
18.	श्री टी० ई० कृष्णन	"	पी० ई० डी०
19.	श्री टी० एस० कृष्णन	"	सी० पी० एफ०
20.	श्री सी० पी० माणिक्कावासगम	"	एस० एल० बी०
21.	श्री० के० सोमशेखरा पिल्लै	"	ई० एम० डी०

पी० ए० कुरियन,
प्रशासन अधिकारी-II (स्थापना)
कृते निदेशक, बी० एस० एस० सी०

पर्यटन एवं नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 12 मई 1981

सं० स्था०(1) 05372—भारत मौसम विज्ञान विभाग के त्रिवेन्द्रम स्थित मौसम केन्द्र के सहायक मौसम विज्ञानी श्री एस० अनन्तनारायणन सरकारी सेवा से 31 मार्च 1981 से स्वेच्छा से सेवा निवृत्त हो गये।

के० मुख्यर्जी,
मौसम विज्ञानी
कृते मौसम विज्ञान के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 13 मई 1981

सं० ए० 32013 / 1 / 80-स्था-1— राष्ट्रपति ने निम्नलिखित उपनिदेशक संचार नं० 18-3-81 से नियमित आघार पर निदेशक संचार के पद पर नियुक्त किया है—

नागर विमानन विभाग में क्षेत्रीय निदेशक के ग्रेड में नियमित आघार पर नियुक्त किया है :—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्थेशन
1.	श्री बी० हाजरा	क्षेत्रीय निदेशक, कलकत्ता क्षेत्र, कलकत्ता एयरपोर्ट, दम दम
2.	श्री जगदीश चन्द्र	क्षेत्रीय निदेशक, बम्बई क्षेत्र, बम्बई एयर पोर्ट, बम्बई ।

सं० ए० 32013/4/80—ई० 1—राष्ट्रपति ने निम्नलिखित उपनिदेशक संचार नं० 18-3-81 से नियमित आघार पर निदेशक संचार के पद पर नियुक्त किया है—

क्रम सं०	नाम	तैनाती स्थेशन
1	2	3
1.	श्री के० बी० एन० मूर्ति	निदेशक रेडियो नियमण एवं विकास एकक सफदरजंग एयरपोर्ट, नई दिल्ली ।

1 2 3

2. श्री आर० एस० गोयला निदेशक संचार, बम्बई एयरपोर्ट,
बम्बई ।

सं० ए० 32013/9/80-ह० 1—राष्ट्रपति ने निम्ननिवित्त
अधिकारियों को दिनांक 18 मार्च, 1981 से नाम विभानन
विभाग में निदेशक विभानन मार्ग एवं विभानन क्षेत्र के ग्रेड में नियमित
आधार पर नियुक्त किया है :—

क० सं०	नाम	तीनाती स्टेशन
1.	श्री एस० डल्लू० जै० मोर्टन	मद्रास एयरपोर्ट मद्रास
2.	श्री आर० एल० पेरैरा	बम्बई एयरपोर्ट, बम्बई
3.	श्री एस० के० बोस	कलकत्ता एयरपोर्ट, दमदम
4.	श्री बी० के० रामचन्द्रन	दिल्ली एयरपोर्ट, पालम

सुधाकर गुप्ता,
उप निदेशक (प्रशासन)

निर्माण श्रीर आवास मंत्रालय
(संपदा निदेशालय)

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1981

सं० ए-19012/3/81—प्रशा० “ब”—श्री एस० डी०
निगम, अधीक्षक (विधिक), विधि, न्याय और कम्पनी कार्य
मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) जी साथ-साथ संपदा निदेशालय में
संपदा सहायक निदेशक (मुकदमा) का पद भी संभाले हुए थे,
ने 13 अप्र०, 1981 (पूर्वाह्न) से संपदा निदेशालय में उक्त पद
रिक्त कर दिया है ।

2. श्री एस० बी० शरण, अधीक्षक (विधिक), विधि, न्याय,
और कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधि कार्य विभाग) को 1 मई,
1981 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक साथ-साथ संपदा निदेशालय,
निर्माण और आवास मंत्रालय में संपदा सहायक निदेशक (मुकदमा)
के रूप में श्री एस० डी० निगम के स्थान पर नियुक्त किया जाता है ।

एम० एम० दास

संपदा उप निदेशक (स्थापना)

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्य मंत्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनियों के रैजस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 और सुप्रा ओरेजेस प्राइवेट
लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

सं० 1735/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि सूप्रा ओरेजेस प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर
से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और हैठेक प्राइवेट लिमिटेड
के विषय में

बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

स० 2363/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि हैठेक प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर
से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और धौ बैंक ठोसवरा
हैदराबादीरीस प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

सं० 2393/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956
की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना
दी जाती है कि धौ बैंक ठोसवरा हैदराबादीरीस प्राइवेट लिमिटेड
का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी
विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और डिलानी तारमेन्डस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

सं० 2537/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर डिलानी
तारमेन्डस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित
न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और आलहसूर
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

सं० 2635/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा सूचना दी
जाती है कि आलहसूर प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर
से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और बिठार केमीकल्स

प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

सं० 2720/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना
दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर बिठार
केमीकल्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित
न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और मैसूर अगशो केमिकल्स
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

सं० 2942/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण से एतद्वारा
सूचना दी जाती है कि मैसूर अगशो केमिकल्स कम्पनी प्राइवेट
लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और
उक्त कम्पनी विघटित हो गई है ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और सन (चेमहन्ज) हॉस्पेलरीस
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

सं० 3082/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की
धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह
सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर^{सन (चेमहन्ज)}
हॉस्पेलरीस प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित
न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी
विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और प्रीया हन्वेसडमेन्ड
प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
बंगलौर, दिनांक 11 मई 1981

सं० 3756/560/81-82—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर प्रीया हन्वेसडमेन्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

पी० टी० गजवानी
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और गंगा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
मद्रास, दिनांक 12 नवम्बर 1973

सं० 831/560/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि गंगा फिल्म्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम भ्राज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

(ह०) अपठनीय
कम्पनियों का रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और नेहरू स्टोर्स प्राइवेट चिट फण्ड कम्पनी-द्रांस्पोर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
मद्रास, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 1875/560 (3) 75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर नेहरू स्टोर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम सके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और एसोसियटड, पेरेण्ट्स एण्ड टीचर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
मद्रास, दिनांक 13 मार्च 1975

सं० ओ० एन०/5026/560 (3) 75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर एसोसियटड, पेरेण्ट्स एण्ड टीचर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और लक्ष्मी रिंग ट्रावेलर्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
मद्रास, दिनांक 10 दिसम्बर 1973

सं० डी० एन०/5328/73—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर लक्ष्मी रिंग ट्रावेलर्स मैन्युफैक्चरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ऊंच्पालयम ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
मद्रास, दिनांक 22 दिसम्बर 1975

सं० 5947/डी० एन०/560 (3) 75—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ऊंच्पालयम ट्रांसपोर्ट प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और ईस्टर्न फिनिष्ड लेबर कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
मद्रास, दिनांक 4 दिसम्बर 1979

सं० 6546/560 (3) 79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर ईस्टर्न फिनिष्ड लेबर कार्पोरेशन प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और वसंत आटोमोबाइल इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में
मद्रास दिनांक 4 फरवरी 1980

सं० 6666/560 (3) 79—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर वसंत आटोमोबाइल इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० श्रीनिवासन
कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार
तमिलनाडू

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

1. श्री अतिथ चन्द्र सिन्हा,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. चैतालि मुखर्जी

(अन्तरित)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्ता (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 16 अप्रैल, 1981

निदेश सं० 896/अर्जन रेंज-III/81-82—यतः, मुझे
आई० वी० एस० जुनेजा,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी सं० 2ए है, तथा जो शरत ओस रोड, कलकत्ता में
स्थित है (और इससे उपावन्धुनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 15-9-1980को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्वयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीरीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है :—को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।(क) अन्तरण से हृद्दे किसी आय को बाहत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
क्षयित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीयों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।2ए, शरद ओस रोड, कलकत्ता, 6 के-3-छ० 33½ वर्ग
फीट, जमीन पर पाका कुठी ।आई० वी० एस० जुनेजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, 54, रफी शहमद किदवर्ह रोड,
कलकत्ता-16

तारीखः 16-4-81

मोहरः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

1. आतिश चन्द्र सिन्हा,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

2. अमित कुमार राय,

(प्रत्यक्षिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, कलकत्ता-16

कलकत्ता-16, दिनांक 16 अप्रैल, 1981

निदेश सं० 897/अर्जन रेंज-III/81-82—यतः मुझे, आई०
वी० एस० जुमेजा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन संक्षम प्राधिकारी को, यह विवाद करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी 'सं०' 2 ए है, तथा जो शरत बोस रोड,
कलकत्ता में स्थित है (श्रौत इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण स्वप्न से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 15-७-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कीचित् नहीं किया गया है:—

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्योपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/मा

अनुसूची

2 ए, शरत बोस रोड, कलकत्ता 6 के० 370 33 बगे फिट
जमीन पर पाका कुठी।

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तीन,
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

आई० वी० एस० जुमेजा
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III,
54, रफीअहमद किल्वर्झ रोड,
कलकत्ता-16

यतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधार-३—

तारीख : 16-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप आइ० टो० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III कलकत्ता-16

कलकत्ता-16 दिनांक 21 अप्रैल, 1981

निर्देश सं० ए० सी० रेज-II/कल०/81-82—यतः मुझे
के० सिन्हा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एफ/117 ब्लाक डी-बी-11, साल्ट लेक सिटी,
कलकत्ता-64 में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
एस०आर० ए० कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख 23-9-80 को
को यूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से एस० दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तरीरितयों) के बीच एस० अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदै किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) एस० किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सूविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. सनडमार्स को० आ० सोसाइटी लि० कलकत्ता-64
(अन्तरक)
2. श्री गोविन्द मोहन बनार्जी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावत सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताखरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
र्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एफ/117, ब्लाक डी बी-11, साल्ट लेक, सिटी, कलकत्ता-64

के० सिन्हा
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II,
54, रफी अहमद किदवर्ह रोड
कलकत्ता-16

तारीख : 21-4-81

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1103/एक्सी० 23-II/81-82—

अतः मुझे, मांगीसाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000 / रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 432 है, तथा जो वास्ता देवदी रोड,
कडारगाम, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
सूरत में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 8-9-1980

को पूर्वांक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, एसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वाम्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तयों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्यारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्रीमती इन्दिराबेन, माकोरदास
हारीपुरा, माली डालिया,
सूरत ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती अम्बाबेन, बिकाभाई प्रजापति,
माहीबारपुरा, कामनाथ रोड, सूरत ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

जमीन जो वास्ता देवदी रोड, कडारगाम, एस० नं० 432
में स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में सितम्बर
1980 में रजिस्ट्री की गयी है ।

मांगी लाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

तारीख : 13-4-1981

मोहर :

प्रस्तुप् आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 अप्रैल, 1981

निवेश सं० पी० आर० नं० 1102/एक्य०ष्ट 23-ग्न/81-82—
घरा: मुझे गोपीलाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन संकेत प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० आर० एस० नं० 61 और 62/2, पैकी
जमीन है तथा जो ऊपाडा, सूरत में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 19) के अधीन दिनांक 20-9-1980

के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई और भूमि यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाशा गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
विक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की आबाद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रबोज्जनार्थ अन्तरित दृवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

घरा: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, दूँ, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् ।—

1. (1) श्री प्रणशान्कर फकीर भाई
- (2) श्री रसिक भाई प्रणशान्कर
- (3) वसन्त लाल प्रणशान्कर,
- (4) रमेशचन्द्रा उर्फ दिवाभाई रविशान्कर,
- (5) श्रीमती मणीबेन प्रणशान्कर,
अलपाड़ा, ताल्लुका चोराथासी,
जिला सूरत।

(अन्तरक)

2. (1) लावजिभाई लिमबाभाई पटेल,
(प्रमुख)

- (2) श्री बेचभाई कारासामभाई पटेल,
(सचिव)

श्री रामेश्वर को० आ० हाउर्सिंग सोसायटी लि०
साधना सोसायटी, वाराचा रोड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृवारा :

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस-
बदध किसी अन्य व्यक्ति दृवारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन जो एस० नं० 61 और 62/2, अलपाड़ा, सूरत में
स्थित है। जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में विकी विलेख
पर रजिस्ट्रेशन नं० 5-263 और 5266 रजिस्ट्री की गयी
है।

मानी लाल
संभाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 13-4-1981

सोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद-II, दिनांक 13 अप्रैल 1981

निदेश सं० पी० आर० नं० 1101/एवी-23-81-82—

अतः मुझे, मांगी लाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 22, टि० पी० एस० नं० 5 जमीन है
तथा जो उम्मा, सूरत में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
19) के अधीन दिनांक 17-9-1980

न्यौ पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के खयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विषवास
करने का कारण है कि थथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके खयमान प्रतिफल से, ऐसे खयमान प्रतिफल का
पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्त) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
क्षय से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ है किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

3—96 GI/81

- (1) 1. मैसर्सै एस० कणे परोप० फाइनैन्सियर्स,
लायरेक्टर, श्री शशिकान्त उनामराय, गणिवाला
ईचनाथ महादेव रोड, उम्मा,
सूरत ।
2. श्री जयानन्द लाल चिमनलाल चेवाली,
विगनेश्वार प्लाट, दिमालियाबाड़, नानपुरा
सूरत ।

(अन्तरक)

- (2) 1. प्रमुख : श्री प्रवीन कुमार ईश्वरलाल
तेजास को० आप० हाउसिंग सोसायटी,
सालावातपुरा, बक्सनी बाढ़ी, सूरत ।
2. श्री दलसुख भाई जादवजी सोलनकी,
मंत्री—तेजास को० आप० हाउ० सोसायटी
गोपीपुरा, मिडिल स्कूल के पास, सूरत ।

(अन्तरिती)

क्योंकि यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीकृत करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्थानीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

मिलकत जो एस० नं० 22, टि० पी० एस० नं० 5,
उम्मा, सूरत में स्थित है । जो सूरत रजिस्ट्रार के कार्यालय में
तारीख 17-9-1980 में रजिस्ट्री की गयी है ।

मांगी लाल
मक्कम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-, अहमदाबाद

तारीख : 13-4-1981

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर उचित (निरीकण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निदेश सं० एम-120/अर्जन—प्रतः मुझे अमर सिंह विसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करते का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 102/51, शिवाजी मार्ग, है तथा जो लखनऊ में स्थित है (और इससे उपायद्वय अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-9-1981

कां प्रवार्कत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत म अर्धांक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दर्जे की अन्तरेक्ष के दातीयत्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन था अन्य आस्तायों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ष के अनुष्ठान में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारी (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राकेश प्रताप सिंह रोजमातालक्ष्मी कुंवर।
(ग्रन्तरक)
2. मो० तथ्य।
(अन्तरिती)
3. श्री आर० के० शर्मा, रिटायर्ड डी० एम० के० के० शुक्ला, कार्यालय गुणधिनहकिन, किरायेदारान छोटा राजमाता, नरेन्द्र कुंवर यू० पी० गवर्नरमेंट (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षय :—

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरन्वयी व्यक्तियों पर सूचना को सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों को, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिवर्तित हैं, वही वर्ध होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुष्य

कोठी नं० 102/51 (मयौरारं व भूमि) का आधा भाग स्थित शिवाजी मार्ग, लखनऊ और वह सारी सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फ्लार्म 37 जो संख्या 5875 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-9-1980 को किया जा चुका है।

अन्तर सिंह विसेन
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर ओप्रेटर (निरीकण
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रकल्प शाही० ही० पुणे० एस० —

बाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की आदा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 20 अप्रैल 1981

निदेश सं० एस-203/ अर्जन—अतः मुझे अमरसिंह विसेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की आदा
269-व के अधीन सम्म प्राप्तिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति त्रिकुपा उचित बाजार मूल्य 25,000/-
ह० से अधिक है

और जिसकी सं० 102/51, शिवाजी मार्ग, है तथो जो
लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावध अनुसूची में और जो
पूर्ण हूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक 25-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान
प्रतिफल के लिए अनुरित को गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पद्धत
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अमरत निवित में वास्तविक
रूप से कठिन नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी प्राय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तुत के वादित में कभी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा

(ब) ऐसी किसी बाय वा किसी दूसरे के दृष्यमान प्रतिफलों
को, जिन्हे कार्यालय सहायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) सा उक्त अधिनियम, या अनु-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया था
वा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की आदा 269-व के अनु-
सरण में, मेरे उक्त अधिनियम की आदा 269-व की उपलब्ध
(1) के अद्योत, निम्नलिखित अधिकारी, वर्धात :—

1. श्री राकेश प्रताप सिंह, राजमाता लक्ष्मी कूंवर
(अन्तरक)
2. श्री शहनाज परवीन
(अन्तरिती)
3. श्री आर० के० शर्मा, कार्यालय गुण चिन्होकत,
यू० पी० गवर्नमेंट
के० के० शुक्ला, (किरायेदार),
छोटा राजमाता नरेन्द्र कूंवर
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्याद्वाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
शी वामीक मे 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
निवित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण।—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कोठी नं० 102/51 (यह इमारत व भूमि) का आधा भाग
स्थित शिवाजी मार्ग, लखनऊ और वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो
सेलडीज तथा फार्म 37 जा संख्या 5876 में वर्णित है जिनका
पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक
25-9-1981 को किया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन
सक्रम अधिकारी
सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 20-4-1981

मोहर :

प्रकाश प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 22 अप्रैल 1981

निवेश सं० के-100/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 289 है, तथा जो मोतीनगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है); रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 25-9-1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृद्धमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (यस्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रतिरोधन के लिए तथा पाया गया प्रतिकाल, निम्नतिवाचित उद्देश्य से उक्त अनुसरण लिखित में बास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अनुसरण से दूर्वा किसी भाव के बावजूद उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने पर उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

अनुसूची

(अन्तरक)

2. कुमुम गुलाटी,

(अन्तरिती)

3. कुमुम गुलाटी

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कायवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तापील से 30 दिन की अवधि जो भी प्रवाल बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपद में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति पर हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे :

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों भी उपरोक्त अवधारणा के अध्याय 20 के परिभासित हैं, वही अर्थ दोगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी प्राप्त या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिस्ते भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, जिसने में मुश्किल के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

मकान संख्या (पुराना 284) नं. 289 (मय भूमि और भवन के) स्थित मोहल्ला मोतीनगर शहर लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37 जो संख्या 5889 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 25-9-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 22-4-1981

मोहर :

प्रस्तुत वाइ. ट्रै. एम. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन थेन्ड्र, 57 रामतीर्थ मार्ग लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मई, 1981

निदेश सं० एस-204/प्रबंचन—आजः मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1-ए, मटियारा रोड, है तथा जो अल्लापुर इलाहाबाद, में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता, अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण, अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 29-9-1980

के पूर्वोंकर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंकर संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगान्वय अन्तरिती एवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः आज, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत हूँ—

1. श्री हरिमोहन वास दत्तन

(अन्तरक)

2. श्री सीताराम पांडेय

(अन्तरिती)

3. श्री हरिमोहनदास पांडेय

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्त-अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अचल सम्पत्ति मकान मध्य भूमि नम्बर, 1-ए, मटियारा रोड, अल्लापुर, शहर इलाहाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37 जो संख्या 4520 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 26-9-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 1-5-1981

मोहर :

प्रकृत आई० टी० एन० एस०—

बालकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा
269वं (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

अधीन संख्या 57, रामतीर्थ भारी, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 1 मई, 1981

निदेश सं० एस-206/प्रधन/—भारत: मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'दस्त अधिनियम' कहा गया है), की बारा 269वं के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० 1 व 2 म्युनिसिपल नं० 21/3-सी-2, मल दहिया है तथा जो वाराणसी में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980 का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्त प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके अव्याप्त प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्त प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के कारण अव्याप्ति के बारे में विवास के लिए उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यकारी नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृष्ट किसी बाय की वापह, उक्त अधिनियम के अधीन कर देसे के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(क) ऐसी किसी आय या किसी घन या अथ अस्तियों को जिस्त भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या अन्तरक अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोग-जगत् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

इतः यह, उक्त संघिनियम की बारा 269वं के अनुसार में, उक्त अधिनियम की बारा 269वं की उपबारा (1) के अधीन [निम्नलिखित अधिकारी] अधिकृत:—

1. श्रीमती शालिमी जामसजाल,

(अन्तरक)

2. मे० एस० पो० जायसवाल इस्टे प्रा० लि० बजरिये मैनेजिंग डायरेक्टर श्री शिवप्रसाद जायसवाल (अन्तरिती)
3. अन्तरक उपरोक्त (वह अवित्त, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में शोई भी धाकेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य अवित्त द्वारा अधिवृत्तसाक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटों का, जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मन्त्री

आर० नं० 1 व 2 म्युनिसिपल नं० 21/3, सी-2, मय एक छोटे कमरे के मोहल्ला मलदहिया वाराणसी (रिक्वा क्रमांक: 1884 व 2198 वर्ग फ़िट) व वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडाइ तथा फार्म 37-जी, जो संख्या 8555 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब रजिस्ट्रार वाराणसी के कार्यालय में दिनांक मितम्बर 80 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सकाम प्राधिकारी
सहायक भायुक्त (निरीक्षण)
अधीन रेंज, लखनऊ

तारीख 1-5-1981

मोहर:

प्रेरणा आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अमृतनंद मोहन 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 मई 1981

निवेश सं० टी-23/अर्जन—अतः, मुझे अमर सिंह बिसेन आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 78-ए, नसीबपुर है तथा जो बखतियारा, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 22-७-1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह ग्रन्ति दृश्यमान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कीथत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कीर्ति करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आविस्तरियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना आहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधम्रा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती रेणु अद्वावायंजी
(2) बीना पानी सेन गुप्ता
श्री प्रदीप कुमार सेन गुप्ता
(अन्तरक)
2. मैसर्स लियेनी शीट ग्लास वर्स, लि० फाइनेंस
द्वारा : बीबी गोयल फाइनेंस, मैनेजर,
(मन्त्रिती)
3. मैसर्स लियेनी शीट ग्लास वर्स लि०
द्वारा बीबी गोयल फाइनेंस मैनेजर।
(वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्त-बृद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थावरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

नमूल घटाट सं० 4 नसीबपुर, बखतियारा इलाहाबाद, के भाग क्षेत्रफल 2800 एकड़ गज पर बमा हुआ मकान नं० 78-ए, मुमीररोड, इलाहाबाद, मय भूमि व भवन भावि के तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37 जो संख्या 4327 में वर्णित है, जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 22-७-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ
तारीख : 9-५-1981
मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी दी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, रामकीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 मई 1981

निवेश सं० जे०—52/अर्जन—ग्रातः मुझे अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन तथा प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संगति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० 42 बिहारीपुर है तथा जो बिहारीपुर, कैरीलाल, बरेली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बरेली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 26-9-1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संस्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरत (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिशत में विभिन्निक उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी नहीं या उपरे वरने में पुत्रिधा के लिए; और/या

(ख) ऐसों हिसी आय या फिसी धन या अम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के परोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या जिया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

- 1—सर्वेश्वी राजीव कुमार अग्रवाल 2—राकेश कुमार,
- 3—संजीव कुमार, 4—शोभाराम, 5—सुनील कुमार, (नावालिंग) द्वारा शोभाराम अग्रवाल पिता (अन्तरक)
- 2—श्री जगदीणसरन 2—गोपाल नारायण 3—ओमप्रकाश, 4—राजकुमार, 5—श्रीमती ओमवती (अन्तरिती)
- 3—श्री राजीव कुमार अग्रवाल, 2—राकेश कुमार, 3—संजीव कुमार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, वही अन्तर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अम्य व्यक्ति द्वारा, अद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

बनुसूची

मकान सं० 42 भूमि एवं भवन के स्थित मोहल्ला बिहारीपुर, कोरोलान, बरेली, तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड तथा फार्म 37-जो संख्या 5798 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सर-रजिस्ट्रार बरेली के कार्यालय में दिनांक 26-9-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 6-5-1981

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन क्षेत्र, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 मई 1981

निवेश सं० ए-94/अर्जन--अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 199 है तथा जो मोतीलाल नेहरू रोड, इलाहाबाद
में स्थित है (और इससे उपावन्न अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
3-9-1980

मैं पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मैंने यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूर्दे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(क) ऐसी किसी आय जो किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिणाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

4-96GI/81

1. सर्वश्री रामेश्वरनाथ कपूर 2—सिद्धेश्वरनाथ कपूर, 3—
रत्न कपूर, 4—रवी कपूर, श्री राजेश्वरनाथ कपूर
द्वारा भुज्जार डा० वीरेश्वर नाथ कपूर
(अन्तरक)
2. श्री अमरनाथ केसरी, 2—रामभगवान केसरी
(नावालिंग/द्वारा पिता संरक्षक बेचनलाल।
(अन्तरिती)
3. श्री बेचनलाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रोर्ड भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान सं० 199, कर्नलगंज, मोतीलाल नेहरू रोड, इलाहाबाद
(यह भूमि क्षेत्रफल 282.28 वर्गमीटर) व वह सम्पूर्ण सम्पत्ति
जो सेलडीड व फार्म 37-जो संख्या 3670 में वर्णित है जिनका
पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 3-9-80
को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
(सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ

दिनांक : 6-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन धोन, 57 रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 6 मई 1981

निदेश सं० ए०—१६/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह
विसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० ४६-ए है तथा जो बाघम्बरी गढ़ी, तहसील
चायल, इलाहाबाद में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
इलाहाबाद में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन, दिनांक 19-७-1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से, ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हैर्ड किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः बद्व, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधित :—

1. श्रीमती शकुन्तला सिरोडिया
(अन्तरक)
2. श्री गणेशकुमार माहेश्वरी
(अन्तरिती)
3. श्रीमती शकुन्तला सिरोडिया (बहु व्यक्ति, जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सन्तेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० ४६-ए मय भवन व भूमि क्षेत्रफल
451.55 वर्गमीटर के स्थित मोहल्ला बाघम्बरी गढ़ी, तहसील-
चायल, जिला इलाहाबाद तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडील
व फार्म ३७-ओ संख्या 4236 में वर्णित है जिनका पंजीरकण
सब-रजिस्ट्रार इलाहाबाद के कार्यालय में दिनांक 19-७-८०
को किया जा चुका है।

अमर सिंह विसेन
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक : 6-5-1981

मोहर :

प्ररूप श्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 13 मई 1981

निदेश सं० एस० 207/अर्जन—अतः मुझे, अमर सिंह बिसेन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें उसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी मकान नं० 11-ए है तथा जो विन्डसर पैलेस, लखनऊ, में स्थित है (और इसमें उपाबंड अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 15) के अधीन दिनांक 23-9-1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पात्र गया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कृपित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दावहर में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और या

(ख) ऐसो कि या आव या तिसो धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिनाने में सुविधा के लिए;

आगे द्वय अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, शर्यतः:—

1—श्रीमती राजिन्द्र कौर

(अन्तरक)

2—श्री सुरेन्द्र मलिक

(अन्तरिती)

3—उपरोक्त खरीदार (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

4—उपरोक्त खरीदार (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आलोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में जमाप्त होती हो, के भीतर दूषक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टीकरण:—इसमें प्रत्युत गढ़ों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 11-ए, विन्डसर पैलेस, लखनऊ मध्य भूमि क्षेत्रफल—5160 वर्गफुट, जिसमें से 2625 वर्गफुट बना हुआ भाग है और भवन आदि तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्मे 37 जो संख्या 5821 में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार, लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 23-9-1980 को किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, लखनऊ

दिनांक 13-5-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई॰ टी॰ एन॰ एस॰--

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रजन रेज-57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ
लखनऊ, दिनांक 21 मई 1981

निदेश सं॰ एम—121/प्रजन—श्रतः मुझे, अमर सिंह बिसेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के प्रधीन सभाप्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं॰ सी-1057 है तथा जो महानगर हाउसिंग स्कीम लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक 12-9-1980

के पूर्वोक्त समांत के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यप्राप्त प्रतिफल के लिए अन्तरित लोग हैं और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य उसके द्वारा बाजार प्रतिफल से, यिन दृश्यप्राप्त प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अस्तरक (अन्तरित) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे गम्भीर के लिए तथा गया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतिफल विभिन्न में वास्तविक रूप में छिपा नहीं किया गया है:—

(क) अस्तरक से हुई किसी दाय की वापत उक्त प्रतिफल के प्रधीन करने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी दाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन्तर कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अर्थात् :—

1—श्रीमती मनीरमा रानी

(प्रत्तरक)

2—श्री माता प्रसाद

(अन्तरिती)

मो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में लोई भी घाँटेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन को प्रवधि, या तस्वीरन्वयी अवित्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से किसी अवित्त द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-विद्धि किसी अन्य अवित्त द्वारा प्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और एदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राषित हैं, बहुत प्रथम होगा जो उप्र प्रध्याय में रिया गया है।

अनुसूची

एक किता मकान नं॰ सी-1057 मय भूमि क्षेत्रफल 3496 वर्गफिट स्थित महानगर हाउसिंग स्कीम लखनऊ तथा वह सम्पूर्ण सम्पत्ति जो सेलडीड एवं फार्म 37 जो संख्या 5640 से 5642 तक में वर्णित है जिनका पंजीकरण सब-रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 12-9-80 को दर्ज किया जा चुका है।

अमर सिंह बिसेन
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन ब्लॉक, 57, रामतीर्थ मार्ग, लखनऊ

दिनांक 21-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

भारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, [दिनांक 2 मई 1981]

निर्देश सं० आई०२० ए० सी०/एक्य०/१/एस-आर-३/१०-८०/

1458/—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मं० एस-166 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के पर्याप्त नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980

क्षे पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियाँ) के नियम अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्राप्ति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा का लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १:—

1. श्रीमती कमला कामता भगत, पत्नी श्री एस० के० भगत ए-२, लानू बीला, शान्ता कुन्ज वेस्ट, बम्बई,
वर्तमान : ए-१६७, बिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती उर्वशी, पत्नी श्री राकेश जैन,
ई-४८२, ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षणः—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरभी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एस-166, ग्रेटर कैलाश-२, नई दिल्ली-४८,
माप 300 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
तारीख 2-5-1981
मोहर:

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०/३/१०/८०/

१४५६/-—अतः मुझे, आर० वी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एस-४२९ है, तथा जो ग्रेटर कैलाण-२, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और जो पूर्ण
खंड से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अक्षुब्ध, 1980

को पूर्वावृत्ति संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वावृत्ति संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से काँथत नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृद्द किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बलदेव चन्द्र मेहरा,
सी-1/1, सफदरजंग, विवासित क्षेत्र, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री वेद प्रकाश मेहता, श्रीमती शारदा रानी मेहता
ई-14, ग्रेटर कैलाण-2, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वावृत्ति सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वावृत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्ध होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० एस-429, माप 295 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाण-2,
नई दिल्ली।

आर० वी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, विकास भवन,
एच० ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 2-5-1981

मोहर :

प्रस्तुति आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विभास भवन,
एच ब्नाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० शी०/एक्य०/एस-आर-3/10/80/
1529/—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन रक्षण प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० एम-77 है, तथा जो ग्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक अक्टूबर, 1980

को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूर्खे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथाएवंकृत संपत्ति वा उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अतीरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे कियी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १:-

1. श्रीमती कौशल्या रानी कोहली,
टी०-424, पहाड़ी धीरज, दिल्ली-6।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सुधीर वाना सरीन,
ई-496, ग्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बावधान में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित में लिए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्राप्त नं० एम-77, ज्ञेन 195 वर्ग गज, ग्रेटर कैलाश-2,
नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, विभास भवन,

एच ब्नाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 2-5-1981

मोहर :

प्रह्लप प्राईंटी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीकण)

अर्जन रेंज-I, विकास भवन
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० / १/एस० आर०-३/
१०-८०/१५०१—अतः मुझे, आर बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राविकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० डब्ल्यू-109 है तथा जो प्रेटर कैलाश-2, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
अक्तूबर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पवध है प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से तुम्हें किसी प्राप्त की जावा उक्त प्रांथ-
नियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुश्किल के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय प्रावक्तर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किसी जाता चाहिए या छिपाने में
मुश्किल के लिए;

अभ्यः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब
की उपस्थाता (1) के प्रधीन निम्नलिखित अक्षियों
अवधतः—

1. (1) श्रीमती लाज कुमारी जैरथ,
(2) श्री रामेश कुमार जैरथ
(3) नरेश कुमार जैरथ
(4) राकेश कुमार जैरथ,
पता: 19 रिंग रोड, लाजपत नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री के० जी० नाथ, एस० के० नाथ, आर० के० नाथ,
बी० के० नाथ, श्रीमती मीता देवी नाथ,
बी०-9, महारानी, बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्राहन के लिए
कार्यालयिता करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्राहन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की प्रवधि या उससंबंधी अक्षियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अक्षियों में से
किसी अक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय किसी
अन्य अक्षित द्वारा, अधोदस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रोर वर्द्धों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-ह में परिभासित है, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्राप्ती, नं० डब्ल्यू-109, प्रेटर कैलाश-2, नई दिल्ली
माप: 1136 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीकण)
अर्जन रेंज-I, विकास भवन
एच० ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 2-5-1981
मोहर :

प्रकाश नं. 100 दृष्टि प्रधानमंत्री

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधान सूचना

भारत युरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंजन, विकास भवन
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई, 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस०-आर०-३/९-८०/
1323—ग्रतः मर्दी आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि
स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- कर्ये
से अधिक है

और जिसकी सं. एन-५ है, तथा जो केवल कालोनी, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीटरी अधिकारी के वायलिंग नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीटरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
ग्रन्थीन दिनांक मितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए घट्टरित हो यई है और मुझे यह विषयास
करने का कारण है कि पथापूर्वीक सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिक्ती (अन्तरिक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) आकरण से दूर्दि किसी भाव की बाधत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
सम्बन्ध में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; [बी०/वा]

(ख) पूरी छिपी आय या किसी धन या अस्ति यों
को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उसके अधिनियम, आ
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिक्ती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
या सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

5-96GI/81

1 श्री राज भारद्वाज, राजन भारद्वाज, राजीव भारद्वाज
प्रोर श्रीमती विद्यावाई भारद्वाज,
प्रा रा जनरल अटली श्री डॉ आर० आरद्वाज,
(प्रत्यक्ष)

2 मै० केक्स श्रीर वील्स प्रा० निं०
आर०-१००, नई राजिन्द्र नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेषः—

- (क) इस सूचना के राजवड में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन की प्रवधि या तस्वीरधी अकित्तियों पर
सूचना की तारीख से ३० दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि वाले में समाप्त होनी दी, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजवड में प्रकाशन की तारीख से
४५ दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में दिनबद
किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, अधोवृत्ताभ्यासी के पास
पिछित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भावित हैं, वही पर्यंत होता, जो उन प्रधायाय
में दिया था है।

अनुसूची

मकान नं. एन-५, कैलाण कालोनी, नई दिल्ली माप-
क्षेत्र 500 वर्ग गज।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 2-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, विद्यास भवन,
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिल्ली 2 मई, 1981

तिदेश रंग आई० ए० सी०/एक्यू/१/एस०-आर०-३/९-८०/
१३३२/—प्रतः मुद्रा आर० बी० ए० ल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी रंग ई-9-4 है, तथा जो प्रेटर कैलाश, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उतावढ़ अनुमूली में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीर्टा अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 वा 16)
के अधीन सितम्बर, 1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वान्तर संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1 श्रो वात मिशन हिन्दू, सुपुत्र श्री पंडित पद्मनाभ
मिशन हिन्दू।

(अन्तरक)
2 श्रा ए० पुरुषो तिह श्री रम० नैजोन्दर मिह सुपुत्र
श्रा ताता तिह।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वान्तर संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मकान नं० ई-94, पेटर कैलाश-2, नई दिल्ली प्लाट नं
250 वर्ग गज, (210 वर्ग मीटर)

आर० बी० ए० अग्रवाल
सम्प्रभु अधिकारी
भारतीय आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, विद्यास भवन,
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारोत्र 2-5-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

प्रलेप आई. टी. एन. एस.-----

1 श्री वाला नन्द, सुपुत्र श्री गनपत्तार्ह

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

2 मैं० सी० एस० प्रोपर्टीज़, प्रा० लि०
मिलाप भवन, बहादुर शाह जफर रोड,
द्वारा श्री नवीन सुरी।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, विकास भवन,
ए.व बाट, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई, 1981

निर्देश नं० आई. ए० न००/एन्यू-१/एन०आर०-३/९-८०/

1325—प्रता: मुझे आर० वी० एवा० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसमें इसमें उक्त सूचना आयकर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. में अधिक है

ओर जिसकी ए० प्लाट नं० 2, है नथा जो ग्रीन पार्क, एक्सटेंशन नई दिल्ली में दिया है (आरे इरामे उपवास अनुसूची में दर्ज होने से विजित है) रजिस्ट्रीदरी अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीदरी अधिकारी 1908 (1908 वा 16) के प्रतीक दिन, 1991

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दर्शमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके सापेक्ष प्रतिफल से, उसे इच्छात ग्राहित का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उदाहरण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इं किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी दिल्ली आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

एक मंजीली मकान निवास प्लाट नं० 2, ब्लाक-के क्षेत्र 350, वर्ग गज, ग्रीन पार्क, एवस०, नई दिल्ली।

आर. वी० एवा० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

नारीख 2-5-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस-आर-३/९-८०/
1335/—अतः मुझ आरो बी० ए८० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1 है, तथा जो कौशल्या पार्क, हॉज खास, नई दिल्ली, में स्थित है (और इससे उपायद्र अनुसूची में और जी पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीडर्टा अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक निर्माण, 1980

की पूर्वीकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूल्य यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से है इसे किसी आय की बावजूद, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अंतरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1 मै० गुर्जा इन्टरप्राइजेज, प्रा० लि०

द्वारा : डाइरेक्टर श्रीमती फुल बान्द्रा, पत्नी श्री नन्द किशोर, एल-34, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2 श्रीमती शशि निशावन, पत्नी श्री डा० सुर्य प्रकाश निशावन, 26/56, पंजाबी बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्षेत्र भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्स्वन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1, कौशल्या पार्क, नई दिल्ली।

आरो बी० ए८० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयकृत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, विकास भवन
एच ब्लाक, इन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 2-5-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 मई 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/९-८०/
1394—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 6 सी० है तथा जो चिराग
द्वन्द्वले नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची
में जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य के कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्भूत की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्ती
(अन्तरिक्तियों) के बीच एवं अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूई किसी बाय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायितव में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तविक
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

1. श्री योगदीर लाल हुन्डा, सुपुत्र चुनी साल हुन्डा,
65/42, रोहतक रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. डा० इन्दरजीत सिंह सिन्धु सुपुत्र डा० प्रताप सिंह,
श्रीमती सरला सिन्धु, के-24, जंगपुरा एक्सटेंशन,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

क्यों यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता है ?

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषु :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की लाभील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

नमूनी

प्लाट न० 6, ब्लॉक 'सी' चिराग इनक्लेव, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली।

तारीख : 2-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई॰टी॰ एन॰ एस॰ —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 मई 1981

सं आई॰ ए सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/९-८०/
११९८—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या प्लाट नं० 34 एफ० है तथा जो कालीन्दी
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में जो
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980

को पर्वोंक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चवटी प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सहायता के लिए;
ओर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती कृष्णा कुमारी कोहली, पत्नी श्री नरेन्द्र सिंह
कोहली, 3906, दई बारा, नई सड़क, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री वीनोद गुप्ता, अशोक गुप्ता, सुपुत्र श्री ईश्वर
चन्द गुप्ता, श्रीमती मीना गुप्ता पत्नी श्री वीनोद
गुप्ता, श्रीमती प्रीति गुप्ता पत्नी श्री अशोक गुप्ता,
690-ए०, काबूल नगर, शाहदरा, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या उत्तमदायी दावेकरण पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्तिके द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

निवास प्लाट नं० 34 ब्लॉक 'ई०' (नं० 34, कटेगरी-3)
ग्रुप ए०, कालीन्दी, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली

तारीख : 2-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत वाई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर शाखा (निरीक्षण)
अर्जन रेज-३, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/९-८०/
१२९४:-—अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सधारण प्राप्तकारी को यह विश्वारा करने का
कारण है कि स्थावर अधीन, उद्देश्यका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या एम०-९४ है, तथा जो ग्रैटर कैलाश-२,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्ट किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने था उपर्युक्त वचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
मानविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्षातः:—

1. श्री हन्स राज खुंगर सुपुत्र श्री गोकुल चन्द खुंगर,
208, माडल टाउन, पानीपत।

(अन्तरक)

2. मै० ट्राकू प्रोजेक्ट इण्डिया प्रा० लि० प्लेट नं 105,
71, अंगद भवन, नेहरू प्लेस, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिस्बद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रदत्त घाव्डों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पाट्टली बनाया हुआ मकान नं० एम०-९४, ग्रैटर कैलाश-
2, नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-३, दिल्ली।

तारीख : 2-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

1. श्री एन० एन० भला सुपुत्र श्री दीतत राम भला
1/18, 'बी' असफ अली रोड, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री जे० पी० गुप्ता सुपुत्र श्री किशन लाल चान्दी-
वाला 45/6, 'बी', मालरोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1,

एच ब्लाक, विकास भवन आई० पी० स्टेट

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 मई, 1981

निवेश सं आई०ए० सी०/एक्य०/१/एस० आर०-३/९-८०/
1338/—अतः मुझे आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या आई-५ है तथा जो जंगपुरा नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावन्ध अनुसूची में पूर्व स्थ
बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
26) के अधीन तारीख सितम्बर, 1980।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भी अन्तरिती
(अंतरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ रु० किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आई/या

अनुसूची

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
प्रयिक्ता के लिए;

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1)
ने अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्रेह भी आधेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरण के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थृतीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

1-5, जंगपुरा 'बी' मार्ग, 203 वर्गगज, नई दिल्ली।

तारीख : 2-5-1981

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1 विकास भवन,
एच ब्लाक, हन्द्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/१९-८०/१२०९—
अतः मुझे आर० बी० ए८० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी सं० नं० 10 है, तथा जो सधानाइकलेव साधना
को० हाउसिंग वि० सो० लि० है (और इससे उपाद्ध
अनुसूची में मैं पूर्व रूप से जित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय डिडिए दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(ल) अन्तरण से हूँ दिसी आय की वापत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने मैं सुविधा के लिए;
जी/या

(म) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, जिसमें मैं मणित
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री बटुक शंकर भट्टनागर सुपुत्र श्री माया शंकर
भट्टनागर
 - एफ-6 ग्रीनपार्क नई दिल्ली ।
2. श्री कृष्ण चन्द्र शुक्ला सुपुत्र श्री एस० बी० ए८०
शुक्ला
 - बी-22, स्वामी नगर दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 10 साधना इन्लेव साधना कोप्रापरेटिव
हाउस बिल्डिंग सोसायटी लि० डी० डी० ए० दिल्ली ।

आर० बी० ए८० अग्रवाल
मक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 विकास भवन
एच ब्लाक हन्द्रप्रस्थ इस्टेट नई दिल्ली

तारीख : 2-5-1981

मोहर

प्राप्त प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-प (1) के अधीन सूचना

भारत मरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 1 विकास भवन

एच ब्लाक इन्डप्रस्थ इस्टेट नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 2 मई 1981

निर्देश सं. आई. ए. सी. १/एक्यू.१/९-८०/१३२४—

भ्रत: सुप्ति आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर प्रविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रविनियम, कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सकाम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- सप्ते से अधिक है

और जिसकी सं. 176 है, तथा जो शेख सराय, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण, घिनियम 1908 (1908 का 16) के प्राधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्वर्ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिनी (अन्तरिनियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण नहीं किया जा सकता उक्त प्रविनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के वायित्व में कमी करने या उपरे बढ़ने में सुविधा के लिए; और/या

प्रभुत्वों

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी व्यक्ति या अन्य व्यक्तियों को, जिस्वे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रविनियम, या छन्दकर प्रविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, प्रथ, उक्त प्रविनियम का धारा 269-प के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रविनियम का धारा 269-प ती उत्तराय (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्रीमती लाज कुमारी, पत्नी ठाकुर वास मेहता, 176, शेख सराय, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. मैं भारतीय खादी ग्रामोद्योग संघ 67-68, ने हरू प्लेस, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रथ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रा० नं० 176, (पुराना नं० 26/82/159, शेख सराय, नई दिल्ली, थोक फल 120 वर्ग गज, नई दिल्ली ।

प्रा० बी० एल० अग्रवाल
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1 विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्डप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 2-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ग (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 110002 दिनांक 2 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य-1/9-80/1337—

अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ग के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं० के-25 है, तथा जो साउथ एक्सटेंशन-2, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980

का पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः आब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों पर्याप्त:—

1. श्री महेश कुमार मेहरा सुपुत्र श्री ईश्वर वास मेहरा (अन्तरक)
2. श्रीमती कमला मेहरा पत्नी श्री ललित चन्द मेहरा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील के 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति के द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्द किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

मकान नं० के-25, साउथ एक्सटेंशन-2, नई दिल्ली क्षेत्र 200 वर्ग गज, ग्राउन्ड और दूसरी मजिल।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्ड्र प्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 2-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत बाहरी टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, विकास भवन,

एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 2 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/९-८०/१७६—अतः

भारत आर० बी० एल० आग्रवाल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 33/2 है, तथा जो विश्वास नगर, शाहदरा,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ ग्रन्सूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

अपूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के छयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्त यह विश्वास
करने वा कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके छयमान प्रतिफल से, ऐसे छयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नांकित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिद्धित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से है किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरीती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नांकित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. श्री घोमप्रकाश सक्सेना सुपुत्र श्री बाबू कंवर बहादुर सक्सेना
2/33, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्रीमती ब्रह्मोदेवी पत्नी श्री राधे, श्री विरेन्द्र कुमार,
सुरिन्द्र कुमार, श्रीमती मालती देवी पत्नी श्री
बीरेन्द्र कुमार, श्रीमती माधवी देवी, पत्नी श्री सुरिन्द्र
कुमार 22/9, मस्जीद खजूर, शाहदरा, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की हामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

वनस्पति

प्रोपर्टी नं० 2/33, प्लाट नं० 33, ब्लाक नं० 2, थेन 223
वर्ग गज, खसरा नं० 792, ग्राम कर्किर्दुमन, पान्डु रोड,
युधिष्ठिर गती, विश्वास नगर, शाहदरा, दिल्ली।

भारत आर० बी० एल० आग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 2-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, एच ब्लाक, विकास भवन,

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई, 1981

निवेश, सं० आई० ए० सी० /एक्यू-१/९-८०/१३८१/—अतः
मूँझे आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व
के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भाटी, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, दोसे दृश्यमान प्रतिफल का
पक्षहूँ प्रतिक्रिया से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के क्षिए
तथा पाया गया प्रतिक्रिया निम्नलिखित चेत्र से उक्त अनुसरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने पा उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगसार्थ प्रत्यक्षित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा

(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्पात—

1. श्री के० सी० जौहरी, सुपुत्र श्री ए० सी० जौहरी,
206, दीनदयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. श्री प्रताप सिंह सुपुत्र श्री आई० पी० सिंह,
डी-48, हौज खास, नई दिल्ली,
द्वारा जी० ए०, आई० पी० सिंह
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
लिए कार्यालयित करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु
किसी प्रथम व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में लिए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के प्रम्य 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रम्य में दिया
गया है।

मनुसूची

कृषि क्रम संख्या 16 और 8 विषये खसरा नं०
1031 (८-१६), 1030(९-१२), ग्राम भाटी, तहसील
नई दिल्ली।

ग्रार० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, विकास भवन,
एच ब्लाक, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख 2-5-1981

मोहर :

प्राप्त प्राईंट दो० एव० एव०—
प्रायकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, एच ब्लाक, विकास भवन,
नई दिल्ली-100002

नई दिल्ली, विनांक 2 मई 1981

निदश सं० प्राईंट दो० सी०/एक्य०-१/९-८०/१३५९/—
अत् मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,
आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त भविनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन समान प्राधिकारी को, यह किलास करने का कारण
है कि स्पावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है।

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सेडुल, अग्रवाल
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980
को पूर्णपत्र सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विवाद
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पछाद प्रतिवान से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक
निम्निति में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धारा की बाबत उक्त
भविनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी धारा या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर भविनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त भविनियम, या
धनकर भविनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त भविनियम की धारा 269-व के अनुवरण
में, मेरे उक्त भविनियम की धारा 269-व की उपचारा (1)
प्रधीन, निम्नलिखित अवित्तियों, अस्ति।—

1. श्री चटान, सुपुत्र श्री केवल,
सेडुल अग्रवाल, तहसील महरोली, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री परमानन्द दातक, सुपुत्र श्री लक्ष्मी चन्द,
19-बी/3, शक्ति नगर, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अवंत के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अवंत के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अवित्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त अवित्तियों में से
किसी अवित्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्पावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी प्रथम अवित्त द्वारा, प्रधोत्स्तानी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

इवज्ञीकरण:—इसमें प्रपूत शब्दों और पदों का, जो उक्त
भविनियम के अवधारणा 20-क में परिचालित
हैं, वही अंदर होगा, जो उस अवधारणा में
दिया गया है।

मनसूची

भूमि 36 बीघे और 12 बिघे, खसरा नं० 13/10
माइनर नं० 1/4, खसरा नं० 71(5-17), 96 (5-15),
100 (0-18), 105(1-06), 116(2-0), 123(1-15),
137(7-13), 139(10-04), 172(1-4), ग्राम सेडुल अग्रवाल,
तहसील महरोली, नई दिल्ली

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, विकास भवन,
एच ब्लाक इन्क्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख : 2-5-1981

मोहर :

प्रकाश प्राइंटी एनो एडो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेजन्स, एच ब्लाक, विकास भवन,
नई दिल्ली-10002

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-१/९-८०/१३४८/—

अतः मुझे, आर० बी० एल० अग्रवाल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पाचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित जाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कुषि भूमि है तथा जो ग्राम देवली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पुर्णरूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक सितम्बर, 1981 का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पक्का प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनंतकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्—

1. श्री राधेश्याम, श्री करम सिंह, श्रीमती दुर्गविती श्रीमती लक्ष्मी देवी, ग्राम, देवली, तहसील दिल्ली (अन्तरक)
2. मै० दिल्ली, टवरस, प्रा० लि० 115-अन्तरल भवन, 16 कस्तूरबा गांधी मार्ग, मैं नई दिल्ली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरद्वारा व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अधिक भाव में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिकृत अधीक्षक भारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण 1——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही अर्थ शेंगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कुषि भूमि, 39 बीघे 1 बिश्वे रेक्ट नं० 30, खसरा नं० 6(4-08), 14(4-16), 15(4-16) 16(4-16), 17(4-16) 24 माइनर नं० (1-07) और 25(4-16), और रेक्ट नं० 31, खसरा नं० 20 माइनर साउथ (2-12), 21(4-16), और 22 माइनर वेस्ट, (1-18), स्थापित ग्राम देवली, तहसील महरौली नई दिल्ली।

आर० बी० एल० अग्रवाल
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त चनिरीक्षण
अर्जन रेज- , विकास भवन
एच ब्लाक , इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
तारीख 2-5-1981
मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्य०-1/एस०आर०—III/

9-80/1257/—भतः सुमे, आर० बी० एस० अग्रवाल

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प(1) के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम भासी में स्थित है
(और इससे उपाधद अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,
1980

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पर्याप्त प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक कारण से कठित नहीं किया जाता है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी प्राय. की बाबत उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए वा छिपाने में
सुविधा के लिए ;

भतः यह, उक्त अधिनियम की धारा 269-प के
प्रत्युत्तरमें, में उक्त अधिनियम की धारा 269-प की
उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारों, अवृत्त :—

1. स्वर्गीय कर्नल सर्वन सिंह सुपुत्र श्री बुध सिंह,
3101, सैक्टर-21, चन्डीगढ़ ।

(अन्तरक)

2. श्री एस० बाबू सिंह सुपुत्र एस० बुध सिंह
श्रीमती सुरजीत कौर, पत्नी बाबू सिंह,
ग्राम भाती, तहसील महरौली, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यबाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यवितयों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, और भी प्रवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के गाम लिखित
में किए जा युक्तों ।

राजटोकरण :—इसमें प्रतुक्त गद्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम', के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही
प्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि का 1/2 हिस्सा 16 बीघे और 10 बिश्वे, खसरा
नं० 67(6-4), 68(2-6) 69/1(1-9) 72(1-6),
72(2-2), 73(3-3) और कृषि भूमि का 10/22, हिस्सा,
4 बीघे, और 8 बिश्वे खसरा नं० 74, ग्राम भाती, तहसील
महरौली, नई दिल्ली

आर० बी० एल० अग्रवाल,

सक्रम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1,

एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख । 2-5-2981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०————

प्राप्तकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत] सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, 1,

एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 2 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/1/एम० आर०-III/
9-80/1340/—ग्राम आर० बी० एल० अग्रवाल
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है, तथा जो ग्राम विज्वाशन में
स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में और जो पूर्ण न्यू से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
एवंह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी ग्राम की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी भूमि या अन्य ग्रामियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
द्वन्द्वकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

ग्राम आर० बी० एल० अग्रवाल,
उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अविक्षियों, अर्थात्:—
7-96 GI/80

1. श्री रनधीर सिंह मुमुक्षु श्री शीश राम,
ग्राम वीज्वाशन,
(अन्तरक)

2. मै० दिल्ली टावर्स और इस्टेट (प्रा०) लि०,
115, अन्साल भवन, 16 कस्तुरबा गांधी मार्ग,
नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए
कार्यालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अधीन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राम्य:

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्षियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो
भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्षियों में से किसी अविक्षित द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य अविक्षित द्वारा, अधिकृतस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, क्षेत्र 8 बीघे और रेक्ट नं० 86, खसरा नं०
4(5-00), और 7 (4-00) और ट्युबवेल रेक्ट, नं० 85,
खसरा नं० 26, ग्राम वीज्वाशन, नई दिल्ली।

ग्राम आर० बी० एल० अग्रवाल,
सकाम प्राधिकारी
सहायक ग्राम्यकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1,
एच० ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

तारीख: 2-5-1981

मोहर:

प्रमुख आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2,

एच ब्लाक, विकास भवन, इन्ड्रप्रस्थ इस्टेट, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-2/एस० आर०-2/9-80/
3785—अतः अतः मुझे विमल बशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० इन्डियू जैड-391 है, तथा जो हरी नगर, क्लौक टोवर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में जो पूर्णस्वप्न से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि पथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में मुश्किल के लिए; और/या

(ब) किसी आय या किसी धन या अन्य ग्राहितियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थे ग्रहिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुश्किल के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जयदेव दत्त, सुपुत्र श्री कल्याण दत्त,
श्रीमती लीला बती पत्नी श्री जयदेव दत्त,
मकान नं० इन्डियू जैड-391, हरी नगर, घंटाघर,
नई दिल्ली-64
(अन्तरक)

2. जीवन दास, सुपुत्र श्री ग्रन्डा राम,
श्रीमती कौशल्या देवी पत्नी श्री जीवन दास,
सी-126, हरी नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

यह सूचना आरो करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयी करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाकेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी भव्य व्यक्ति द्वारा, यद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० इन्डियू जैड-391, हरी नगर, घंटाघर, नई दिल्ली
एरिया, ग्राम ती-हार, नई दिल्ली।

विमल बशिष्ट,
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली,
तारीख : 11-5-1981
मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एइय०-2, /एस०आर०-2/9-80/
6944—अतः मुझे विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सभी प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० म्युनिसिपल नं० 437 है जो मुरारी लाल गली,
4-अंसारी रोड, दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपांच अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरकी (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की नाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य अस्तियों को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, नै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ६—

1. श्री दाल चन्द्र अग्रवाल मुपुत्र श्री परशादी लाल,
4378/4, अंसारी रोड, दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राम शर्मा देवी, पत्नी श्री महेश चन्द्र बंशल,
श्री अशोक कुमार बनसल और श्री अनील कुमार बंशल
मुपुत्र श्री महेश चन्द्र बंशल।
लोक वस्ता, 245, चान्दनी चौक, दिल्ली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्ती व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किती अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सिंगल स्टोरी बिल्डिंग म्युनिसिपल नं० 4378-भाग-I,
मुरारी लाल गली, 5-अंसारी रोड, दिल्ली थेव
407, वर्ग गज (खसरा नं० 58)।

विमल वशिष्ठ,
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली

तारीख : 11-5-1981

मोहर :

प्रकृष्ट शाई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मई 1981

निवेश सं० शाई० ए० सी०/एक्यू-2/एस० आर०-2/9-80/
3637 अतः—मुझे विमल विशेष,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सञ्चय प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- इयर से अधिक है
और जिसकी सं० जे-7/25 है, तथा जो राजोरी गार्डन, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से दूरी किसी आय की बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा की 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती दर्शन विरमानी, पत्नी श्री चमन लाल, विरमानी
सुपुत्र श्री तारा चन्द्र,
जे-7/25, राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।
(अन्तरक)

2. ई-132, पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

जो यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तरसंबंधी अधिकारियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारियों में से
किसी अधिक द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अधिकारी द्वारा, अधिकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे :

लघुवीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

बना हुआ मकान, नं० जे-7/25, क्षेत्र 143.3 वर्ग गज,
राजोरी गार्डन, नई दिल्ली।

विमल विशेष,
मकान अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 11-5-1981

मोहर :

प्ररूप पाई०टी० एन० एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प (1) के प्रधीन सुचना

भारत सरकार

वायोलिय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, 2, एच ब्लाक, विकास भवन,

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1981

निर्देश सं० आई० प० सी०/एक्यू 2/9-80/3754—अतः
मुझे, विमल वर्षाणि,
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
प्रारा 269-व्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० दृष्टि भवि है तथा जो ग्राम हुलस्वी, ललन
दिल्ली राज्य, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा/पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिटी (अन्तरिटियों) ले बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया नै।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के साथित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, परम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

१. श्री आशा राम, सुपुत्र श्री भोला,
ग्राम नेकपुर, ज़िला मेरठ, य० पी० ।

2. श्री बलबन्त /सिंह भुपत्र श्री माम चन्द,
माम डलभी रहदे दिल्ली याण दिल्ली

(अन्तरक)

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथिन के लिए कार्यवाहियाँ करसा डें।

उनके सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रविधि-
नियम के अध्याय 20-के परिभासित है, वही
प्रर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्तिम

क्षेत्र 17 बीघे और 12 बिहंडे, रेक्ट नं० 59, किला
नं० 13(4 16), 18(4-16), 23-माहात्म, 4(4-16),
रेक्ट, नं० 60 किला नं० 15/2(2-7), 16/2(0-17),
स्थापित क्षेत्र ग्राम दूलम्बी कलानां, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

विमल वणिष्ठ
सक्षम अधिकारी

तारीख : 11-5-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राईंटी एनो एसो—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 11 मई 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०, एक्य०-२/एस० आर०-२/
९-८०/३७२१—अतः मुझे विमल वणिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम हुलम्बी कलना
दिल्ली राज्य, में दिल्ली स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चात् प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनात् अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अनुसार—

- 1. श्री आशाराम, सुपुत्र श्री माला,
ग्राम नेकपुर, जिला मेरठ, यू० पी० ।
(अन्तरक)
- 2. श्री बलवन्त सिंह, सुपुत्र श्री माम चन्द,
ग्राम हुलम्बी खुर्द, दिल्ली राज्य, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्म्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षताकारी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वर्तीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही
प्रयोग होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, ध्वेष 15 बीघे, रेक्ट नं. 59, किला नं. 14
(4-16), किला नं. 17 (4-16), 24 (5-8), स्थापित
क्षेत्र हुलम्बी कलन, दिल्ली राज्य दिल्ली।

विमल वणिष्ठ,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख : 11-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप्राई, टी.एन.एस.-----

1. श्री चेता राम सुपुत्र श्री बेला राम,
22/91-92, वेस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, 11000, दिनांक 11 मई 1981

तिर्देश सं० आई० ए० सी०/एस्यू-२/एस० आर०-१/
९-८०/६९२४/— अतः मुझे विमल विशेष्ट,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० ए-१/६ है, तथा जो मोती नगर, नई दिल्ली में
स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर जो पूर्णरूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण (अधिनियम, 1908 908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्थह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्ह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आरूप/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरित दबारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

2. कुमारी कृष्णाकुमारी सुपुत्री श्री ग्राणाराम कालरा
ए-१/६, मोती नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

मनूसली

सम्पत्ति, नं० ए-१/६, मोती नगर, नई दिल्ली ।

तारीख : 11-5-1981

मोहर :

विमल विशेष्ट,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

प्रमुख आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली,-110002, दिनांक 11 मई 1981

निहेंग सं० आई० ए० सी०/एस००-२/एस० आर०-२/९-
८०/३७५३/— अतः मुझे विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961, (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसमें पहलात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० उपि भूमि है तथा जो ग्राम दुलभी कलन,
दिल्ली गज्य, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन दिनांक मिनम्बर, 1981

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के तिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:-

1. श्री उदय सिंह सुपुत्र श्री हरदान,
ग्राम झीलपुर, जिला गाजियाबाद, यू० पी०
(अन्तरक)
2. श्री बनवन्त सिंह सुपुत्र श्री मामचन्द,
ग्राम दुलभी खुर्द, दिल्ली राज्य, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आधेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की हासिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्य में कसी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

अनुसूची

- (ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

भूमि क्षेत्र विश्वे और 18 विश्वे रेक्ट नं० 49 किला
नं० 12(4-16), 19(4-16), 22(5-6), स्थापित ग्राम
दुलभी कलन, दिल्ली राज्य, दिल्ली।

विमल विश्वास,
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख: 11-5-1981

मोहर:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

प्रस्तुप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, पहाड़यक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 11 मई 1981

निवेश सं० आई० ए० सी० /एक्य०-2/9-80/6956/—
अतः मुझे विमल बघिट्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर तम्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और, जिसकी सं० 7263-64 और 727-75 है, तथा जो
रोशनग्राम एक्सटेंशन, शक्ति नगर, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उक्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता प्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रेक्शन अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उत्तेश्य से उक्त अन्तरण निम्नित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में दुई किमी आय को बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

प्रस्तुप: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरम
में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अविक्तियों, अवैद्य:—

8-96GI/81

1. श्री अमर नाथ अरोड़ा, सुपुत्र श्री बद्री दास,
135, जोर बाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्री कृष्ण लाल मुपुत्र सर्वगीय श्री माहीबड़ीटा मल,
7278/126, प्रेम नगर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना भारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न क
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस मूचना के राजान में प्राप्त तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्पंचांशी अविक्तियों पर सूचना की
तारीख ने 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि वाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में
किसी अविक्त द्वारा;

(ख) इस मूचना के राजान में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं,
वही अर्थ द्वारा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बनादुआ प्लाट नं० 8025 (पुराना), नई एम०पी० एल०
नं० 7263-64, और 7274-75 स्थापित रोशनग्राम एक्सटेंशन
शक्ति नगर, दिल्ली और अब प्रेम नगर, दिल्ली।

विमल बघिट्ट
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 11-5-1981

मोहर :

मुख्य मार्फ़ाटी. टी. ए. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 11 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य००-॥ एस० आर० ।/
9-80/6983/— प्रत: मझे विमल बशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 6289 से 6292 वार्ड नं० 12 है, तथा जो
कोहलापुर, कमला नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखण
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से अंगित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के
कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908
(1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण
है कि प्रथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूर्झ किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आमन्तरण को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती राज रामी पत्नी श्री राम चन्द्र,
6289-92, वार्ड नं० 12, कोहलापुर रोड, कमलानगर,
दिल्ली-7
(अन्तरक)
2. श्रीमती मधु समालीया पत्नी श्री कन्हैया लाल
144-ई, कमला नगर, दिल्ली-110007,
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या लक्ष्यमन्त्यी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
दद्धि किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

पहली मंजिल सम्पत्ति नं० 6289 से 6292 तक, वार्ड
नं० 12, स्थापित कोहलापुर, रोड, कमला नगर, दिल्ली-110007

विमल बशिष्ट
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

तारीख : 11-5-1981

मोहर :

प्रकल्प आई०टी०एन०एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली
नई दिल्ली, विनांक 11 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-२, ९-८०/३७७६—
श्रृङ्खला: मझे विमल अधिकारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित आजार मूल्य 25,000 रु.
से अधिक है

और जिसकी सं० जे-11/117 है, तथा जो राजोरी गाँड़न,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन विनांक सितम्बर, 1981

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित आजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तररत का गई है और मैं यह विष्वास
करने का कारण है कि दृश्यमान प्रतिफल सं०, ए०में दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती
(अन्तरितीतयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्घोषण से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
काप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दृश्यत्व
में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
जौर/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आविष्ट था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः यदि उक्त अधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, वै, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत है:—

1. श्री राजिन्द्र नाथ सुपुत्र श्री लक्ष्मी वास,
जे-11/117, राजोरी गाँड़न, नई दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्री पी० आर० क्वात्रा, सुपुत्र श्री मुलख राज, क्वात्रा,
कु० चान्द क्वात्रा, सुपुत्री श्री मुलख राज क्वात्रा।
डी-53, कालका जी, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी वक्षी
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्ति शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

सम्पत्ति नं० जे-11/117, क्षेत्र 200 वर्ग गज, राजोरी
गाँड़न, नई दिल्ली

विमल वर्षांट
सक्षम अधिकारी
सहायक आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

तारीख 11-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 मई 1981

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्य०-२/९-८०/६८८२/—
और मुझे विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 70, साउथ रोड, वार्ड नं० 14,
है तथा जो वस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना, दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पुर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,

1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरसी
अन्तरिरतियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगान्वय अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, और, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हुशन लाल, ओबरोई सुपुत्र रघुमल हरगोविन्दलाल
ओबरोई, सुपुत्र श्री रघुमल, पत्ता, 27, गुजरा वाला,
भाग-2, दिल्ली श्री ओमप्रकाश ओबरोई, एस० पी०
ओबरोई सुपुत्र श्री दौलत राम,
बी-103, दिराबल नगर, दिल्ली

(अन्तरक)

2. श्रीमती अंगुरी देवी, पन्नी श्री रामेश्वर दास अग्रवाल
वस्ती हरफूल सिंह, सदर थाना, दिल्ली।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाबू भूमि में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 70, साउथ, स्थापित वस्ती हरफूल सिंह,
सदर थाना, रोड, वार्ड नं० 14, दिल्ली।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-2 नई दिल्ली

तारीख 12-5-1981

मोहर :

प्रकल्प आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली दिनांक 12 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II एस० आर० I/
9-80/6891—ग्राम: मुझे विमल विश्वास

ग्रामकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-वा
के अधीन सकाम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, त्रिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
द० से अधिक है।

और जिसकी सं० 16-ई/6 है, तथा जो इष्ट पटेल नगर नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुमूली में और जो पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकृत के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
फलद्वय प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा
पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी वाय की वावत, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए,
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य वास्तियों
को जिन्हें भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अस: अब, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-वा के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-वा की उपभारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिस:—

1. एस० के० मधन सुपुत्र थी डी० एस० मदान,
जनरलों प्रटर्नी श्री भखन सिंह बजाज सुपुत्र श्री नवधा
सिंह,

16/ई-6 पूर्वी, पटेल नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. एस० के० अरोड़ा, सुपुत्र श्री जी० डी० अरोड़ा,
25/4, इष्ट पटेल नगर, नई दिल्ली।
श्रीमती उमा अरोड़ा, पत्नी श्री एस० के० अरोड़ा,
पता, उपरोक्त, लिखित

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्रामोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिवृत्तस्थानी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुमूली

सरकारी भवन, सम्पत्ति नं० 16/6, इष्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली।

विमल विश्वास
सकाम अधिकारी
सहायक ग्रामकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

तारीख 12-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ग (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II एच० ब्लाक, विकास भवन,
नई दिल्ली—110002
नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य० II०/एस० आर०-I/9-80/
6916—अतः मुझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43), (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी मंजूरी सी०-33 है तथा जो बाली नगर, नई देल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर,
1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्टमान
प्रांतफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृष्टमान प्रतिफल से ऐसे दृष्टमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तोर्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1—श्री हरीश चन्द्र सुपुत्र श्री मोतीराम निवासी ई-35
कीर्ति नगर नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2—श्री परशोत्तम लाल सेठी सुपुत्र श्री मंगल सैन सेठी
निवासी I-19 कीर्ति नगर, नई देल्ली।

(अन्तरक)

क्यों यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के उक्त कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्त कार्यवाहियाँ करता है—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजीला मकान नं० सी-33 बाली नगर नई देल्ली क्षेत्र-
फल 150 वर्ग गज।

विमल विश्वास
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

अस: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकारी:—

दिनांक 16-5-81

मोहर :

प्रस्तुत वाहू.टी.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज II, एच० ब्लाक, विकास भवन

नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/९-८०/एस० आर०-

II/3759—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या सी-91 है तथा जो शिवाजी पार्क नई देल्ली
में स्थित है। (ओर इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,

1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इयमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इयमान प्रतिफल से, ऐसे इयमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हैरू किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपावदा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1—श्री विनोद कुमार वर्मा सुपुत्र श्री सीषु राम वर्मा निवासी
सी-91 शिवाजी पार्क, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2—श्रीमती दयावन्ती गर्ग पत्नी श्री टेक चन्द गर्ग निवासी
एच०-७४ शिवाजी पार्क, नई देल्ली

(अन्तरिती)

मैं यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

सूचना

एक मंजिला मकान नं० सी-91 शिवाजी पार्क, नई देल्ली

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16-5-81

मोहर :

प्रकाश वाई-टी-एन-एस-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) द्वारा
260-व (1) के पश्चात सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II प्लॉक, विकास भवन

नई दिल्ली-11002

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II/9-80/
3729—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 260-व के पश्चात सकाम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी संख्या 66 है तथा जो नार्थ एवेन्यु रोड, पंजाबी बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन

दिनांक सितम्बर 1980,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तुति की गई है और मुझे वह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिकल के पश्चात प्रतिकल अधिक है और प्रस्तरक (अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब यामा यामा प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत; उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; बीठ/या

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या वाय आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 260-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 260-व की उपचारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी अधिकारी—

1—श्री विद्या सागर सुपुत्र दिल्लिमूलराज निवासी 9-एफ० 2562 मेक्टर 19C चंडीगढ़।

(प्रत्यक्ष)

2—श्री परमजीत सिंह सुपुत्र श्री जसवंत सिंह निवासी रोड नं 54 मकान नं. 13 पंजाबी बाग नई देहली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्याद्वियां भरता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी व्याप्तिपन :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अधिकारीयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारीयों में से किसी अधिक द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्धु किसी अन्य अधिकारी, प्रबोहस्तानी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

एष्टटीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जोकि 'अधिनियम' के अन्याय 20-क में परिभाषित है, बड़ी अर्थ होता जो उस अन्याय में दिया गया है।

1/3 हिस्सा प्लाट नं. 66 नार्थ एवेन्यु रोड, क्लास सी पंजाबी बाग नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सकाम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज- दिल्ली, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16-5-81

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंटी.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-

नई दिल्ली-110002, दिनांक 16 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/ /एस० आर०-II/9-80/
6974— मुझे, विमल बिंदु-आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवरण करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक हैऔर जिसकी संख्या प्लाट नं० 34 रोड नं० 56 है तथा जो पंजाबी
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1980,को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घात
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवरण
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दूर्घात प्रतिफल से, ऐसे दूर्घात प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितियों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन करदेने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसने भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान:—
9-96GI/811— श्री दुर्ग प्रणाद भुटानी मुपुत्र श्री हरीचन्द भुटानी सी-202
ग्रेटर कैम्पान, पार्ट-I, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2— श्री तरलांब सिंह मुपुत्र श्री प्रताप सिंह मास्टर राज मोहन
सिंह मुपुत्र श्री तरलांब सिंह निवासी मकान नं० ए
1/238, पश्चिम विहार, देहली

(अन्तरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना को सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
सिद्धित में किए जा सकेंगे ।स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्याप्त का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 34 रोड नं० 56 क्लास सी० पंजाबी बाग, नई
देहली ।विमल बिंदु
सहायक प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

दिनांक 16-5-81

मोहर :

प्रस्तुप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली-110002

नई दिल्ली, दिनांक 16 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०II/एस० आर०-II/9-
80/3716—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० जे-5/157 है तथा जो राजौरी गाँड़न, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावर्द्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधोन दिनांक सितम्बर,
1980,

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ग्राही-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दिष्ट में वास्तविक
रूप से कार्यकृत नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुए किसी आग की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1—श्रीमती विद्या वन्ती पत्नी श्री संत सिंह निवासी 9213
गलीनं० 5, मुलतानी ढाड़ा, पहाड़ गंज, नई दिल्ली
(अन्तरक)

2—भी मुरीन्द लाल ग्रोवर सुपुत्र श्री हंस राज ग्रोवर निवासी
जे०-6/112, राजौरी गाँड़न, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आशेषः-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाव भी समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

सम्बोधकरण:-इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभ्रष्ट हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान नं० जे०-5/157, राजौरी गाँड़न, नई
दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II नई दिल्ली-110002

दिनांक : 16-5-81

मोहर :

प्रस्तुत याई० ढी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की वारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-1100002, दिनांक 19 मई 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सी० एक्य०/II/एस० आर०-II/
9-80/3711—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'डेक्ट्र प्रधिनियम कहा गया है), की वारा 269-व
के प्रधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
२० से अधिक है

और जिसकी सं० ल्लाट नं० जे०-6/117 है तथा जो राजौरी गार्डन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और प्रमाणरक (प्रमाणरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है ।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत उक्त
अधिनियम के प्रधीन फरदेने के प्रमाणरक के बायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकड़ नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, किसाने
में सुविधा के लिए।

अतः, अब; उक्त अधिनियम सी वारा 269-व के अनुदरण
में, में उक्त अधिनियम की वारा 269-व की सम्बाधा (1)
के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवधित:—

1—श्री सुरीन्द्र लाल ग्रोवर सुपुत्र हंज राज निवासी जे०-
6/117, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2—श्री निकान राम सुपुत्र श्री मोती राम निवासी जी-12,
प्रताप, नगर दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, और भी
अवधि द्वाय में समाप्त होती हो, के भोवर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;

(ख) हस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वारा
किसी अन्य अवित्य द्वारा, अधोदत्ताकारी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

मकान नं० जे०-6 /117, राजौरी गार्डन, नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रोज़, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 19-5-81

मोहर :

प्रस्तुप बाहर्.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं० आई ए० सी०/एक्यू/II/एस० आर०-II/
80/3735—अतः मुझे, विमल वशिष्ट,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे हस्ते
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 66 है तथा जो नार्य एवेन्य रोड, पंजाबी
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 का (1908 का
16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वांक संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे वह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कभी कुनै या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एंसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः बब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के बन्दरण
में, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षा :--

1—श्रीमती विमला जोशी पली पंडित शाम सुन्दर
जोशी, निवासी 898, सैकटर लै, आर० के० पुरम,
नई दिल्ली

(अन्तरक)

2—परमजीत सिंह सुपुत्र श्री जसवन्त सिंह, निवासी 13,
रोड नं० 54, पंजाबी बाग, नई दिल्ली

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अन्सूची

1/3 हिस्सा प्लाट नं० 66, नार्य एवेन्य रोड, पंजाबी बाग,
नई दिल्ली, क्षेत्रफल 220.37 वर्ग गज।

विमल वशिष्ट
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, नई दिल्ली-110002

दिनांक : 19-5-81

मोहर :

प्रस्तुप प्राई० टी० एन० एस०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II एच० डिलॉ, विश्वास भवन नई दिल्ली-
110002 (आश्र्वा० पी० इस्टेट)

नई बिल्ल, दिनांक 19 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस० आर०-I/9-80/
6951—ग्रंथ: मझे, विमल विश्वास,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- है से अधिक है।

और जिसकी संख्या 4754 से 4757 तथा जो रोशनारा रोड, सज्जी मंडी देहली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अन सूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीफरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त को गई है और भूमि यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बावजूद अन्तरण के लिए तब आया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी नहीं या उससे बचने में नुकसान हो लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) का उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अस्तित्व द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिश्चित के लिए;

वक्त : अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसर
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित अकिलमौ, अधिक :—

1—रोशनारा फाईनेंस (प्रा०) लिमिटेड 4570 रोशनारा
रोड देहली श्री देवीन्द्र सिंह मैनेजिंग डायरेक्टर
(अन्तरक)

2—जयपुर गोल्डन चेरीटेबल क्लीनिक लेबोरेटरी ट्रस्ट XII -
4736-41 रोशनारा रोड सज्जी मंडी देहली श्री
वि० एल० बाहरी
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिपूर्वक अवधियाँ नहीं हैं।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अपोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अन्याय 20-क में परिचारित है, वही अर्थ होगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 4754 से 4757/XII रोशनारा रोड, सज्जी
मंडी देहली घोलफल 355 वर्ग गज

विमल विश्वास
संकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली-1100002

दिनांक 19-5-81

मोहर :

प्रकृष्ट असौं दी० एच० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ग (1) के अधीन सूचना

वार्ता संस्कार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II एच० ब्लॉक, विकास भवन

नई दिल्ली-110002 (आई० पी० इस्टेट)

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०/II/एस० आर०-II
9-80/3743—अतः ममे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ग के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० जे-3/40 है तथा जो राजोरी गार्डन नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,
1980,

को दूर्वाकृत संपत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वाकृत संपत्ति का ऊंचाई वाजार
मूल्य, उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के रितें तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आद की वादत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) ऐसी किसी आद या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती इधारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आवश्यक था, छिपाने में सविभा
के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवश्यक:—

1—श्री रामलीग राम नारंग सुपुत्र श्री उम्हो दास निवासी
जे०-१२ राजोरी गार्डन नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2—श्री प्रताम लाल सुपुत्र श्री जट्टू राम निवासी 17/7
सुभाष नगर नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्यः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बूध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त काव्यों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वहां अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० जे०-३/४० (बना हुआ भकान) राजोरी गार्डन
नई दिल्ली शेषफल 160 वर्ग गज

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली-110002

दिनांक 19-5-81

मोहर :

प्रस्तुप बाई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेज, 2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई, 1981

निदेश मं० प्राई० ए० मी०/एक्य०-II/एभ०आर०-I/9-80/
6929-ए —अतः मझे विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्ता अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 1303 है, तथा जो मोहल्ली वैदवाड़ा, देहली,
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्यसूची में और जो पूर्ण रूप से
बर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
पिंतम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिपादन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथात् दोषेतत गंभीरता का उचित दाखार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर धनें के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) एसे किसी आब या किसी भन या अन्य आस्तशों
को, जिन्हें भारतीय आप-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किसा जाना चाहिए था, जिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकतयों अधातः—

1. श्री आर० पी० भार्गव, सुपुत्र छगु लाल,
निवासी 1303, मोहल्ला वैदवाड़ा, देहली।
(अन्तरक)

2. श्री भोला राम पुत्र मीना राम
निवासी 1303, मोहल्ला वैदवाड़ा, देहली।
(अन्तरिती)

के यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जानेवाले—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों में से किसी अविक्त व्यापारः

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितमध्ये
किसी अन्य अविक्त इवारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

लक्षणीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अन्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अन्याय में विद्या
गया है।

मृदूचूड़ी

मकान नं० 1303, मोहल्ला वैदवाड़ा, देहली।

तारीख 19-5-1981
मोहर :

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
ग्रन्जन रेज-II, नई दिल्ली।

प्रस्तुप माइंडो टी० एन० प्स० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज- I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/प्रयू० /एस०आर०-I/9-80/

6963—अतः मम विभाग विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० 38 है, तथा जो चांदनी चौक, देहली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 80 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कार्यक्रम नहीं किया गया है:—

(ए) अन्तरण से हटाई किसी आय की वापत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के असरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों वर्त्तमः—

1. श्री किरपा शंकर माथुर, पुत्र श्री मुरारी लाल माथुर निवासी ई-349, ग्रेटर कैलाश, पार्ट-I, नई दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती राज कुमारी पल्ली, उच्च श्रमार्ग गुप्ता, निवासी सी-79, शक्ति नगर, एक्सटेंशन, देहली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त हैं, वहाँ अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रमुख

जायदादानं० 38, वार्ड नं०IV, का हिस्सा बाजार चांदनी चौक देहली में स्थित है। अक्षफल 23.5 वर्ग गज, और स्टेट बैंक बिल्डिंग के सामने है।

विभाग विशिष्ट

मकान प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

तारीख 19-5-1981

मोहर:

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं० आई० ग० सी०/एक्य०-II/एस०गार०-I/9-80/
6946—अतः मुझे, विमल वसिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० बी-12 है, तथा जो मजलीस पार्क, दिल्ली-33
में स्थित है (श्रीर इसमें उत्तरद्वारा अनुसूची में श्रीर पूर्ण व्य से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्णांकता संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझ यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वांकता संपत्ति का उचित बाजार मूल्य.
उसके दरमान प्रतिफल से, ऐसे दरमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

10- 96GT/81

1. श्री कनकर सेन अग्रवाल सुपुत्र श्री बिनवारी लाल
निवासी गांव श्रीर पोस्ट आफिंग नांगल थाकीन, केयर
आफ लाला जिया राम, दिल्ली-39।
(अन्तरक)
2. गोविन्द सिंह सुपुत्र श्री जगन नाथ
निवास नं० 3586, पत्थर बाली गली, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाइं में समाप्त होती हो, के भीलर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० बी-12, स्थिति एग्रिया गांव का भरोला जो
प्रावाही में मजलिश पार्क, दिल्ली-33, खसगा नं० 23।

विमल वसिष्ठ
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई 1981

निम्नें सं० आई० ए० सी० /एक्यू-II/एस०आर०-I/9-80/

6894—अतः मुझे, विमल वसिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-
ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

ओर जिसकी सं० 4674 है, तथा जो महाबीर बजार, दिल्ली
कानाथ मार्किट, फतेहपुरी, दिल्ली में स्थित है (ओर इससे उपाबद्ध
ग्रन्तमूली में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक भितम्बर, 1980

को पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्षीय
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्निक्षित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायिक्षण में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिसे भारतीय आपकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
प्रत्यक्ष-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया आ
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) मैमर्स जीवन राम जानकी दास (एच० य० एफ०),
श्री सत्य नारायण गोयल, सुपुत्र श्री जानकीदास,
1879 भागीरथ पैलेस, दिल्ली ।
- (2) ओमप्रकाश गोयल,
- (3) मुश्तिल कुमार गोयल, सुपुत्र श्री सत्य नारायण
गोयल, 1879 भागीरथ पैलेस, चांदनी चौक,
दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री श्याम किशोर भुपुत्र श्री जय नारायण
निवास 719, कट्टरा नील, नई बस्ती, चांदनी चौक,
दिल्ली ।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना आरो करके पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बहुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

महाबीर

प्रीमर्टी, नं० 4674, क्षेत्रफल 83 वर्ग गज, महाबीर
बाजार, दिल्ली कानाथ मार्किट, फतेहपुरी, दिल्ली ।

विमल वसिष्ठ

सकाम प्राधिकारी

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-II/एस०आर०-1/9-80/
6907—अतः मुझे, विमल विस्तृ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विवास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 18, ब्लाक ए, तथा जो
आदर्श नगर, गांव भटोला देहसी में स्थित है (और इससे उपावड़
अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चवह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरीतियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नतः में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदृष्टि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
आड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तीयों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अस्तरीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की सम्भाल (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) श्री जसवीर सिंह कुमार,
(2) श्री गुरबीर सिंह कुमार सुपुत्र श्री भन्द सिंह
(3) श्री भन्द सिंह कुमार सुपुत्र श्री लभादा राम कुमार
निवासी मकान नं० पंजाबी बाग, नई दिल्ली
(प्रत्तरक)

2. मीत्तल कंस्ट्रक्शन कंपनी पटना
श्री दया राम मिस्त्रल,
(2) ब्रिज मोहन सुपुत्र श्री बिसम्बर दयाल और
श्रीमती मनभरी देवी सुपुत्र श्री विशम्बर दयाल
निवासी हृ-38, रंजीत सिंह रोड, आदर्शनगर,
देहली । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षय :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवयुध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही वर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

विमल विस्तृ

प्लाट नं० 18 ब्लाक ए, आदर्श नगर दिल्ली गांव भटोला,
दिल्ली क्षेत्र फल 375 वर्ग गज ।

विमल विस्तृ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली ।

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी./एक्यू-II/एस०आर०-I/9-80/

6930—अतः मुझे, विमल वसिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-96 है, तथा जो कीर्ति नगर, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से दिल्ली वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूसरामात्र प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूसरामात्र प्रतिफल से, एंसे दूसरामात्र प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी दिसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दबारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री जगन नाथ अरोड़ा, पुत्र श्री तारा चन्द, एफ 8, सीई-II, बाली नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

1. श्री केवल राम, पुत्र खोसलाराम, निवासी सी-96, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांक व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दबारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति दबारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनूसचं

आयदाद नं० सी-96, कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

विमल वसिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख 19-5-1981

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. डी.एस. एच.—

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू-२/एस०आर०-१/९-८०
६९१०—अतः मझे, विमला वसिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सदाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वा
से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 19, ब्लाक नं० I, कीर्ति नगर,
गांव बसई धारापुर, दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर,
1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
बोड़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भूल या अन्य आस्तीयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती बुवारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री पुरुषोत्तम लाल सेठी, पुल श्री मंगल सेन सेमी
निवासी आई-19, कीर्ति नगर नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्री सोहन लाल पुत्र श्री किशन चन्द्र श्रीमती उषारानी,
पत्नी श्री ऋषि राम, श्रीमती चंचल रानी पत्नी श्रीराम
निवासी 5/75, करमपुरा, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्स्वान्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रथम सूचना और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

मन्त्री

मकान और प्लाट नं० 19, ब्लाक नं० I, जिसका क्षेत्र फल
266. 2/3 वर्ग गज कीर्ति नगर इलाके के गांव बसई धारापुर,
दिल्ली राज्य दिल्ली में है।

विमल वसिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रत्येक दीन में इनकारण—

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-III, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं. आई. ए. १० सी०/एक्यू०-II/एस०आर०-1/9-80/

6898—ग्राम: मुझे, विमल विसिष्ट

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सभी प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है।

और जिसकी सं. 1940 वार्ड नं. , है तथा जो कटरा
सहनसाही चान्दनी चौक, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक सितम्बर, 1980
के पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इस्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उत्तर के इस्यमान प्रतिफल से, ऐसे इस्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उपलेख से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कठिन महीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
कार्यालय में कमी छह दश बाल्ले वर्षों में सूचित
का लिए; वार्षिक

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य बास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रबोधनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
एक था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
कुप्रिया के लिए;

वापत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के, अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों का वापतः—

1. मिं. भागीरथ सेठ, नारन, कटरा सहनसाही चान्दनीचौक,
दिल्ली दरोगा पार्टनर श्री सत्य नारायण तुलायान
पुत्र श्री विहारी लाल निवासी 1932, कटरा सहनसाही
चान्दनी चौक, दिल्ली।
(अन्तरक)
2. श्री सीताराम मोदी पुत्र श्री नाथ मस
निवासी नं. 37, राजपुर रोड, दिल्ली-110054
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्षा:

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्रवृष्टि
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों जैसे पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

ममुस्ती

जायदाद नं. 1940 वार्ड नं. IV कटरा सहनसाही,
चान्दनी चौक, दिल्ली-110054।

विमल विसिष्ट
सभी प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-III, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेज, II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई, 1981

निर्देश सं । आई. ए० सी०/एक्य०-II/एस०आर०-J/
9-80/6977—अतः मुझे विमल वशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं XIV/1216-12/1(न्यू) है तथा जो गली
नं 11, बारा टोटी, सदर बाजार, दिल्ली में स्थित है (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1981
के पूर्वावृत्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अधिकान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वावृत्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अधिकान प्रतिफल से, ऐसे अधिकान प्रतिफल का
पूर्वावृत्त से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हर्दि किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकृत नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीन:--

1. श्रीमती रामलभाई ग्राल्स, उरमिला देवी पत्नी श्री
प्रतिपल सिंह, निवासी मकान नं 2585/ए/4,
पहली मंजिल, गली आनन्द, तेली बारा, दिल्ली ।
(अन्तरक)
2. (1) श्री गोपाल दास पुल वियासा राम,
(2) शंकर सिंह पुल नानक सिंह,
(3) श्रीमती सगर बाई, पत्नी श्री गयासुदीन,
निवासी XIV/12-16-9216/1(न्यू) गली
नं 11, बारा टूटी, सदर बाजार, दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वावृत्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वावृत्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जायकाव नं । XIV 1216-12/1 (न्यू), गली नं । 11,
बारा टूटी, सदर बाजार, दिल्ली और कें । नं । 73
डलाक 218 वर्ग गज, है।

विमल वशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज, V, दिल्ली

तारीख: 19-5-81

मोहर:

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई विल्सी, दिनांक 16 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-I/एस०आर०-I/
७-८०/३७७१—अतः मझे विमल वशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम कहा गया है'), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सी-७१ है तथा जो शिवाजी पार्क, भादीपुर,
नई विल्सी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनन्यत्वी में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई विल्सी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 198 (1908 का 16)
के अधीन विनांक सितम्बर, 1980

करे पूर्वान्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास
कारने का कारण है कि यथापूर्वोंका संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्नह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता) और अन्तरिती
(अन्तरीतियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाण गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कीर्तित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कर्मी करने या उससे अचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के, अनुसरण
में, मौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियाँ अर्थात्:-

1. श्रीमती प्यार कौर पत्नी श्री करतार सिंह
निवासी बराडा, रेलवे स्टेशन, डिस्ट्रिक्ट अम्बाला
(अन्तरक)

2. (1) श्री जसवन्त सिंह सुपुत्र श्री हजूर सिंह
(2) भूपेन्द्र सिंह
(3) अविनाश/सिंह सुपुत्र श्री जसवन्त सिंह
निवासी एच-3, शिवाजी पार्क, नई विल्सी
(4) करनेल सिंह सुपुत्र श्री अर्जन सिंह निवासी 352,
दाढ़ा जोहर।

(अन्तरिती)

करे यह सूचना आरी करके पूर्वान्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रमणः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियाँ पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्त
व्यक्तियाँ भौं से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबृद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

सम्पत्तीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभासित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अन्यसूची

प्लाट नं० सी-७१, शिवाजी पार्क, नई विल्सी थेव फ्ल
499 वर्ग गज।

विमल वशिष्ट
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

तारीखः 16-5-1981

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई विलो-110002, दिनांक 16 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस०आर०-I/9-80/
6917—अतः भुजे विमल बिश्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 15 रोड नं० 5 है, तथा जो पंजाबी बाग,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ है प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यत नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँ इन्हीं किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के, अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

11—96 GI/81

1. श्री प्रेम कुमार अहुजा, सुपुत्र श्री विहारी लाल अहुजा
निवासी एस.सी.एफ. नं० 101, घेन मार्केट, सैकटर 26,
चंडीगढ़, अटारनी श्रीमती राम प्यारी अहुजा और
श्रीमती अहुजा ।

(अन्तरक)

2. श्री योगेश चन्द्र खेड़ा सुपुत्र श्री सुन्दर लाल खेड़ा,
डी-42, मोती नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाक्षण :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाले में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
धृष्ट विवाह किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही वर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्राप्टी नं० 15 रोड नं० 5 क्लास ई, पंजाबी बाग, नई दिल्ली
क्षेत्रफल 2727 वर्गजगत ।

विमल बिश्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 16-519-81

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस०आर०-II/
९-८०/३७०६—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० ६-वी है, तथा जो बादली इन्डस्ट्री एरिया,
बादली, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची में
और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी के कार्यालय
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1980 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पर्वत्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तग पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से की गयी नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हरौ किसी आय की भावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अत्यन्त के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. श्री मुहम्मद अरुकील सुपुत्र श्री शेख सलीमुदीन,
निवासी सी-165, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली
मालिक सुपर एप्डिया चप्पल कम्पनी, सी-165,
डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. पोली प्लास्टिक प्राइवेट लिमिटेड,
63, दरिया गंगा, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, वे भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताधरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० ६-वी, बादली इन्डस्ट्रीयल एरिया, बादली,
दिल्ली, क्षेत्र फल 1900 वर्ग गज ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्रधिकारी
सहायक आयकर आयवत (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रलेप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० मी०/एक्यू-II/एस०आर०-1/
9-80/6920—अतः मुझे विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिभकी सं० ज्ञाट नं० 130 ए.है, तथा जो गुप्ता कालोनी,
देहली, में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और जो
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक भित्त्वर, 1980

को पूर्वोक्त मंपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्गत की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वारित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्था अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती शान्ती देवी पत्नी श्री चमन लाल कोहली
112, गल्ला कालोनी देहली।
(अन्तरक)
2. श्रीमती संतोष हांडा, पत्नी श्री विरेन्द्र प्रताप हांडा
निवासी मकान नं० 8429, आर्या नगर, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षणेपः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृसूची

प्लाट नं० 130-ए, गुप्ता कालोनी, देहली क्षेत्रफल 175
बर्ग गज।

विमल विशिष्ट
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली 110002

तारीख 19-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस०आर०-I/
१८०/६९५३—अतः ममे विमल वशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 46 एम० सी० डी० ४९४९ है,
तथा जो दरियांगंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ट अधिकारी
के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वान्तर संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृशे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कठित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृदृढ़ किसी आय की बावजूद, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-ग के अन्तरण
में, भै, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती कमला कपूर और रजीन्द्र मोहन, कपूर
निवासी 765, कटरा नीक चांदनी चौक, देहली ।
(अन्तरक)
2. श्रीमती राजेश कोहली, और सतीश कुमार कोहली
46, दरीयांगंज, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना आरी करके पूर्वान्तर सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यान्वयित्व करता है ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वान्तर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित किए जा सकें।

लघुनोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-के में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं० 46, एम० सी० डी० ४९४९, दरीयांगंज, नई
देहली, पुरी पहली और दूसरी मंजिल ।

विमल वशिष्ट
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली 110002

तारीख : 19-5-81

मोहर :

प्रस्तुप ब्राइं. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-II/एस०आर०-I/
9-80/6954—ग्रतः मुझे विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर रूपांतर जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 46 एम० सी० डी० नं० 4949 है, तथा जो
दरिया गंज, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची
में और जो पूर्ण रूप से अणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908
का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

का पूर्वांतर गणात्मक उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तर्राष्ट्रीक की गई है और भूमे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एसै, दृश्यमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तररकों) और अन्तर्राष्ट्री
(अन्तर्राष्ट्रीयों) के बीच एसै अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
कल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हृहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ब) एसै किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तर्राष्ट्री द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भूमि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अधित्ति है:—

1. श्रीमती कमला कपूर और रजिन्द्र मोहन कपूर,
निवासी 765 कटरा नील, चांदनी चौक, दिल्ली।
(प्रत्तरक)
2. श्रीमती सावित्री महरा, और डा० दया शंकर मेहरा
46, दरिया गंज, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांतर सम्पत्ति के उक्तन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के उक्तन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्येप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांतर
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पन्त्रोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में पर्याप्तियत
है, वहो अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 46 एम० सी० डी० नं० 4949 दरिया गंज,
नई दिल्ली।

विमल विश्वास
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 19-6-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110092, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एक्य०-II/ग्र०श्वार०-I/
9-80/6936—अतः मुझे, विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को गह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी-504 है तथा जो मजलिश पार्क, दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्णरूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिरसी
(अन्तरिरित्याँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हूँह किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनाथ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था (छपाने में
सुविधा के लिए);

अतः अब, उक्त अधिनियम, को धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री कृमेश्वर और श्री सत्यपाल, सुपुत्र गण श्री कालीराम
निवास मकान नं० सी-567, गली नं० 12, मजलिश
पार्क, आजाद पुर, दिल्ली-33।

(अन्तरक)

2. श्रीमती राम पीयारी, धर्मपत्नी श्री दुर्गा दास खना
निवास मकान नं० सी-504, गली नं० 11, मजलिश
पार्क, आजाद पुर, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर¹
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में विए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० सी-504 भूमि क्षेत्रफल 111 बर्ग गज, जो
स्थित है। गांव भरोला दिल्ली, आवादी जो मजलिश पार्क,
गली नं० 11, आजाद पुर, दिल्ली-33।

विमल विश्वास
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 19-5-1981
मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, -II, नई दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एम्य०-II/एस०आर०-I/१०-८०/
६९६२—ग्रतः मुझे विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 55 ब्लाक एफ है, तथा जो मान सरोवर गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का अन्तर अन्तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरीक्षीय (अन्तरीक्षीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँ रुपए किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धाहिरात्रा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसारण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री धर्मपाल बद्रा सुपुत्र श्री कुन्दन लाल बता निवासी नं० 20 कीर्ति नगर, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. (1) श्रीमती अर्निता गुप्ता, धर्मपत्नी श्री अशोक कुमार और (2) श्रीमती गुलशन गुप्ता, धर्मपत्नी श्री द्विज मोहन गुप्ता, निवास नं०-70, सी० सी० कालोनी, दिल्ली-7

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरोपित करने के लिए कार्यवाहीयां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 55 ब्लाक एफ क्षेत्रफल 249.8 वर्ग गज जो स्थित है मानसरोवर गार्डन एरिया गोप, बसई दारापुर, दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

तारीख : 19-5-81

मोहर :

प्रस्तुति आर्द्ध-टी.एन.एस.-----

1. श्री वी० बी० अन्डले, एडवोकेट,
निवासी 4458, नई सड़क, देहली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती मानो देवी पत्नी नथूराम
निवासी 1255, वैद्वताड़ा, देहली-6

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू-II/एस०आर०/-9-80/
6906-ए —अतः मुझे, श्रीमती विमल विश्वास

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
ष के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है

और जिसकी संख्या 1/2, 4074 से 4476 और 4484 है,
तथा जो वार्ड नं० IV, नई सड़क, दिल्ली में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिसम्बर, 1980
को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कार्यित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आवश्यक था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् १---

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में प्रीरभावित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय से दिया
गया है।

मनूसूची

1/2 विन बटा हिस्सा 7 दुकानों में और साथू दो मंजला
मकान नं० 4470 से 4476 तक और 4484, वार्ड नं० IV
नई सड़क, देहली-6 क्षेत्रफल 74 वर्ग गज।

विमल विश्वास
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली/नई दिल्ली/120002

तारीख : 19-5-81

मोहर :

प्रखण्ड आई० ई० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई विस्तीर्ण, दिनांक 19 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-II/एस०आर०-I/9-80/

6902—अल: मुझे विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उत्तर अधिनियम' भी गया है), की धारा 269-व के प्रधो। सत्रम प्राविकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है।

और जिसकी सं० 4470 से 4476 और 4484 है, तथा जो वार्ड नं० VI, नई सड़क, देहली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय देहली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पांच गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से तुर्हि किसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य पासिलियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए आ, छिपाने में सुविधा के लिए,

अल: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्तियों अर्थात् :—

12 —96GI/81

1. श्री बी० बी० एस्डैले, एडवोकेट,
4458, नई सड़क, देहली ।

(अन्तरक)

2. श्रीमती विजय लक्ष्मी भागला पन्नी किशन लाल भागला
निवासी 1255 बैदवाड़ा, देहली-6

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कायदाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी दूसरे व्यक्ति द्वारा अप्रोत्तस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

1/2 विन बटा हिस्सा 7 तुकानों में और दो मंजला सकान नं० 4470 से 4476 और 4484 वार्ड, VI, नई सड़क देहली-6 क्षेत्रफल 74 वर्ग गज ।

विमल वशिष्ठ
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 19-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एम०आर०-३/९-८०/

1342—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विज्ञान में स्थित
है (ग्रो इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन

सितम्बर, 1980

का पूर्वांक सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के उद्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांक संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके उद्यमान प्रतिफल से, ऐसे उद्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक्र) और अन्तरिती
(अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
बायिल में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

1. श्री रनधीर सिंह सुपुत्र श्री शीश राम,

ग्राम विज्ञान,

(अन्तरक)

1. श्री रमेश, बलवान और मुरेश सुपुत्र श्री रनधीर सिंह,
ग्राम विज्ञान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक सम्पत्ति के अंतर्गत के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांक सम्पत्ति
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:-—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 9 बीघे और 12 बिल्डे, रेक्ट नं० 28,
किला नं० 12(4-16) और 19(4-16) ग्राम विज्ञान।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-5-1981

मोहर :

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत :-

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई 1981

निर्देश सं आई० प० सी०/एक्य०-I/एस०ग्राह०-3/9-80/
1349—ग्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० एफ-8/9 है, तथा जो मालवीय नगर, नई
दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1980

का पूर्वांकित संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्थ ह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
अन्तरितीयों के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हूँड़ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व, में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती दृवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः जब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

1. श्री जुमाराम, सुपुत्र श्री पानुराम,
ई-2/6, मालवीय नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरक)

2. श्री शेर सिंह, सुपुत्र श्री वजीर सिंह
एफ 8/9, मालवीय नगर, नई दिल्ली ।

(अन्तरिती)

करें यह सूचना आरी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की सामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दृवारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितद्वय
किसी अन्य व्यक्ति दृवारा अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में विद्या
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति, नं० एफ-8/9, क्षेत्र 126, वर्ग गज; मालवीय
नगर, नई दिल्ली ।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-5-1981

मोहर :

प्रारूप आई. टी. एन. एस. ——

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1981

निर्देश सं. आई० ए० सी०/एस्य०-१/एस-आर ३/९-८०/

1341—आतः मुझे, विमल बशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं. कृषि भूमि है तथा जो ग्राम विज्ञान में
स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तब
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

जल्द: जब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों वर्तमान :—

1. श्री रनधीर सिंह सुपुत्र श्री शीशराम,
ग्राम विज्ञान

(अन्तरक)

2. श्री रमेश, बनवान और सुरेश सुपुत्र श्री रनधीर सिंह,
ग्राम विज्ञान।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पक्षों का जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भावित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 1/3 भाग, रेक्ट नं. 23, किला नं. 4
(4-16), 5(4-16), 6(4-16), 7/1(1-04) और
15/1(2-08)

विमल बशिष्ठ
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली-110002

तारीख : 15-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1981

निर्वेश सं० आई० ए० सी०/ एक्य०-II 9-80/1203—

ग्रत: मुझे, विमल बशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर संपत्ति त्रिभुवन उचित बाजार मूल्य 25,000/-
द० से अधिक है।और जिसकी संख्या कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपशेरा,
महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पहले
प्रोत्तेश्वर से अधिक है धीरे ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया ऐसे
प्रतिफल, निम्नलिखित उपर्युक्त से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख)ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य जास्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-व के, अनुसरण में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधिकृत हैं—

1. श्री नवल चिह्न सुपुत्र श्री राम नाथ, जगराम, गोपाल,
सरदार, सुपुत्र श्री किशना, ग्राम कपशेरा, महरौली,
नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

सरकार कन्सट्रक्शन कं० प्रा० लि०

द्वारा : जी० डी० पोद्दार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई प्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के उक्तपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षित व्यक्ति के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और उनको का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 5 बीघे, किला नं० 699 माईन०, स्थापित ग्राम कपशेरा, महरौली, नई दिल्ली।

विमल बशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, दिल्ली नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1981

निर्देशांक 0 आई० ए० सी०/एक्स०-१/एस० आर० 3/
9-80/1200—अतः मुझे, विमल बशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो कपशेरा, नई दिल्ली
तहसील महरौली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से अंशित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन दिनांक सितम्बर, 1980

की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकता संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूर्छ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य जास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, लिखाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--

1. श्री नवल सिंह, सुपुत्र श्री रामनाथ, जगराम, गोपाल,
सरदार, सुपुत्र श्री किशना, ग्राम कपशेरा, महरौली,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैसर्स सागर कन्स्ट्रक्शन कं० प्रा० लि०
द्वारा : श्री जी० डी० पोदार।

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बीघे और 4 विश्वे, खसरा नं० 670/1,
(2-8), 671/1 (0-16), 672 मादन० (0-8),
699(0-12), ग्राम कपशेरा, महरौली, नई दिल्ली।

विमल बशिष्ट
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख 15-5-1981

मोहर :

प्रूरुप श्राई० दी० एन० एस०————
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-I/एस० आर०-3/
9-80/1202—ग्रतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपशेरा, महरौली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद अनुमूल्य में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन सितम्बर, 1980
को पूर्णकृत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि प्रथापूर्वक सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल ने ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पश्चात् प्रतिशत से अधिक है,
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के द्वारा ऐसे अन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिकाल,
निम्नलिखित उदाहरण में उक्त अन्तरण निखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बाबत, सक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ज) ऐसी किसी आय या किसी घन या अर्थ्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या
घनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष को उपग्राहा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्यों अवधि:—

1. श्री नवल सिंह सुपुत्र श्री रामनाथ, जगराम, गोपाल,
सरदार, सुपत्र श्री किशना, ग्राम कपशेरा, महरौली,
नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. श्रीमती सतां पत्नी श्री गोपाल, फुलवन्ती पत्नी श्री
सरदार सिंह जन्न पत्नी श्री जगराम, जयपाल मुपुत्र श्री
नवल सिंह ग्राम कपशेरा, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी अवित्यों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अवित्यों में से किसी अवित्य द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वितीय
किसी अन्य अवित्य द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम, के प्रब्लेम 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रब्लेम में दिया
गया है।

अनुमूल्य

कृषि भूमि क्षेत्र 12 बीघे और 17 बिघे, खसरा नं० 191
(4-16), 198/1(4-16), 198/2(0-4), 206/1 (1-16)
207/2 (1-9), ग्राम कपशेरा, महरौली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-5-1981

मोहर :

प्ररूप बाई० टी० एन० एस० -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय; सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज- ; नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-१/एस० आर०-३/९-८०/
१९९—अतः मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपशेरा, नई दिल्ली
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
दिनांक सितम्बर, 1980 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थे अनुसूची द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मवल सिंह, सुपुत्र श्री रामनाथ, जगराम, गोपाल,
सरदार, सुपुत्र किशना, ग्राम कपशेरा, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. मैसर्स सागर कन्ट्रक्शन कंपनी प्रा० लि०
द्वारा श्री जी० ही० पौदार।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्रोप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन को अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन जो तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में त्रित्रिक्षु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बीचे और 4 विश्वे खसरा नं० 671/2
(4-0), 672 माइन० (0-4), ग्राम कपशेरा, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 15-5-1981

मोहर :

प्ररूप आद्वे टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/ एस० आर० ३/
९-८०/१२५२ अन्तःमुश्ति, विमल विशिष्ट

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है, की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है
और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम सतबारी में स्थित
है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में पूर्णरूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकेट अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1980

को पूर्णोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिक्त
(अन्तरीक्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हट्टे किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर बने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्त इवारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-
13-96 GI/81

1. श्रीमती छोटी पत्नी, स्वर्गीय श्री चन्द्र मल,
यूसुफ सराय, नई दिल्ली।
(अन्तरक)
2. मैं० अन्तल हाहमिंग और इस्टेबस प्रा० लि०
115, अन्तल भवन, 16 के० जी० मार्ग, नई दिल्ली।
(अन्तरीक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई आदेषः-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 29-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 4 बीघे और 16 बिघे, खसरा नं० 875
(4-16), ग्राम सतबारी।

विमल विशिष्ट
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली, 110002

तारीख : 15-5-1981
मोहर :

प्रलूप आई० टी० एत० एस०-----

पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1981

निवेश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर० ३/
९-८०/१२१९—ग्रतः मुझे विमल वशिष्ट

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उत्तर भारतीय' कहा गया है), की धारा 269-व
के अन्तर्गत सभी प्राधिकारी ने प्रदिव्याप करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
में अधिक है

और जिसकी संख्या एस-23 है, तथा जो ग्रीन पार्क एक्सटेंशन,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन सितम्बर, 1980 का

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अनुत्तरित की गई है और मुझे यह दिव्याप करने का कारण है
कि प्रथापूर्वकता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से नहीं लिखित नहीं
किया गया है :—

(क) उन्नरण रहने वाली ओर की ओर, उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तर्गत दोषीय अन्य अस्तियों
में कभी करने या उठाने वाले ने सुविधा के (जैए)
दार/गा।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आवश्यक था, छिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के यनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा(1) के अधीन,
निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

1. श्रीमती देवीन्द्र मोहनी खन्ना, पत्नी श्री प्रेम स्वरूप खन्ना
सी-1/17, सफदरजंग विकाश योजना, नई दिल्ली ।
(अन्तरक)

2. श्रीमती मुशीला देवी खन्ना, पत्नी श्री धरम स्वरूप खन्ना
श्री एन० एस० खन्ना, मुपुत्र श्री धरम स्वरूप खन्ना,
बी-1/40, सफदरजंग इन्क्लेव, नई दिल्ली ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजनन के लिए
कार्यालयीय शुल्क दरता ।

उक्त धनि उक्त सम्पत्ति में नहीं भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्त नारीब से 45
दिन की प्रवधि या उक्त स्थावर सम्पत्ति पर सूचना
नी गारीब ने 30 दिन की प्रवधि, जो भी प्रवधि बाद में
प्रमाण दोती हो, तो भी उक्त पूर्वोक्त अधिकारी में
नहीं विकास द्वारा;

(ब) इस सूचना के राजपत्र में प्राप्त नारीब से 45
दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अघोदस्ताक्षरी के पास लिखित में
निये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधि-
नियम १ अप्रैल १०-८ में विभागित हैं, वही
अर्थ होता है, जो उक्त प्रधानमें दिया गया है ।

अनुसूची

हिस्सा 500 वर्ग गज, सम्पत्ति नं० एस-23, ग्रीन पार्क
एक्सटेंशन, नई दिल्ली-16 ।

तारीख 15-5-1981
मोहर :

विमल वशिष्ट
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, नई दिल्ली

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०--
श्रावतर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 मई, 1981

निर्देश सं० ग्राइ० ए० सी० एक्य०-I/एस० आर० 3,
७-८०/१२०१— अतः मुझे विमल बशिष्ट
ग्राम्यकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के
प्रधीन सूचना प्राविहारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर संगति जिन्हा उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम कपशेरा, महरौली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावढ़ घनसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई
दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पक्षहृत
प्रतिशत से प्रधिन है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल विभिन्निक उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी ग्राम की बाबत उक्त अधि-
नियम के प्रधीन नहीं देने हेतु अन्तरण के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय ग्राम्यकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनावं अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के
प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—

1. श्री नवल सिंह सुपुत्र श्री राम नाथ, जगराम, गोपाल,
सरदार, सुपुत्र श्री किशना, ग्राम कपशेरा, महरौली,
नई दिल्ली ।

(प्रत्तरक)

2. मैं, सागर कम्प्लेक्स, कॉ० प्रा० सि०, नई दिल्ली
द्वारा जी० डी० पोदार ।

(प्रत्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तस्वीरन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-
ब द्वारा किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा अधीक्षितकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टटीकरण :——इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि, क्षेत्र 4 बीघे और 4 विश्वे खसरा नं० 872
मालून० स्थापित कपशेरा, महरौली, नई दिल्ली ।

विमल बशिष्ट
समान ग्राम्यकर
सहायक ग्राम्यकर ग्राम्यकर (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, दिल्ली, नई दिल्ली 110002

तारीख 15-5-1981

मोहर :

प्रस्तुप आई.टी.एट.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-३, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर ३/९-८०/

1232—अतः मुझे, विमल बणिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन लक्ष्यम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, नई
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्रव अनुसूची में पूर्ण रूप
से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
सितम्बर, 1980

को पूर्वांकित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दस्तावेज
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वांकित संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दस्तावेज प्रतिफल से, ऐसे दस्तावेज प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तिक
रूप से कथित नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हृदय किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ल) ऐसी किसी आय या किसी धन मा अन्य आस्तियों
के, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभाग (:)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

1. श्री राम स्वरूप सुपुत्र श्री कन्हैया (1/4),
तोता सुपुत्र श्री मोहन (1/2) इन्द्राज सुपुत्र श्री नाथवा
(1/4), ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मै० चन्द्रा फेमली ट्रस्ट, द्वारा श्री महेश वन्द जैन,
35-डिपुटी गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर
सूचना को तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वांकित
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ल) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधेहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

विमल
बणिष्ठ

कृषि भूमि क्षेत्र 12 बीघे और बसरा नं० 567 (4-16),
568/2(2-8), 585(4-16), ग्राम राजोकरी, नई दिल्ली।

विमल बणिष्ठ
सभम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-१, नई दिल्ली

तारीख: 15-5-1981

मोहर:

प्रस्तुत आई. टी. एन. एस. —————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 मई, 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०-१/एम० आर० 3/७-८०/
१२३३—प्रतः मझे, विमल वशिष्ठ

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' लगा गया है), की धारा 269-व के अधीन उक्तम् प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर न्यायि, जिन्हा उक्त बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक हैं

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम राजोकरी, महरौली, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अन्तसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई विल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूर्घमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यहां पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूर्घमान प्रतिफल से ऐसे दूर्घमान प्रतिफल का अन्तर भवित्व से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बावजूद अन्तरण इन्हें तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विभिन्न में वास्तविक रूप से उपयोग किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राम की शब्दत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रकारके के वायित्व में लम्ही करने या उससे बचने में युविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आष-कर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में, युविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अन्तियों, अर्थात् :—

1. श्री मुन्ही, लाल सिंह, जयदयाल सुपुत्र श्री पूरन ग्राम राजोकरी, महरौली, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

2. मैं० चन्द्रा फैमिली ट्रस्ट, बारा श्री महेश चन्द्र जैन, 35, डिपुटी गंज, दिल्ली।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रबंधन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ

उक्त सम्पत्ति के प्रबंधन में जोई भी आक्षेत्र :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तक्समन्वयी अवक्षितों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्षितों में से किसी अवक्षित द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर-सम्पत्ति में हितखदा किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

प्रह्लोकणः—इसमें प्रथम शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 5 बीघे और 10 विघ्ये, खसरा नं० 551 (4-6), 560/1(1-4), ग्राम राजोकरी, महरौली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर प्राप्ति (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002

तारीख : 15-5-1981

मोदर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-I, नई दिल्ली

नई दिल्ली, विनांक 15 मई 1981

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्य०-१/एस० आर० ३/९-८०—
1234—प्रसः: मुझे, विमल वशिष्ठ

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० कृषि भूमि है तथा जो ग्राम रजोकरी, महरौली,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाखद्ध अन्यसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन सित बर, 1980

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विवास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धत प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
प्राप्तरिती (प्राप्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थे प्राप्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के, अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अधिकृत:—

1. श्री निहाल, भार्तु, मनी राम, सुपुत्र श्री भीमा, छतर सुपुत्र
श्री रमजीताल (1/5) और महिन्द्र सुपुत्र
श्री छतर सिंह, ग्राम राजोकरी, महरौली, नई
दिल्ली।

(अन्तरक)

2. म० चन्द्रा फैमिली ट्रस्ट, द्वारा श्री महेश चन्द्र जैन,
35, डिपुटी गंज, सदर बाजार, दिल्ली।

(प्राप्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उता प्रति न अर्जन न सम्भव में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस पूर्वना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की नामीन में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजन्त्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवड़
किसी प्रत्यवर्ती द्वारा प्रवेहस्ताभरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरी नाम:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि क्षेत्र 6 बीचे और असरा नं० 559/2(2-8),
560/2(3-12), ग्राम राजोकरी, महरौली, नई दिल्ली।

विमल वशिष्ठ
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-I, दिल्ली, नई दिल्ली-110002
तारीख: 15-5-1981
मोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I बम्बई

बम्बई, दिनांक 4 मई, 1981

निर्देश सं. ए० आर० 1/4466-4/80-81—अतः मुझे,
सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. सी० एस० नं. 472 फोर्ट डिवीजन है तथा
जो कावसजी पटेल स्ट्रीट में स्थित है (और इससे उपावड़ अनन्सूरी
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, दिनांक 4-9-1980 (विलेख नं. बम्बई 202/79)
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दरेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूर्दा किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में भ्रष्टाचार
के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1),
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री ग्रायेस बाई अहमद एच० अब्दुल्ला
(प्रन्तरक)
2. श्रीमती बाई अश्मा गुलाम अलि खानभाय
(प्रन्तरिती)
3. श्रीमती अश्मा गुलामअली खानभाय (वह व्यक्ति
जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाबू में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस्सेदार
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षरीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रान्त
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि संख्या नं. बम्बई 202/79 उपरजिस्ट्रार
प्राधिकारी द्वारा दिनांक 4-9-1980 को रजिस्टर्ड किया गया
है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, बम्बई

दिनांक : 4-5-1981

मोहर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई, 1981

निर्देश सं. ए. आर०—III/ए. पी० 364/81-82—

अतः मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित दाजार मूल्य
25,000/ रु. से अधिक है

और जिसकी सं. प्लाट नं. 3 आफ ए. प्रायवेट ले आउट एण्ड
एस. नं. 14 ए (पाट) है तथा जो चैंबर विलेज में स्थित
है (और इससे उपावन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक 6-9-80
(विलेख नं. एस. 1138/79)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का दावण है कि इथागांडीदल निर्वित द्वारा उत्तर दाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पञ्चांश प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उच्चेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) अन्तरण से हूँ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

1. दी स्वस्तिक टैक्सटाइल मिल्स लिमिटेड

(अन्तरक)

2. रिजर्व बैंक एम्प्लायमेंट स्पार्टिंस को० आप० हा० सो०
लिमिटेड

(अन्तरिती)

3. अन्तरक (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में क्वोई भी आक्षेपः--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाब में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

प्रनुमोची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं. एस. 1138/79 को
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-9-80 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सुधाकर वर्मा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक 12-5-1981

मोहरः

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थातः--

प्रस्तुप वाई.टी. टी.एम.एव.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भारत की
269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज I, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई 1981

निर्देश सं. ए० आर० I/4471-9/80-81—अतः मुझे,
मुद्राकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के प्रधीन सकारात्मक प्राधिकारी को, यह विवास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में पर्याप्त है।

और जिसकी सं. सी० एम० नं० 1/265 है तथा जो लोअर परेल
डिवीजन में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
दिनांक 23-9-1980 (बम्बई 1769/80)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
इसमें दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और अन्तररक (अन्तररकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

1. मैसर्स सपाजी मिल्स लिमिटेड

(अन्तरक)

2. मैसर्स मोरारजी गोकुलवास स्पिंनिंग एण्ड वीर्विंग कं०
लि०

(अन्तरिती)

3. ओल्ड मिल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में
सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आलोचना:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तस्तम्बशी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के पीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के पीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, पश्चोद्दस्ताकरी के पाप लिखित
में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकारण:—इसमें प्रमुख घटकों घौर पर्दों का, जो उक्त
अधिनियम के अन्तर्गत 203 में परिचालित
हैं; वही प्रबंध होगा, जो उस अध्याय में
विद्या गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० बोम्बे 1769/80 को
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 23-9-1980 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरण के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्रस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
अन्तर्कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपस्थाना (1) के
प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अवक्तु :—

14—96GI/81

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-ा, बम्बई

दिनांक : 12-5-1981

मोहर :

प्रस्तुति आहू० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III, बम्बई

बम्बई, दिनांक 12 मई, 1981

निवेश सं० ए० आर० III/ए० पी० 365/81-82—अतः
मुझे, सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ए के अधीन संभव प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थापत्य सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट नं० 403 एस० नं० 3 सी० एस० नं०
1616/बी०, 1616/बी 1,2,3 है तथा जो चेंबुर में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक
22-9-1980 (विलेख नं० एस० 2480/78)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि विधायकोंके संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इष्यमान प्रतिफल से ऐसे इष्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकर्ता)
और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा यांत्रिक
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हटाई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अन्तर्गत के अन्तरित के दार्यित्व में
कभी करने या उससे अन्तरण में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था जो विवरण जाना चाहिए था, छपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती ललिता पवार
(अन्तरक)
2. सुस्वागतम प्रीमेसेस को० ऑप० सो० लिमिटेड
(अन्तरिती)
3. टेनेंट्स (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता हूँ।

अब संपत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी विशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या संस्थानी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बावधान में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थान संपत्ति में हित-
बद्ध किसी वन्न व्यक्ति द्वारा अधिस्तानी के
पास लिखित में किए जा सकते।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

ममृतकी

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० एस० 2480/78 उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 22-9-1980 को रजिस्टर
किया गया है।

सुधाकर वर्मा
संभव प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III, बम्बई

दिनांक : 12-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई, 1981

सं० ए० आर-III/ए० ; पी० 366/81-82 ए० आर०
III/ए० पी० 366/80-81:—अतः भुजे सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/-रु. से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 805ए० सी० टी० स० नं० 981
(पार्ट) 982 (पार्ट) है तथा जो मुलुंड वेस्ट में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
29-9-1980 विल संख्या एस० 580/79)

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँफे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पच्छह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पायव गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर दबो के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट महीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, भी, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्धति :—

1. मि० जयवन्त यशवन्त भराठे

(अन्तरक)

2. मि० गोविन्द डम्ल्यू० तिखे।

श्रीमति जयश्री भलितशुक्ल

(अन्तरिती)

क्वे यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवृक्ष
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रब्लेम्स:—इसमें प्रयृक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में पौरभावित
हैं, वही अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख संख्या नं० 580/79 उप-
रजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 29-9-80 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सुधाकर वर्मा
मध्यम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज III- बम्बई

तारीख : 14-5-80

मोहर :

प्रृष्ठा बाईं, टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II बम्बई

बम्बई, दिनांक 15 मई, 1981

सं. ए० आर०-I/3042-३/सितम्बर८०—अतः मुद्रे,
सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं. ए० नं. 15 हि० नं. 2 नं. 16 ए० नं. 145,
हि० नं. 1 ए० नं. 152 सब्डिक्षिणेड प्लाट नं. ० ५ है तथा जा
क्ष्योज मागाथाने में स्थित है (और इसे उपाध्य अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 6-९-८०

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दशमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दशमान प्रतिफल से, ऐसे दशमान प्रतिफल का
पञ्चवृत्त प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पापा गम प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से की गया है :—

(क) अन्तरण से हृइ किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की भारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ८—

1. श्री जयती लाल ए० पारीख 2. श्रीमती चम्पाबेन
ए० पारीख 3. श्रीमती सरला ए० पारीख
4. श्री दिव्येश जे० पारीख 5. श्री चेतन जे० पारीख
(अन्तरक)
2. स्मितांजली को० आंप० हा० सो० लिमिटेड।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोइ भी आक्षण :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि किलेब सं. ए० 250/79 बम्बई
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-९-१९८० को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, बम्बई

तारीख : 15-5-1981

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II बम्बई।

बम्बई, दिनांक 15 मई, 1981

सं० ए० आर०-II/3042-3/सितम्बर 80—अतः मुझे,
सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-
व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु. से अधिक है।

और जिसकी सं० एस० नं० 1 हि० नं० 2 एस नं० 16
एस. नं० 145 हि० नं० 1 एस० नं० 152 सबडियायडे
प्लाट नं० 5 है तथा जो विलेज मार्ग धाने में स्थित है
(और इससे उपागढ़ अनुसूची में और पूर्ण स्पष्ट से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-9-80।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल या पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकारी) और अन्तरिती
(अन्तरितार्तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हूँहै किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोगिनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री जयन्ती लाल एस० पारीख 2. श्रीमती चम्पा
बेन एल० पारीख 3. श्रीमती सरला एस० पारीख
4. श्री दिनेश ज० पारीख।

(अन्तरक)

2. स्माजली कोता आष० हा० सो० लिमिटेड।
(अन्तरिती)
4. श्री ए० एस० बने (कनफर्मिंग पार्टी)
(वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता
है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा :
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टोकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है :

अनुसूची

अनुसूची पैसा कि विलेज सं० एस० 250/79 बम्बई
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-9-1980 को रजिस्टर्ड
किया गया है।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II, बम्बई।

तारीख : 15-5-81

मोहर :

प्रस्तुत आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
भारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज II बम्बई,
बम्बई, दिनांक 15 मई 1981

सं० ए० आर०-II/3044-५/सितस्वर ८० :—अतः मुझे,
सुधाकर वर्मा,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को भारा
269-ष के अधीन सक्रम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है
और जिसकी सं० एस० नं० 15हि० नं० 2 एस० नं० 16
एड० नं० 145 हि० नं० 1 एस० नं० 152 सब डिवाइडेड
प्लाट नं० 7 है दस्ता जो विलेज मागा थाने में स्थित है (और
इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 का (1908 का 16) के अधीन तारीख 6-९-1980
को पूर्णकृत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के अव्याप्ति
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वकृत संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके अव्याप्ति प्रतिफल से, ऐसे अव्याप्ति प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती
(अन्तरितिय) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हाई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना आविहए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण
में, भौं, उक्त अधिनियम की भारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. 1. श्री जयन्ती लाल एल पारीख 2. श्रीमती चम्पा बेन
एल० पारीख 3. श्रीमती सरला एल० पारीख 4.
श्री दिनेश जे० पारीख 5. श्री चेतन जे० पारीख ।
(अन्तरक)

2. न्यू गजात्त को० आप० हा० सो० लिमिटेड ।
(अन्तरक)

4. श्री ए० एल० माहिमकर (कनकरमिंग पार्टी)
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्णकृत सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्णकृत
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस० 424/80 बम्बई
उपरजिम्दार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-९-1980 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

सुधाकर वर्मा,
सक्रम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, बम्बई

तारीख : 15-5-81

मोहर :

प्रस्तुप आर्द्ध. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

1. स्वास्तिक टैक्सटाइल मिल्स लिमिटेड।

(अन्तरक)

2. चंबुर श्राराघना को० ग्राम० सौ० लिमिटेड
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज II, बम्बई

बम्बई, दिनांक 14 मई, 1981

सं० ए० आर०-111/ए० पी 367/81-82—ग्रतः मुझे,
सुधाकर वर्मा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 37, सी० टी० ए० नं०
366 पाट) है तथा जो सायन ट्राम्बे रोड में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय स्वर्ण में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
6-9-1980 (विलेख नं० ए० 1415/79)

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके इश्यमान प्रतिफल से, ऐसे इश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
पाया जाय प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिद्धित में वास्तविक रूप से कठित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तवियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अधीत् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहीयां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी वापरेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय
में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख मंड्या नं० ए०/1415/79
उपरजिस्ट्रार अधिकारी द्वारा दिनांक 6-9-80 को रजिस्टर्ड
किया गया है ।

सुधाकर वर्मा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त निरीक्षण
अर्जन रेंज III, बम्बई

तारीख : 14-5-1981.

मोहर :

प्रसूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना

पूना, दिनांक 29 अप्रैल 1981

निर्देश सं० सी०ण० 5/एस० आर० धुले/शॉवटो/80/512/
81-82--यतः भुक्ते, ए० सि० चंद्रा

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० सि० स० नं० 1469/बी-1 है तथा जो धुले
में, स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से
वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय धुले में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक
4-10-80

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वकता सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल निम्नलिखित उद्देश्य तो उक्त अन्तरण दिवित में दास्तावक
रूप से कीर्ति नहीं किया गया है:--

(क) अन्तरण से हूँ इसकी किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तिय
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (11)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्

1. श्री करमचन्द्र प्रभुदयाल मदन,
ब्लाक नं० डी-5/1, कुमारनगर, धुले।

(अन्तरक)

2. डा० श्री राधेश्याम भिकुलाल अग्रवाल
डा० श्रीमती पुष्पाबाई राधेश्याम अग्रवाल
नजदीक धुले नगरपालिका आफिस, धुले।

(अन्तरिती)

कर्ते यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यालयों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान जिसका सि० स० नं० 1469/बी-1, धुले में स्थित
है और उसका क्षेत्र 156.5 स्के० मिटर से है।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख क्र० 2966 जो 4/10/80
को दुष्यम निबन्धक धुले के दफ्तर में लिखा गया है।)

ए० सि० चंद्रा,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पूना

तारीख 29-4-1981

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 13th May 1981

No. F.6/81-SCA(I).—The Hon'ble the Chief Justice of India has promoted and appointed Shri B.S. Dhawan, Deputy Registrar, Supreme Court of India to officiate as Registrar, Supreme Court of India with effect from the forenoon of May 18, 1981 to June 19, 1981 vice Shri R. Subba Rao, Registrar granted leave, until further orders.

II. The Hon'ble the Chief Justice of India has, until further orders, also promoted and appointed Shri R. S. Suri, officiating P.P.S. to the Hon'ble the Chief Justice of India (Permanent Assistant Registrar) to officiate as Deputy Registrar with effect from the forenoon of May 18, 1981 to June 19, 1981 vice Shri B.S. Dhawan, Deputy Registrar, appointed to officiate as Registrar and with effect from the forenoon of June 20, 1981 to June 30, 1981 vice Shri H.S. Munjral, officiating Deputy Registrar granted leave.

MAHESH PRASAD,
Deputy Registrar (Admn. J).
Deputy Registrar (Admn.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 2nd May 1981

No. A-32014/3/79-Admn. I.—The President is pleased to appoint the following permanent Senior Personal Assistants (Gd. B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission to officiate as Private Secretary (Gd. A of CSSS) in the same cadre on a purely provisional, temporary and ad-hoc basis with effect from the dates mentioned against their names or until further orders, whichever is earlier.

S. No., Name and Period.

1. Shri Joginder Singh—4-5-81 to 3-7-81.
2. Shri R. L. Thakur—25-4-81 to 24-6-81.

H.C. JATAV.
Joint Secretary (Admn.)
Union Public Service Commission
Tele : 381870

ENFORCEMENT DIRECTORATE
FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 10th April 1981

No. A-11/1/81.—Shri R. K. Dubey, Assistant Enforcement Officer in Agra Sub-zonal Office of this Directorate is appointed to officiate as Enforcement Officer in the Delhi Zonal Office of this Directorate w.e.f. 24-2-81 (F.N.), and until further orders

D.C. MANDAL,
Deputy Director (Admn.)

The 16th May 1981

No. A-16020/23/81-Ad. V.—In exercise of the powers conferred by Rule 9(2) of the Central Civil Services (Classification Control & Appeal) Rules, 1965, Director, C.B.I. and I.G.P. S.P.E. hereby appoints the following persons substantively to the post of Office Superintendent in C.B.I. D.P. & A.R. with effect from the dates noted against their names :—

Sl. No.	Names	Present place of posting	Grade in which already permanent with date of confirmation	Branch wherein lien kept on the permanent post of O.S. in C.B.I.	Date from which sub- stantively appointed as O.S.
1	2	3	4	5	6
1.	Shri Mohd. Shafique	C.B.I./Hqrs.	Crime Asstt. 20-8-71	H. O.	2-8-79
2.	Shri Puran Chand	C.B.I./Hqrs.	Crime Asstt. 20-8-71	H.O.	1-12-79
3.	Shri H. C. Patro	C.B.I./Hqrs.	Crime Asstt. 20-8-71	Spl. Unit	23-12-79

No. A-20014/432/80-Ad. I.—Shri Phani Bhushan Sarkar, an officer of West Bengal State Police on deputation to C.B.I. as Inspector of Police, has been relieved of his duties in the C.B.I., G.O.W., Calcutta Branch on the forenoon of 16-3-81 on repatriation to the West Bengal State Police.

Q. L. GROVER,
Administrative Officer (E)/C.B.I.

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 12th May 1981

No. 11/17/81-Ad.I.—The President is pleased to appoint Shri J.R. Vashista, Assistant Director of Census Operations (Technical) in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh, as Deputy Director of Census Operations, on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the same office with effect from the forenoon of the 10th April,

1981, for a period not exceeding two months or till Shri S.L. Bahl (on Leave) takes over charge as Deputy Director of Census Operations, on *ad-hoc* basis, whichever period is shorter.

The President is also pleased to appoint Shri J.N. Suri, Investigator in the office of the Director of Census Operations, Haryana, Chandigarh as Assistant Director of Census Operations (Technical), on a purely temporary and *ad-hoc* basis in the same office vice Shri J.R. Vashista with effect from the forenoon of the 10th April, 1981, for a period not exceeding two months or till Shri Vashista reverts to the post of Assistant Director of Census Operations (Technical) whichever period is shorter.

The headquarters of S/Shri Vashista and Suri will be at Chandigarh.

P. PADMANABHA,
Registrar General, India

**INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA**

New Delhi-110002, the 13th May 1981

No. 1172-C.A.-I/1-81.—Additional Deputy Comptroller and Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officer (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 4 below with effect from the dates mentioned in column 5 below until further orders :—

Sl. No.	Name of the Section Officers (Commercial)	Office where working before promotion	Office where posted on promotion as AO(C)	Date of promotion as A.O.(C)
1	2	3	4	5
<i>S/Shri</i>				
1.	M. Purnananda Sastry	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Hyderabad.	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Hyderabad.	31-12-1980
2.	Bhola Nath Bhattacharjee	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Calcutta.	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Ranchi.	21-1-1981 (A.N.)
3.	V. Balakrishna Murthy	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Hyderabad	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Hyderabad.	31-12-1980
4.	R. C. Gautam	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., New Delhi	Accountant General J & K, Srinagar.	31-1-1981
5.	M. V. Yadapanavar	Accountant General, Karnataka, Bangalore	Accountant General, Karnataka, Bangalore.	30-1-1981
6.	C. L. Gopalakrishna Murthy	Accountant General-II, Tamil Nadu, Madras.	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Bombay.	27-1-1981
7.	Y. Mohd. Enayatullah	Director of Audit (F), Madras.	Accountant General, Karnataka, Bangalore.	24-1-1981
8.	S. R. Ghosh Dastidar	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar.	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar.	31-12-1980
9.	M. Venkata Rao	On deputation to A. P. State Meat & Poultry Development Corp., Hyderabad.	Promoted under N.B.R. and allowed to continue on Deput. in A. P. State Meat & Poultry Dev. Corp. Hyderabad.	16-2-1981
10.	S. N. Singh Rajpurohit	Accountant General, Rajasthan, Jaipur.	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Bombay.	16-2-1981
11.	A. A. Bhide	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A. (Coal), Calcutta	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Bombay	17-1-1981
12.	Girish Chandra Srivastava	Accountant General-II, Uttar Pradesh, Lucknow.	Accountant General-II, Bihar, Patna	15-1-1981
13.	Syed Dawood Husain Abidi	Accountant General-II, Uttar Pradesh, Lucknow.	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Ranchi	27-1-1981

1	2	3	4	5
S/Shri				
14. Ratan Lal Kotru		Accountant General, Jammu & Kashmir, Srinagar.	Accountant General, Jammu & Kashmir, Srinagar.	13-1-1981
15. Abdul Sathar		Accountant General-II, Tamil Nadu, Madras.	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar	30-1-1981
16. M. K. Nagaraja		Accountant General, Karnataka, Bangalore.	Accountant General, Karnataka, Bangalore.	31-12-1980
17. Anand Prakash Ghildtal		Accountant General-II, Uttar Pradesh, Lucknow.	Accountant General-II, Bihar, Patna.	15-1-1981
18. Naresh Kumar Chakravarty		Accountant General-II, West Bengal, Calcutta.	Accountant General-II, West Bengal, Calcutta	1-4-1981
19. G. V. L. Narayanan		Accountant General-II, Tamil Nadu, Madras.	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar.	10-2-1981
20. Diwakar Nath Upadhyay		Accountant General-II, Uttar Pradesh, Lucknow.	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Ranchi.	11-3-1981
21. Arun Basan Chowdhury		Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Calcutta	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A. (Coal), Calcutta.	28-1-1981
22. E. V. Gowrishankaran		Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Madras.	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar.	27-1-1981
23. G. Srinivasan		Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Madras.	Member, Audit Board & Ex-Officio D.C.A., Bombay.	4-2-1981
24. J. N. Sood		Accountant General, Punjab, Chandigarh.	Accountant General, Haryana, Chandigarh.	23-1-1981

M. A. SOMESWARA RAO,
Deputy Director (Commercial)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER OF DEFENCE
ACCOUNTS (AIR FORCE)

Dehra Dun, the 12th May 1981

No. AN-I/9716-CON.—Shri M. A. Muneer, Cpt. Auditor (A/c No. 8263796) S/O Shri Abdul Quadeer, resident of House No. 3-30-7 behind Munsif Court Station Road, P.O. Tandur C-Rly Distt. Hyderabad (AP) and serving in the office of the L.A.O. (AF) Begumpet had been absent without leave with effect from 1-12-78. After following disciplinary proceedings under departmental rules he has been awarded the penalty of removal from service with effect from 31-3-81 by the C.G.D.A., New Delhi. As the order of removal from service which was sent to him at his available addresses by registered post has been received back undelivered, it is hereby notified that the said Shri M.A. Muneer stands removed from service w.e.f. the said date.

A. S. JUNEJA
Accounts Officer (Admn)

MINISTRY OF INDUSTRY
(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 30th April 1981

No. 12(688)/71-Adm.(G)-Vol.II.—Consequent upon his appointment as Faculty Member in the New Bank of India, New Delhi, Shri V. Sardana relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) (Industrial Management & Training) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the afternoon of 15th April, 1981.

No. A-19018(515)/81-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Jagdish Chandra Pasrija as Assistant Director (Gr. I) (Chemical) at Small Industries Service Institute, Indore with effect from the forenoon of 23rd March, 1981 until further orders.

The 12nd May 1981

No. 12(134)/61-Admn.(G).—The President is pleased to permit Shri Chandra Bhan, Asstt. Director (Gr. I) (Leather/Footwear), Small Industries Service Institute, Jaipur to retire from Government service on attaining the age of superannuation with effect from the afternoon of 28th February, 1981.

No. A-19018/544/81-Admn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri Swadesh Kumar, Small Industry Promotion Officer (Industrial Management & Training) Small Industries Service Institute, New Delhi as Asstt. Director (Gr. II) (Industrial Management and Training) on ad-hoc basis at S.I.S.I., New Delhi with effect from the forenoon of 13th April, 1981 until further orders.

No. A-19018/546/81-Admn.(G).—The Development Commissioner is pleased to appoint Shri K. S. Naidu, Small Industry Promotion Officer (Leather/Footwear), Central Footwear Training Centre, Madras as Assistant Director (Gr. II) (Leather/Footwear) on ad-hoc basis at the same station with effect from the forenoon of 6th April, 1981, until further orders.

The 17th May 1981

No. A-19018/94/73-Admn.(G).—Consequent upon his appointment as Chief Manager (Expert Production) in the Electronics Trade and Technology Development Corporation Ltd., New Delhi Shri P. P. Malhotra has relinquished charge of the post of Deputy Director (Electronics) in the Office of the Development Commissioner, Small Scale Industries, New Delhi with effect from the afternoon of 30th April, 1981.

C. C. ROY
Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF CIVIL SUPPLIES

(DIRECTORATE OF VANASPATI, VEGETABLE OILS AND FATS)

New Delhi-110019, the 15th May 1981

No. A-12022/8/80-Estt.—Shri Santi Kumar Roy, Assistant Marketing Officer in the Directorate of Marketing and Inspection, Faridabad, Ministry of Rural Reconstruction has been appointed as Development Officer (Oils) in the Directorate of Vanaspati, vegetable Oils & Fats, Ministry of Civil Supplies, in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 on temporary regular basis with effect from the forenoon of 11th May, 1981 until further orders.

A. K. AGARWAL
Chief Director

MINISTRY OF STEEL & MINES

(DEPARTMENT OF STEEL)
IRON & STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 14th May 1981

No. Admn. P.F.(455)/3().—On attaining the age of superannuation Shri Deb Prasad Roy, Asstt. Iron & Steel Controller retired from service with effect from the afternoon of 30th April, 1981.

S. N. BISWAS
Jt. Iron & Steel Controller

(DEPARTMENT OF MINES)
GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA
Calcutta-16, the 14th May 1981

No. 2219B/A-32013(AO)/78/19A.—Shri A. K. Chatterjee, Superintendent, Geological Survey of India is appointed on promotion as Administrative Officer in the same department on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- on *ad-hoc* basis with effect from the forenoon of 25-3-1981 against the leave vacancy of Shri M. M. Das, Administrative Officer, Coal Division, Geological Survey of India, Calcutta.

No. 2230B/A-19012(3-RPS)/80-19B.—Shri R. P. Sawalakhe, STA (Chem.) is appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 21-11-80, until further orders.

No. 2243B/A-19012(3-GN)/80-19B.—Shri G. K. Narasimhan, S.T.A. (Chem.) is appointed to the post of Assistant Chemist in the Geological Survey of India on pay according to rules in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- in a temporary capacity with effect from the forenoon of the 23-10-1980, until further orders.

V. S. KRISHNASWAMY
Director General

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 16th May 1981

No. A.19012(144)/81-Estt.A.—Shri D. P. Gupta, Senior Technical Assistant (Statistics), Indian Bureau of Mines is appointed to officiate as Mineral Office (Stat.) on *ad-hoc* basis in the leave vacancy of Shri D. Ram, Mineral Officer with effect from the forenoon of 24th April, 1981 to 6th June 1981.

A. R. KASHAV
Head of Office
Indian Bureau of Mines

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

(DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION)

Faridabad, the 8th May 1981

No. A.19024/1/81-A-III.—Shri R. D. Gupta, Senior Chemist, is appointed to officiate as Junior Scientific Officer, under this Directorate at Central Agmark Laboratory, Nagpur, with effect from 31-3-81 (FN) on purely *ad-hoc* basis for a period of six months or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 12th May 1981

No. A.19023/2/81-A-III.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group 'B'). Shri P. Kutumba Rao, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Dte. at Faridabad in the forenoon of 29-4-81, on regular basis, until further orders

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Rao relinquished the charge of the post of Assistant Marketing Officer at Hyderabad in the afternoon of 16-4-1981.

B. L. MANIWAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

POWER PROJECTS ENGINEERING DIVISION

Bombay-5, the 2nd May 1981

No. PPED/3(262)/78-Adm.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay hereby appoints Shri R. S. Talpade, a permanent Personal Assistant and officiating Stenographer-III of this Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of May 4, 1981 to the afternoon of June 20, 1981 vice Shri G. A. Kaulgad, Assistant Personnel Officer proceeded on leave.

The 12th May 1981

No. P.P.E.D./3 (236)/81-Estt.-I/5585.—Director, Power Projects Engineering Division, Bombay is pleased to appoint the undermentioned personnel of this Division as Scientific Officers/Engineers—Grade 'SB' in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders :—

Sl. No.	Name	Present Grade
1.	Shri V. V. Babji . . .	Scientific Ass'tt. 'C' (QP SA 'B')
2.	Shri S. K. Pal . . .	Scientific Ass'tt. 'C' (QP SA 'B')

B. V. THATTIE,
Admn. Officer.

(NUCLEAR FUEL COMPLEX)

Hyderabad-500 762, the 8th May 1981

ORDER

No. Ref. NFC/PA.V/2606/455/986.—WHEREAS Shri Mohd. Jahanger Ali, Driver Grade II, NFC was granted Annual Leave from 23-5-80 to 24-6-80;

AND WHEREAS the said Shri Jahangeer Ali on the expiry of the leave sanctioned failed to report for duty on 25-6-80;

AND WHEREAS the said Shri Jahangeer Ali has been remaining absent from duty from 25-6-80 onwards without any intimation/sanction of leave and causing dislocation of work;

AND WHEREAS the said Shri Jahangeer Ali was issued with a telegram on 2-11-80 directing him to report for duty immediately;

AND WHEREAS the post copy of the telegram bearing No. NFC/PAT/9(11)/80 dated 2-11-80 was also sent to him by Registered post A.D., to his residential address viz. H. No. 20-2-269, Hyderabad-500 002 was returned undelivered by postal authorities with remarks "No such person in this house No. Returned to sender";

AND WHEREAS the said Shri Jahangeer Ali continued to remain absent from duty unauthorisedly (without prior intimation/sanction of leave) without informing NFC of his whereabouts;

AND WHEREAS the said Shri Jahangeer Ali was issued with a charge sheet vide memorandum No. NFS/PA.V/2606/455 dated 23-2-81;

AND WHEREAS the said Shri Jahangeer Ali was directed to submit within 7 days of the receipt of the memorandum dated 23-2-81 a written statement of his defence and also required to state whether he desired to be heard in person;

AND WHEREAS the charge sheet No. NFC/PA.V/2606/455 dated 23-2-81 sent by registered post A.D. to his residential address viz., H. No. 20-2-269, Hyderabad-500 002 was returned undelivered by postal authorities with remarks "No such person in this H. No. Hence, returned to sender";

AND WHEREAS the said Shri Jahangeer Ali continued to remain absent from duty unauthorisedly and without keeping NFC informed of his whereabouts;

AND WHEREAS the said Shri Jahangeer Ali had been guilty of voluntarily abandoning his service;

AND WHEREAS because of his abandoning service without keeping NFC informed of his present whereabouts, the undersigned is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an inquiry as provided in para 41 of NFC Standing Orders/ or Rule 14 of CCS (CC&A) Rules, 1965;

AND WHEREAS the undersigned has come to the provisional conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Jahangeer Ali;

AND WHEREAS the said Shri Jahangeer Ali was informed of the provisional conclusion vide memorandum No. NFC/PA.V/2606/455/798 dt. 11-4-81 giving him an opportunity of making his representation against the penalty proposed within 10 days from the date of receipt of the memorandum;

AND WHEREAS the said memorandum dated 11-4-81 sent to him by registered post A.D. to his local/permanent address viz. H. No. 20-2-269, Kaman Sookhi, Mir Hussaini Alam, Hyderabad-500 002 was returned undelivered by postal authorities with remarks "No such person in this House No. R/S";

AND WHEREAS the undersigned after carefully going through the records of the case has come to final conclusion that the penalty of removal from service should be imposed on the said Shri Jahangeer Ali;

NOW, THEREFORE, the undersigned in exercise of the powers conferred under para 43 of NFC Standing Orders read with DAE Order No. 22(1)/68-Adm.II dated 7-7-79,

hereby removes the said Shri Jahangeer Ali from service with immediate effect.

G. G. KULKARNI
Senior Administrative Officer

ATOMIC MINERALS DIVISION

Hyderabad-500 016, the 11th May 1981

No. AMD-4(15)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. L. Agarwal, permanent Scientific Assistant 'A' and officiating Scientific Assistant 'C' as Scientific Officer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

No. AMD-4(15)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Rajan Sahoo, temporary Scientific Assistant 'C' (Drilling) as Scientific Officer SB in the same Division in a temporary capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

No. AMD-4(15)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri C. Baby, permanent Senior Mine Surveyor and officiating Surveyor 'B' as Scientific Officer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

No. AMD-4(15)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri G. P. Sharma, permanent Senior Mine Surveyor and officiating Surveyor 'B', as Scientific Officer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

No. AMD-4(15)/80-Rectt.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri Gurudas Singh, permanent Technical Assistant and officiating Technical Assistant 'C' as Scientific Officer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

The 15th May 1981

No. AMD-4(15)/80-Recit.—Director, Atomic Minerals Division, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri S. Banerjee, permanent Surveyor and officiating Surveyor 'B' as Scientific Officer SB in the same Division in an officiating capacity with effect from the forenoon of February 1, 1981 until further orders.

M. S. RAO
Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 13th May 1981

No. 05012/R2/OP/4051.—Officer-in-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Suresh Chintaman Thakur, a permanent Assistant Personnel Officer of Heavy Water Project (Baroda), to officiate as Labour-cum-Welfare Officer in the same project, in addition to his own duties during the period of August 21, 1980 (FN) to January 21, 1981 (AN).

R. C. KOTIANKAR
Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 11th May 1981

No. V.S.S.C./Est./F/1 (17).—The Director, V.S.S.C. hereby appoints the undermentioned persons in the Vikram Sarabhai

Space Centre (V.S.S.C.) of the Department of Space as Scientist/Engineer 'SB' in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 1st April, 1981 and until further orders :—

S. No.	Name	Designation	Division/ Project
S/Shri			
1.	N. Sadasivan .	Sci./Engr. SB	RFF
2.	V. K. Narayanan .	Sci./Engr. SB	FRP
3.	K. Ramachandran Pillai	Sci./Engr. SB	STF
4.	K. Kolappan Asari	Sci./Engr. SB	SLV
5.	H. Gulam Dastagir .	Sci./Engr. SB	SLV
6.	A. Arumugam .	Sci./Engr. SB	PSN/PLS
7.	P. V. Prabhakaran .	Sci./Engr. SB	EFF
8.	K. Sreedharan .	Sci./Engr. SB	LCSD/APSU
9.	M. S. Sukumaran Nair	Sci./Engr. SB	PSN/PFS
10.	K. Ramachandran Pillai	Sci./Engr. SB	CON
11.	S. Ramachandran Nair	Sci./Engr. SB	ARD
12.	S. Kalyani Ammal .	Sci./Engr. SB	CGD
13.	C.C. Lilly .	Sci./Engr. SB	CGD
14.	S. Pundarikakshan .	Sci./Engr. SB	TED
15.	C. G. Parameswaran	Sci./Engr. SB	LCSD/APSU
16.	I. Raja Rao .	Sci./Engr. SB	MAC
17.	G. Prabhakaran .	Sci./Engr. SB	PSC
18.	T. E. Krishnan .	Sci./Engr. SB	PED
19.	T. S. Kannan .	Sci./Engr. SB	CPF
20.	C. P. Manickavasagam	Sci./Engr. SB	SLV
21.	K. Somasekhara Pillai	Sci./Engr. SB	EMD

P. A. KURIAN,
Admn. Officer-II (Est.)
for Director—V.S.S.C.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
(INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT)

New Delhi-3, the 12th May 1981

No. E(I) 05372.—Shri S. Ananthanarayanan, Assistant Meteorologist, Meteorological Centre, Trivandrum, India Meteorological Department, retired voluntarily from the Government service with effect from 31st March, 1981.

K. MUKHERJEE
Meteorologist
for Director General of Meteorology

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 13th May 1981

No. A. 32013/1/80-E-I.—The President has been pleased to appoint the following officers to the grade of Regional Director

in the Civil Aviation Department, on regular basis with effect from the 18th March, 1981.

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri B. Hajra .	Regional Director, Calcutta Region, Calcutta Airport, Dum Dum.
2.	Shri Jagdish Chandra .	Regional Director, Bombay Region, Bombay Airport, Bombay.

No. A.32013/4/80-E. I.—The President has been pleased to appoint the following Deputy Director of Communication to the grade of Director of Communication, on regular basis with effect from 18-03-1981.

S. No.	Name	Station of Posting
1.	Shri K. V. N. Murthy .	Director of Radio, Construction Unit and Development Unit, Safdarjung Airport, New Delhi.
2.	Shri R. S. Goela .	Director of Communication, Bombay Airport, Bombay.

No. A.32013/9/80-E. I.—The President has been pleased to appoint the following officers in the grade of Director, Air Routes & Aerodromes, in the Civil Aviation Department, on regular basis, with effect from the 18th March, 1981.

S. No.	Name	Station of posting
1.	Shri S. W. J. Norton .	Madras Airport, Madras.
2.	Shri R. L. Pereira .	Bombay Airport, Bombay.
3.	Shri S. K. Bose .	Calcutta Airport, Dum Dum
4.	Shri B. K. Ramachandran .	Delhi Airport, Palam.

S. GUPTA
Deputy Director of Administration

MINISTRY OF WORKS & HOUSING

(DIRECTORATE OF ESTATES)

New Delhi, the 6th May 1981

No. A-19012/3/81-Admn'B'.—Shri S. D. Nigam, Superintendent (Legal) of the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Legal Affairs) who was concurrently holding the post of Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates, has vacated the said post in the Directorate of Estates w.e.f. the forenoon of the 13th April, 1981.

2. Shri S. B. Sharan, Superintendent (Legal) of the M/Law, Justice & Company Affairs (Department of Legal Affairs) is appointed concurrently as Assistant Director of Estates (Litigation) in the Directorate of Estates, M/Works & Housing w.e.f. the forenoon of the 1st May, 1981, until further orders vice Shri S. D. Nigam.

M. M. DAS,
Deputy Director of Estates.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES,
KARNATAKA, IV FLOOR, B.W.S.S.B. BUILDING,
CAUVERY BHAVAN, BANGALORE-56009

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Supra Breweries Private Ltd.*

Bangalore-56009, the 11th May 1981

No. 1735/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Supra Breweries Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
I-Teek Private Ltd.*

The 11th May 1981

No. 2363/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of I-Teek Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Sree Venkateswara Industrial Agencies Private Ltd.*

The 11th May 1981

No. 2393/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Sree Venkateswara Industrial Agencies Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Tolani Garments Industries Private Ltd.*

The 11th May 1981

No. 2537/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Tolani Garments Industries Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Alserew Private Ltd.*

The 11th May 1981

No. 2635/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Alserew Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Bidar Chemicals Private Ltd.*

The 11th May 1981

No. 2720/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Bidar Chemicals Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Mysore Agro Chemicals Company Private Ltd.*

The 11th May 1981

No. 2942/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Mysore Agro Chemicals Company Private Ltd., has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Sun (Chem. Eng.) Industries Private Ltd.*

The 11th May 1981

No. 3082/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Sun (Chem. Eng.) Industries Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
M/s. Priya Investment Private Ltd.*

The 11th May 1981

No. 3756/560/81-82.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Priya Investment Private Ltd., unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. T. GAJWANI
Registrar of Companies
Karnataka, Bangalore

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Ganga Films Private Limited*

Madras-600006, the 12th November 1973

No. 831/560/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (5) of Section 560 of the Companies Act 1956, that the name of Ganga Films Private Limited, has this day been struck off the register and the said company is dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Nehru Stores Private Limited*

The 22nd December 1975

No. DN/1875/560(3)/75.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Nehru Stores Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Associated Parents and Teachers Private Limited*

The 13th March 1975

No. DN/5026/506(3)81.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Associated Parents and Teachers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Lakshmi Ring Travellers Manufacturing Company Private
Limited*

The 10th December 1973

No. DN/5328/73.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 (3) of Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Lakshmi Ring Travellers Manufacturing Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Vnjappalayan Transports Private Limited*

The 22nd December 1975

No. DN/5947/560(3)75.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 (3) of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of Vnjappalayan Transports Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Eastern Finished Leather Corporation Private Ltd.*

The 4th December 1979

No. DN/6546/560/PCV/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 (3) of Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Eastern Finished Leather Corporation Private Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

*In the matter of the Companies Act, 1956 and of
Vasantha Automobile Engineering Company Private Limited*

Madras, the 4th February 1980

No. DN/6666/560/C.IV/79.—Notice is hereby given pursuant to sub-Section (3) of Section 560 (3) of Companies

Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of Vasantha Automobile Engineering Company Private Ltd., unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

S. SRINIVASAN
Asstt. Registrar of Companies
Tamil Nadu, Madras

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX
ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 28th May 1981

CORRIGENDUM

No. CHD/193/80-81/432—In Gazette of India, Part III—Sec. 1 dt. 16th May 1981, on page 6522, the location of the property may be substituted as under :—

For : 'Chandigarh'

Read : 'Sector 37-A, Chandigarh'

SUKHDEV CHAND,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner
of Income Tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

FORM ITNS—

- (1) Shri Karamchand Prabhudayal Mandan,
Block No. D-5/1, Kumarnagar, Dhule.
(Transferor)
- (2) Dr. Shri Radheshyam Bhikulal Agarwal,
Dr. Smt. Pushpabai Radheshyam Agarwal,
Near Dhule Nagarpalika Office,
Dhule.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, PUNE

Pune, the 29th April, 1981

Ref. No. I.A.C./C.A.-5/S.R. Dhule/Oct. '80/512/81-82.—
Whereas, I, A. C. CHANDRA
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing C. S. No. 1469/B1 situated at Dhule,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at S. R. Dhule on 4-10-1980
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House property bearing C. S. No. 1469/B1, Dhule, Area 156.5 sq. mts. (Property as described in the sale-deed registered under document No. 2966, dt. 4-10-1980 in the office of the Sub-Registrar, Dhule).

A. C. CHANDRA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 29.4.1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
16 | 96GI/81

FORM ITNS

(1) Shri Atish Chandra Sinha

(Transferor)

(2) Smt. Chaitali Mukherjee

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA**

Calcutta, the 16th April, 1981

Ref. No. 896/Acq. R-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2A situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Calcutta on 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Demarcated northern portion (measuring 6 K 3 Ch. 33-1/2 sq. ft.) of premises No. 2A, Sarat Bose Road, Calcutta, together with a two storied structure.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA**

Calcutta, the 16th April, 1981

Ref. No. 897/Acq./R.-III/81-82.—Whereas, I, I. V. S. JUNEJA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 2A, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 15-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Atish Chandra Sinha

(Transferor)

(2) Shri Amit Kumar Roy

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SCHEDULE

Damarcated southern portion (measuring 6 Kanal 3 Ch. 33 Sq. ft.) of premises No. 2A, Sarat Bose Road, Calcutta together with two storied structure.

I. V. S. JUNEJA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Calcutta

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-4-1981

Seal :

FORM LT.N.S.

(1) Sundowners' Co-operative Housing Society Ltd.,
DB-10, 10, 11, 12—Salt Lake City, Calcutta-64.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Govindra Mohan Banerjee
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 21st April, 1981

Ref. A. C.-6/R-JI/Cal./81-82.—Whereas, I, K. SINHA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F/117 Block-DB-II, situated at Salt Lake City Calcutta-64 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S. R. A. Calcutta on 23-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as and defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Area : Ground floor, plinth area 1015 sq. ft. F/117, Block-DB-11, Salt Lake City, Calcutta-64. More particularly described in deed No. 5530 of 1380 of S.R.A. Calcutta.

K. SINHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-4-1981
Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Indiraben Thakordas;
Haripura, Mali Falia,
Surat.

(Transferor)

(2) Smt. Ambaben Bhikhhabhai Prajapati;
Mahidarpura, Kamnath Road,
Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 13th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1103/Acq. 23-II/81-82.—Whereas, I,

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 432 situated at Vasta Devdi Road, Katargam (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Surat on 8-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at Vastadevdi Road, Katargam, S. No. 432 duly registered in September 1980.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 13-4-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 13th April, 1981

- (1) Shri Pranshankar Pakirbhai;
 Shri Rasikbhai Pranshankar;
 Shri Vasantlal Pranshankar;
 Shri Rameshchandra urf Dahyabhai Ravishankar;
 Maniben Pranshankar;
 Fulpada, Taluka Choryasi,
 Distt. Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Lavjibhai Limbabhai Patel;
 President;
 2. Shri Becharbhai Karsanbhai Patel;
 Secretary;
 Shri Rameshwar Coop. Housing Society Ltd.,
 Sadhna Society,
 Varachha Road,
 Surat.

(Transferee)

Ref. No. P. R. No. 1102/Acq.-23-II/81-82.—Whereas, I,
MANGI LAL
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing No.

R. S. No. 61 and 62/2 paiki land situated at Fulpada, Surat
 more fully described in the schedule annexed hereto), has been
 transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in
 the office of the Registering Officer at Surat on 20-9-1980
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in that
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land at S. No. 61, & 62/2, Fulpada, Surat duly registered on
 20-9-80 at Surat vide Regn. No. 5263 and 5266.

MANGI LAL
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Date : 13-4-1981

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.****ACQUISITION RANGE-II, AHMEDABAD**

Ahmedabad, the 13th April, 1981

Ref. No. P. R. No. 1101/Acq.-23-II/81-82.—Whereas, I,

MANGI LAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 22, T. P. S. No. 4 land situated at Umra, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 17-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Director of S. & J. Shroff Financiers;
Shri Shashikant Uttamram Ghatiwala;
Ichhanath Mahadeo Road,
Umra, Surat.
2. Shri Jayantilal Chimanlal Chevali;
Vighneshwar Flat,
Timaliawad,
Nanpura, Surat.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Pravinkumar Ishvarlal
President;
Tejas Coop. Housing Society,
Salabutpura, Baxini Vadi,
Surat.
2. Shri Dalsukhbhai Jadavji Solanki;
Mantri—Tejas Coop. Housing Society,
Gopipura, Near Middle School,
Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

The property bearing S. No. 22, T. P. S. No. 5, Umra, Surat duly registered on 17-9-80 at Surat.

MANGI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 13-4-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 20th April, 1981

G. I. R. No. M-120/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half share of Kothi No. 102/51 situated at Shivajee Marg, Lucknow

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Lucknow on 25-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Rakesh Pratap Singh
2. Smt. Rajmata Laxmi Kunwar
(Transferor)
- (2) Shri Mohd. Tayyab
(Transferee)
- (3) Chhoti Rajmata Narendra Kunwar and following tenants :—
1. Shri R. K. Sharma, Retd. D.M.
2. Office of the Quality Mark, U.P. Govt.
3. Shri K. K. Shukla
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half share of Kothi No. 102/51 including building and land situated at Shivajee Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5875 which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 25-9-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 20-4-1981

Seal :

FORM ITNS—

1. 1. Shri Rakesh Pratap Singh
2. Smt. Rajmata Laxmi Kunwar

(Transferor)

- (2) Smt. Shahnaz Parween

(Transferee)

- (3) Chhoti Rajmata Narendra Kunwar and following
tenants :—

1. Shri R. K. Sharma,
Retd. D. M.
2. Office of the Quality Mark,
U. P. Govt.
3. Shri K. K. Shukla

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

Lucknow, the 20th April, 1981

G. I. R. No. S-203/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Half share of Kathi No. 102/51 situated at Shivajee Marg, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 25-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Half share of Kathi No. 102/51 including building and land situate at Shivajee Marg, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5876, which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 25-9-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 20-4-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
[—]—96GI/81

FORM ITNS—

(1) Shri Bijai Narain Misra
R/o Ram Niwas
H/o No. 26-B, Sardar Patel Marg,
Secunderabad (A. P.).

(Transferor)

(2) Smt. Kusum Gulati
W/o Shri Ram Ratan Gulati
R/o H. No. 284 (New No. 289)
Moti Nagar,
Lucknow.

(Transferee)

(3) Above vendee

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house bearing (old No. 284) New No. 289 (including Building and land) situate at Mohalla Moti Nagar, Lucknow, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5889, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 25-9-1980

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 22-4-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st May, 1981

Ref. No. G. I. R. No. S-204/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1-A, Matiyara Road situated at Allapur, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Allahabad on 26-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Hari Mohan Das Tandon
(Transferor)
(2) Shri Sita Ram Pandey
Sachiv,
The Prayag Upniveshan Avas evam Nirman
Sahkari Samiti Ltd.,
877-A, Dariyabad,
Allahabad.

- (2) Shri Hari Mohan Das Tandon
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house including building and free-hold land measuring 2147.68 sq. metres bearing No. 1-A, situated at Matiyara Road, Allapur, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 4520 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 26-9-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 1-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 1st May, 1981

Ref. No. G. I. R. S-206/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 15,000/- and bearing

No. Plots No. 1 and 2 Municipal No. C-21/3C2 situated at Maldahiya, Varanasi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Shalini Jaiswal
(Transferor)
- (2) M/s. S. P. Jaiswal Estate Pvt. Ltd.,
Through its Managing Director,
Shri Sheo Prasad Jaiswal
(Transferee)
- (2) Above transferor.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot Nos. 1 and 2 (with one small room) bearing Municipal No. C21/3C-2, measuring 1884 and 2198 sq. ft. respectively situated at Mohalla—Maldahiya, Varanasi, and all that description of the property which is mentioned in Form 37G No. 8555 and the sale deed which have duly been registered in the office of the Sub-Registrar, Varanasi, on September, 1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 1-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) 1. Smt. Renu Bhattacharji
2. Smt. Binapani Sengupta
3. Shri Dipak Kumar Sengupta

(Transferors)

- (2) M/s. Triveni Sheet Glass Works Limited,
Through its Manager—Finance,
Shri B. B. Goel,
1, Kanpur Road, Allahabad.

(Transferee)

- (3) Above vendees.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th May, 1981

Ref. No. G. I. R. T-23/Acq.—Whereas, I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 78-A situated at Muir Road, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Allahabad on 22-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

One house No. 78-A, constructed on the part of Nazul plot No. 4, Nasibpur Bakhtiara, total area of land—2342 sq. mtrs. (2800 sq. yds.) situated at Muir Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4327 which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 22-9-1980.

A. S. BISEN,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 6-5-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 6th May, 1981

G. I. R. No. J-52/Acq.-Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 42 situated at Beharipur Karolan, Bareilly (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bareilly on 26-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Rajiv Kumar Agarwal
2. Shri Rakesh Kumar
3. Shri Sanjiv Kumar
4. Shobha Ram Agarwal
5. Sunil Kumar (Minor)
Through his natural guardian and father,
Shri Shobha Ram Agarwal,
Manager and Karta of the H.U.F.

(Transferor)

- (2) 1. Shri Jagdish Saran
2. Smt. Om Wati
3. Shri Gopal Narain
4. Shri Shri Prakash
5. Shri Raj Kumar

(Transferee)

- (3) 1. Shri Rajiv Kumar Agarwal
2. Shri Rakesh Kumar
3. Shri Sanjiv Kumar

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A house No. 42 situated at Beharipur Karolan, Bareilly, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5798, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Bareilly, on 26-9-1980.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX
 ACQUISITION RANGE, LUCKNOW
 Lucknow, the 6th May 1981

G. I. R. No. A-94/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 199 situated at Colonelganj, Motilal Nehru Road, Allahabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Allahabad on 3-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Rameshwar Nath Kapoor
 2. Shri Siddheshwar Nath Kapoor
 3. Shri Rajeshwar Nath Kapoor—
 Through Dr. Vireshwar Nath Kapoor
 Special Attorney.
 4. Shri Ratan Kapoor
 5. Shri Ravi Kapoor
- (Transferees)
- (2) 1. Shri Amarnath Keshari
 2. Shri Ram Bhagwan Keshri—
 Minor through his real father and guardian,
 Shri Bechan Lal
- (Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house No. 199, land measuring 282.28 sq. mtrs. situated at Colonelganj, Motilal Nehru Road, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 3670, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 3-9-1980.

A. S. BISEN
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Lucknow.

Date : 6-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely : —

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Smt. Shakuntala Sirothia
(Transferor)
(2) Shri Ashok Kumar Maheshwari
(Transferee)
(3) Smt. Shakuntala Sirothia
(Person in occupation of property)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 6th May, 1981

Ref. No. 10941:—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. A double storeyed house No. 86-A situated at Mohalla-Baghambari (Badhamri) Gaddi, Parg. Chail, Allahabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Allahabad on 19-9-1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

A double storeyed house No. 86-A including land measuring 451.55 sq. mtrs. situated at Mohalla Baghambari (Badhamri) Gaddi, Pargana & Tehsil—Chail, Allahabad, and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 4236, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Allahabad, on 19-9-1980.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date : 6-5-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW
Lucknow, the 13th May, 1981

G. I. R. No. S-207/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No 11-A situated at Windsor Place, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 23-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1923 (11 of 1923) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

18—96GI/81

- (1) Smt. Rajinder Kaur
Widow of late Major Satyawan Singh
11-A, Windsor Place, Lucknow.
(Transferor)
- (2) Shri Surendra Malik
S/o P. L. Malik
6-D, Singer Nagar, Lucknow.
(Transferee)
- (3) Above purchaser
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 11-A, Windsor Place, Lucknow, along with building, out-houses and vacant land admeasuring about 5,160 sq. ft. out of which 2,625 sq. ft. is constructed and all that description of the property which is mentioned in the sale deed and form 37G No. 5821, which have duly been registered at the office of the Sub-Registrar, Lucknow, on 23-9-1980.

A. S BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-5-1981

Seal :

FORMS ITNS

(1) Shri Manorama Rani

(Transferor)

(2) Shri Mata Prasad

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, LUCKNOW**

Lucknow, the 21st May, 1981

G. I. R. No. M-121/Acquisition.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-1057 situated at Mahanagar Housing Scheme, Lucknow (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 12-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

One house number C-1057 alongwith land measuring 349 6 Square feet situated at Mahanagar Housing Scheme Lucknow and all that description which is mentioned in sale-deed and form 47-G No 5640 to 5642 which have duly been registered at Office of the Sub-Registrar Lucknow on 12-9-1980.

AMAR SINGH BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the Act, to the following persons, namely :—

Date : 21-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX**
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S.R.-III/10-80/1458.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S-166 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Kamla Kanta Bhagat,
w/o Shri S. K. Bhagat,
r/o A-2, Lanu Villa,
Santa Cruz West, Bombay.
Presently : A-167, Defence Colony,
New Delhi-24.

(Transferor)

(2) Smt. Urvashi,
w/o Shri Rakesh Jain,
r/o E-482, Greater Kailash-II,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. S-166, Greater Kailash-II, New Delhi-48. (Area 300 sq. yd.).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 2-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-J/S.R.-III/10-80/1456.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. S-429 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Baldev Chand Mehta,
C-1/1, Sardarjung Dev. Area,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Ved Parkash Mehta
2. Smt. Sharda Rani Mehta,
r/o E-14, Greater Kailash-II,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. S-429, mg. 295 sq. yds. in Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 2-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 20th April 1981

Ref. No. IAC/Acq. I/S R-III/8-80/4189—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. M-77 situated at Greater Kailash II (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi in October, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Sm. Kaushalya Rani Kohli,
T-424 Pahari Dhiraj,
Delhi-6.

(Transferor)

(2) Smt. Sudhir Bala Sarine,
E-96 Greater Kailash-II,
New Delhi-48.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

Plot No. M-77, measuring 195 sq. yd. in Greater Kailash-II, N.D.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 2-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—**NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 2nd May, 1981

Re. No. I. A. C./Acq.-I.S.R.-III/10-80/1501.—Whereas I, R. B. L AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. W-109, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on October, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Sm. Iaj Kumari Jairath
2. Mr. Ramesh Kumar Jairath
3. Shri Naresh Kumar Jairath
4. Shri Rakesh Kumar Jairath
r/o 19 Ring Road,
Lajpat Nagar,
New Delhi.

(Transferors)

- (2) 1. Shri K. G. Lath
2. Shri S. K. Lath
3. Shri R. K. Lath
4. Shri P. K. Lath
5. Smt. Gita Devi Lath,
r/o B-9, Maharani Bagh,
New Delhi.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. W-109, Greater Kailash-II, New Delhi Plot of land area 1136 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi,

Date : 2-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1323.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing

No. N-5, situated at Kailash Colony, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (1) 1. Shri Raj Bhardwaj
2. Rajan Bhardwaj
3. Rajiv Bhardwaj and
4. Smt. Vidya Vati Bhardwaj
through their General Attorney Shri D. R. Bhardwaj
(Transferee)

- (2) M/s. Kaks and Bills (P) Ltd.
R-900 New Rajinder Nagar,
New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of publica-
tion of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. N-5, Kailash Colony, New Delhi measuring
500 sq. yd.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

Date : 2-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Ball Kishan Kitchlu
s/o Pandit Parduman Kishan Kitchlu

(Transferor)

(2) Shri S. Gurbachan Singh and
S. Tejinder Singh
both s/o S. Bhagat Singh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1332.—Whereas, I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. E-94 situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and

I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. E-94, Greater Kailash-II, New Delhi on a plot of 250 sq. yds. (210 sq. meters).

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S.R.-III/9-80/1325.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing
Plot No. 2 Block K, situated at Green Park Extn. New Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer
at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and that
the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or pay
moneys of other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons namely :—

19—96GI/81

(1) Shri Chokha Nand
s/o Shri Ganpatrai

(Transferor)

(2) M/s. C. S. Properties (P) Ltd.,
Milap Bhavan,
Bahadurshah Zafar Road
through Shri Navin Suri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed house built on residential Plot No. 2 Block K
measuring 350 sq. yds. Green Park Extension, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 2-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I.A.C./Acq.-I/S.R.-III/9-80/1335.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1, situated at Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) M/s. Surya Enterprises Pvt. Ltd. through their Director Smt. Phool Bindra w/o Shri Nand Kishore, L34, Kirtinagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Sashi Nighon w/o Dr. Suraj Parkash Nighon 26/56, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. 1, Kaushalya Park, Hauz Khas, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASST. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**
New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1394.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 6 Block C situated at Chirag Enclave, New Delhi (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Yogi Lal Handa
s/o Shri Chuni Lal Handa
65/42, Rohtak Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Dr. Inderjit Singh Sindhu
s/o Dr. Pratap Singh
2. Smt. Sarla Sindhu
both r/o K-24, Jangpura Extn.,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 6, Block-C, Chirag Enclave, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 2-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1198.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

Plot No. 34 Block E situated at Kalindi New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property, and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration
therefor by more than fifteen per cent of such apparent
consideration and that the consideration for such transfer as
agreed to between the parties has not been truly stated in the
said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Smt. Krishna Kumari Kohli
w/o Shri Narendra Singh Kohli,
3906, Dai Wara, Nai Sarak, Delhi-6.
(Transferor)
- (2) S/Shri Vinod Gupta, Ashok Gupta
s/o Shri Ishwar Chand Gupta, Mrs. Meena Gupta
w/o Shri Vinod Gupta, Mrs. Priti Gupta w/o Shri Ashok
Gupta, 690-A, Kabool Nagar, Shahdara,
Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Residential Plot No. 34, Block E (No. 34, Category III,
Group A), Kalindi, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date : 2-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq -I/S.R.-III/9-80/1294.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. M-94, situated at Greater Kailash-II, New Delhi (and more fully, described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Hans Raj Khungar
s/o Shri Gokal Chand Khungar
208, Model Town,
Panipat.

(Transferor)

(2) M/s. Traku Projects (India) Pvt. Ltd.,
Flat-105, 71, Angad Bhawan,
Nehru Place,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Partly built house No. M-94, Greater Kailash-II, New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 2-5-81
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq. I/S. R.-III/9-80/1338.—Whereas I,
R. B. L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

I-5 situated at Jangpura, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri N. N. Bhalla
s/o Shri Daulat Ram Bhalla
r/o 1/18-B, Asafali Road,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri J. P. Gupta
s/o Shri Kishan Lal Chandiwala,
45/6-B, Mall Road,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

I-5, Jangpura, B, mg. 203 sq. yds. New Delhi

R.B.L. AGGRAWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant, Commissioner of Income Tax,
Acq. Range I, New Delhi

Date : 2-5-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 2nd May 1981

Ref. No IAC/Acq-I/SR-III/9-80/1209—Wheras I, R.B.L AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 10 situated at Sadhana Enclave, Sadhana Co-operative House Building Society Ltd. (DDA) Delhi.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, In pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Batuk Shankar Bhatnagar
s/o Sh. Maya Shankar Bhatnagar
r/o F-6, Green park, New Delhi.

(Transferee)

(2) Shri Krishan Chandra Shukla
s/o Sh. S.B.L. Shukla,
r/o B-22, Soami Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land No. 10 Sadhana Enclave, Sadhana Co-operative House Building Society Ltd. (DDA) Delhi.

R.B.L.AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I New Delhi.

Date : 2-5-81

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER****OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No IAC/AcqI/SR-III/9-80/1324—Whereas I, R.B.L.
AGGARWAL
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

176 situated at Sheikh Sarai, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September 1980,
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Laj Kumari
w/o Sh. Thakurdass Mehta,
r/o 176 Sheikh Sarai,
New Delhi.

(2) Shri Bhartia Khadi Gramodyog Sangh,
67-68 Nehru Place,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property No. 176 (Old No. 26/82/159) Sheikh Sarai, New Delhi measuring 120 sq. yds

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range New Delhi-I

Date : 2-5-81

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

- (1) Shri, Mahesh Kumar Mehra
s/o Shri Ishwar Dass Mehra.
(Transferor)
- (2) Smt. Kamla Mehra
w/o Shri Lalit Chand Mehra.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1981,

Ref. No IAC/Acq-I SR-III/9-80/1337.—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. K-23, situated at South Extn. Part-II New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

THE SCHEDULE

House No. K-25, South Extension Part-II on a plot measuring 200 sq.yards.- Ground floor and Second floor.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
0—96GI/81

Date : 2-5-81
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI**

New Delhi, the 2nd May 1981,

Ref. No. IAC/AcqI/SR-JII/9-80/176—Whereas I, R.B.L. AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

33/2 situated at Vishwas Nagar, Shahdara, Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Om Parkash Saxena
s/o Sh. Babu Kanwar Bahadur Saxena,
r/o 2/33, Vishwas Nagar,
Shahdara, Delhi.

(Transferor)

(1) (1) Smt. Brahmo devi w/o Sh. Radhey
(2) Sh. Virinder Kumar (3) sh. Surinder Kumar.
(4) Smt. Malti Devi
w/o Sh. Virinder Kumar
(5) Smt. Madhri devi
w/o Sh. Surinder Kumar
r/o 2219 Masjid Khajoor,
Dharmpura, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Property No. 2/33, at plot No. 33, Block No. 2, measuring 223 sq. K.No.792, Village Karkardooman at Pandu Road, Yudhishtar Gali, Vishwas Nagar Shahdara, Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range I New Delhi.

Date : 2-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM IT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No IAC/Acq. I SR-III/9-80/1381—Whereas I, R.B.L.
AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Vill. Bhati, Tehsil Mehrauli, ND (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1980,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri. K.C. Johorey
s/o Late Sh. A.C. Johorey,
r/o D-206, Din Dayal Upadhyay Marg,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Dev Pratap Singh
s/o Sh. I.P. Singh
through G.A. I.P. Singh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agr. land area 16 bighas and 8 biswas, K. Nos. 1031(6-16), 1030(9-12), Village Bati, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 2-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. IAC/Acq I/ SR-III/9-80/1359—Whereas I, R.B.L.
AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agr. land situated at Village Saidul Ajaib, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

(1) Shri. Chuttan
s/o Sh. Kewal
r/o Saidul Ajaib, Tehsil Mehrauli,
Delhi Admn Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parmanand Datak
s/o Sh. Laxmi Chand
r/o 19B/3, Shakti Nagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land mg. 36 bighas 12 biswas K.No. 13/10 min No.1/4, K.No.71 (5-17),96(5-15),100(0-18),105(1-06), 116(2-0), 123 (1-15) 137(7-13), 139(10-04), 172(1-4), Vill. Saidul Ajaib, Tehsil Mehrauli Delhi Admn. Delhi.

R.B.L. AGGARWAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax-Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 2-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

- (1) (1) Sh. Radhey Shyam
 (2) Sh. Karan Singh
 (3) Smt. Durga Wati
 (4) Smt. Lachmi Devi,
 all residents of Village Deoli,
 U.T. of Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri. M/s. Delhi Towers (p) Ltd.,
 115, Ansal Bhawan,
 16, Kasturba Gandhi Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May 1981,

Ref. No.IAC/Acq./SR-III/9-80/1348—Whereas I, R.B.L.
AGGARWAL

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agr. land situated at Village Deoli.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September,)1980 .

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 39 bighas and one biswa comprised in Rect. No. 30 K. Nos. 6(4-08), 14 (4-16), 15 (4-16), 16 (4-16), 17 (4-16), 24 min North (1-07) and 25 (4-16), and Rect. No. 31, K. Nos. 20 min South (2-12), 21(4-16) and 22 min West (1-18) situated in the revenue estate of Village Deoli, Tehsil Mehrauli, Union Territory of Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 2-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1257.—Whereas, I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Aqr. land situated at Village Bhati (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Lt. Col. Sarwan Singh
s/o Budh Singh
w/o 3101, Sector 21,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri S. Babu Singh
s/o S. Budh Singh and
Mrs. Surjit Kaur
w/o Babu Singh
r/o Village Bhati, Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in the Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 share in agricultural land area 16 bighas and 10 biswas K. No. 67 (6-4), 68 (2-6), 69/1 (1-9), 71 (1-6), 72 (2-2), 73 (3-3) & 10/22 share in agricultural land area 4 bighas and 8 biswas K. No. 74, Village Bhati New Delhi.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi.

Date : 2-5-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 2nd May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1340.—Whereas I, R. B. L. AGGARWAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Randhir Singh
s/o Shri Sis Ram,
r/o Village Bijwasan,

(Transferor)

(2) M/s. Delhi Towers & Estates (P) Ltd.,
115 Ansal Bhawan,
16 Kasturba Gandhi Marg,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 8 bighas comprised in Rect. No. 86, K. No. 4 (4-00) and 7 (4-00) and the tubewell in Rect. No. 85 K. No. 26, situated in the Revenue Estate of Village Bijwasan.

R. B. L. AGGARWAL
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 2-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Sept. 80/3785.—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. WZ-391 situated at Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Jai Dev Dutt
s/o Shri Kalyan Dutt and
2. Smt. Lila Wati
s/o Shri Jai Dev Dutt
r/o House No. WZ-391, Clock Tower, Hari Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Jiwan Dass
s/o Shri Ganda Ram and
2. Smt. Kaushalya Devi
w/o Shri Jiwan Dass
r/o C-126, Hari Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. WZ-391, situated at Hari Nagar, Clock Tower, New Delhi area of Village Tehar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :

Date : 11-5-1981

Sact :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-****TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 12th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/Sept. 80/6944.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Municipal No. 4378 situated at Murari Lal Street, 4-Ansari Road, Daryaganj, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Dal Chand Agarwal
s/o Shri Parshadi Lal
r/o 4378/4, Ansari Road, Daryaganj,
New Delhi-110002.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Ram Sakhi Devi
w/o Shri Mahesh Chand Bansal
2. Shri Ashok Kumar Bansal
3. Shri Anil Kumar Bansal
ss/o Shri Mahesh Chand Bansal
r/o M/s Lok Vastra,
245, Chandni Chowk,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single Storeyed building bearing Municipal No. 4378-Part-I, situated at Murari Lal Street, 4-Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002 measuring 407 sq. yd. (Khasta No. 58).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

21—96GI/81

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 12-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 11th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3637.—Whereas, I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. J-7/25 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Smt. Darshan Virmani
w/o Shri Chaman Lal Virmani
2. Shri Chaman Lal Virmani
s/o Shri Tara Chand Virmani
r/o J-7/25, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Shri Krishan Lal Madan
s/o Shri Sardari Lal Madan
r/o E-131, West Patel Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House built on plot No. J-7/25, mg. 143 3 sq. yd. situated at Rajouri Garden, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 11-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3754.—Whereas I
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Hulambi Kalan Delhi State, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vidisha on September 80

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Asa Ram
s/o Shri Bhola
r/o Village Nekpur,
Distt. Meerut,
Uttar Pradesh.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh
s/o Shri Mam Chand,
r/o Village Hulambi Khurd,
Delhi State, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 17 bighas 12 biswas entered in Rect. No. 59 Killa No. 13 (4-16), Killa No. 18 (4-16), Killa No. 23 min. (4-16), Rect. No. 60 killa No. 13/2 (2-7) Killla No. 16/2 (0-17) situated in the area of Village Hulambi Kalan, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 11-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3721.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Hulambi Kalan, Delhi State, Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceed the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Ata Ram
s/o Shri Bhola
r/o Village Nekpur,
Distt. Meerut (U. P.).

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh
s/o Shri Mam Chand
r/o Village Hulambi Khurd,
Delhi State, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(b) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 15 bighas entered in Rect. No. 59 Killa No. 14 (4-16), Killa No. 17 (4-16), Killa No. 24 (5-8) situated in the area of Village Hulambi Kalan, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 11-5-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/Sept. 80/6924.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. A-1/6 situated at Moti Nagar, New Delhi
 (and more fully described in the schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the Office of the Registering Officer
 at Delhi on September, 1980
 for an apparent consideration
 which is less than the fair market value of the aforesaid
 property, and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has not
 been truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

(1) Shri Chatta Ram
 s/o Shri Bela Ram
 r/o 22/91-92, West Patel Nagar,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kumari
 wd/o Shri Asa Nand Kalra
 r/o A-1/6, Moti Nagar,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. A-1/6, Moti Nagar, New Delhi

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 11-5-1981
 Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 11th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3753.—Whereas, I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of
 the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 No. Agricultural land situated at Village Hulambi Kalan, Delhi
 State Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908), in the office of the Registering Officer at
 at Delhi on September, 1980
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of the such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said Instrument of
 transfer with the object of :—

(1) Shri Udey Singh
 s/o Shri Hardan
 r/o Village Jheelpur,
 Distt. Ghaziabad,
 U.P.

(Transferor)

(2) Shri Balwant Singh
 s/o Shri Mam Chand
 r/o Village Hulambi Khurd,
 Delhi State,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of the publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons,
 whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
 property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act
 shall have the same meaning as given in the
 Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

THE SCHEDULE

Land measuring 14 bighas 18 biswas entered in Rect. No.
 49 Killa No. 12 (4-16), Killa No. 19 (4-16), Killa No. 22 (5-6),
 situated in the area of Village Hulambi Kalan, Delhi State,
 Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or which
 ought to be disclosed by the transferee for the purposes
 of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957);

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 11-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
 (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6956.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 7263-64 and 7274-75 situated at Roshanara Ext. Shakti Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Amar Nath Arora
s/o Shri Badri Dass
r/o 135 Jor Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Krishan Lal
s/o Late Shri Sabit Ditta Mal
r/o 7278/126, Prem Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Built on Plot No. 8015 (old) New Npl. No 7263-64 & 7274-75 in Roshanara Ext. Shak(i) Nagar Delhi now Prem Nagar, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 11-5-1981

Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.I/9-80/6983.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 6289 to 6292 Ward No. XII situated at Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Raj Rani
Wd/o Shr. Ram Chaud
r/o 6289-92, Ward No. XII, Kohlapur Road,
Kamla Nagar,
Delhi-7.

(Transferor)

(2) Smt. Madhu Samalia
w/o Shri Kanhiyalal
114-E, Kamla Nagar,
Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

First floor of property No. 6289 to 6292, Ward No. XII, at Kohlapur Road, Kamla Nagar, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 11-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER, OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 11th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/Sept. 80/3776.—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing .

No. J-11/117 situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shr Rajinder Nath
s/o Shri Lakshmi Dass
r/o J-11/117, Rajouri Garden, New Delhi.
(Transferor)
- (2) Shri P. R. Kwatra
s/o Shri Mulakh Raj Kwatra
Miss Chand Kwatra
d/o Shri Mulakh Raj Kwatra
both r/o D-53, Kalkaji, New Delhi.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. J-11/117, mg. 200 sq. Lituated yd. at Rajouri Garden, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 11-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
22-96GI/81

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May, 1981

Ref. No. I. A. C./A. C-II/S. R.-I/9-80/6882.—Whereas

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 70 South at Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Ward No. 14, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Krishan Lal Oberoi
s/o Raghu Mal
r/o 16/604, Joshi Road,
Karol Bagh,
New Delhi.
2. Shri Hargobind Lal Oberoi
s/o Raghunath
r/o 27, Gujarwala Part-II,
Delhi
3. Shri Om Prakash Oberoi
4. Suraj Prakash Oberoi
s/o Daulat Ram
r/o B-103, Derawal Nagar,
Delhi.

(Transferor)

- (2) Smt. Angoori Devi
w/o Shri Rameshwar Dass Aggarwal
r/o 5924, Basti Harphool Singh,
Plot No. 70 South Sadar Thana Road,
Delhi-110006.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 70 South situated at Basti Harphool Singh, Sadar Thana Road, Ward No. 14, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 12-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961(43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6891.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding, Rs. 25,000/- and bearing

No. 16-E/6 situated at East Patel Nagar, New Delhi

(and more fully described, in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri N. K. Madan
s/o Shri D. N. Madan
r/o 48/3, East Patel Nagar,
New Delhi as General attorney of
Shri Makhan Singh Bajaj
s/o Shri Natha Singh
r/o 10E/6, E. P. N., New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri S. K. Arora
s/o Shri G. D. Arora
r/o 25/4, East Patel Nagar,
New Delhi and
Smt. Uma Arora
w/o Shri S. K. Arora
r/o as above.

(Transfreee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Govt. built property No. 16E/6, East Patel Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 12-5-1981
Seal :

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 16th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6916.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-33, situated at Bali Nagar, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Harish Chander
s/o Shri Moti Ram
r/o E-35, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Parshotam Lal Sethi
s/o Shri Mangal Sain Sethi,
r/o I-19, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transfree)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE §

Single storeyed building built on 1/4 acre measuring 150 sq. yards bearing plot No. C-33, situated in the colony known as Bali Nagar, New Delhi area of Villages to Bassai Darapur, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 16-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 16th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3759.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-91, situated at Shivaji Park, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Vinod Kumar Verma
s/o Lala Sidhu Ram Verma
r/o C-91, Shivaji Park,
New Delhi.

(2) Smt. Daya Wanti Garg
w/o Shri Tek Chand Garg,
r/o H-74, Shivaji Park,
New Delhi.

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storeyed property bearing Municipal No. C-91, situated in Shivaji Park, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 16-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 16th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3729.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 66 situated at North Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Vidya Sagar
s/o Pt. Mul Raj
r/o 9-F/2562, Sector 19-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh
s/o Shri Jaswant Singh,
r/o Road No. 54, House No. 13,
Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person, interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 220·37 sq. yd. 1/3rd share of Plot No. 66, North Avenue Road, in Class C (Total mg. 661·11 sq. yds.), situated at Punjabi Bagh, area of Village Madipur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 16-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 12th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-II/Sept. 80/6974.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No. 34, Road No. 56 situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Durga Parshad Bhutani
s/o Late Shri Hari Chand Bhutani,
C-202, Greater Kailash Part-I,
New Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Tarlok Singh
s/o S. Partap Singh
2. Master Raj Mohan Singh,
minor son of Shri Tarlok Singh,
through his father and natural guardian Tarlok Singh
r/o H. No. AI/238, Paschim Vihar, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 34 measuring 454.49 sq. meters (555.55 sq. yds.) on Road No. 56, Class 'C' situated at Punjabi Bagh, Vill. Bassi Darapur, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 12-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT****COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3716.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

J-5/157, situated at Rajouri Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at

New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Vidya Wanti
w/o S. Sant Singh
r/o 9213, Gali No. 5,
Multani Dhunda,
Pahar Ganj,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Surinder Lal Grover
s/o Late Shri Hans Raj Grover
r/o J-6/117, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Single storied house built on plot No. J-5/157, mg. 160 sq. yds
Rajouri Garden, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3711.—Whereas I, **VIMAL VASISHT** being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. J-6/117, situated at Rajouri Garden, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Surinder Lal Grover
s/o Shri Hans Raj
r/o J-6/117, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Neeka Ram
s/o Shri Moti Ram
r/o D-12, Partap Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of **45 days** from the date of publication of **this notice** in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of **this notice** in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

House No. Plot No. J-6/117, mg. 160 sq. yds. at Rajouri Garden, area of Village Tatarpur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
23—96GI/81

Date : 19-5- 1981
Seal:

FORM I.T.N.S.—

(1) Smt. Bimla Joshi
W/o Sati Panditam Sunder Joshi
r/o 898, Sector No. VI,
R. K. Puram, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Paramjit Singh
s/o S. Jaswant Singh
r/o 13, Road No. 54,
Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3735.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 66, situated at North Avenue Road, Punjabi Bagh, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to be acquisitions of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/3rd share of Plot No. 66, on North Avenue Road, Punjabi Bagh, area of village Madipur Delhi State, measuring 220.37 sq. yds.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date : 19-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6951.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 4754 to 4757/VII situated at Roshanara Road, Subzi Mandi, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri M/s. Roshanara Finance (P) Ltd.,
4570, Roshanara Road,
Delhi
through S. Devinder Singh
its Managing Director.

(Transferor)

(2) M/s. Jaipur Golden Charitable,
Clinic Laboratory Trust
XII/4736-41, Roshanara Road,
Subzi Mandi Delhi
through Shri V. L. Bahri

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 4754 to 4757/XII area 355 sq. yd. in (S. S.) Roshanara Road, Subzi Mandi, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Dated : 19-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3743.—Whereas I, VIMAL VASISHT being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. J-3/40, situated at Rajouri Garden, New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 268C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Salig Ram Narang
s/o Shri Udhoo Dass
r/o J-9/12, Rajouri Garden,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Pritam Lal
s/o Shri Jattu Ram
r/o 17/7, Subhash Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. J-3/40 (house built) mg. 160 sq. yd. at Rajouri Garden, area of village Tatarpur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 19-5-1981
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6929 (A).—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1303 situated at Mohalla, Vaidwara Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

(1) Shri R. P. Bhargava
s/o Chhgu Lal.
r/o 1303, Mohalla Vaidwara, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Bhola Ram
s/o Minna Ram
r/o 1303, Mohalla, Vaidwara,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 1303, Mohalla, Vaidwara, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi

Date : 19-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,****ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6963.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

38, Ward No. IV, situated at Chandni Chowk, Delhi
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(1) Shri Kirpa Shankar Mathur
 s/o Late Shri Murari Lal Mathur
 r/o E-349, Greater Kailash-I, New Delhi.
 (Transferor)

(2) Smt. Raj Kumari
 w/o Shri Krishan Kumar Gupta,
 r/o C-79, Shakti Nagar Extension,
 Delhi.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Portion of property No. 38 Ward No. IV, built on land measuring 23-1/2 sq. yds. at Bazar Chandni Chowk, opposite State Bank of India Building.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 19-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6946.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. B-12, situated at Majlis Park, Delhi-33
(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment or any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri Kanwar Sain Aggarwal
s/o Shri Banwari Lal
r/o Village of P. O. Nangal Thakaran
c/o Lala Jia Ram,
Delhi-39.

(Transferor)

(2) Shri Gobind Singh
s/o Shri Jagan Nath
r/o No. 3586, Pathar Wali Gali,
Arya Nagar,
Subzi Mandi,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. B-12, situated in the area of village Bharola in the abadi of Majlis Park, Delhi-33 out of K. No. 23.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-I/9-80/6895.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4674 situated at Mahabir Bazar Delhi Cloth Market, Fatehpuri, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property so aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Jiwan Ram Janki Dass (H.U.F.),
Shri Satya Narain Goyal
s/o Shri Janki Dass,
1879, Bhagirath Palace,
Delhi.

2. Shri Omparkash Goyal,
3. Shri Sushil Kumar Goyal
s/o Satya Narain Goyal,
1879, Bhagirath Palace,
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Shyam Kishore
s/o Shri Jai Narain
r/o 719, Katra Neel,
Nai Basti,
Chandni Chowk,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 4674, measuring 83 sq. yd. at Mahabir Bazar, Delhi Cloth Market, Fatehpuri, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6907.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. Plot No. 18, Block A, situated at Adarsh Nagar, Village Bharola, Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the aforesaid property, as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

24—96GI/81

- (1) 1. Shri Jasbir Singh Kumar
2. Shri Gurbir Singh Kumar
s/o Shri Nand Singh and
3. Shri Nand Singh Kumar
s/o Shri Labhaya Ram Kumar
all r/o House No. , Punjabi Bagh,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) M/s. Mittal Construction Co.,
through its partners
1. Shri Daya Ram Mittal,
2. Shri Brij Mohan
s/o Shri Bishamber Dayal and
3. Smt. Manbhar Devi
w/o Shri Bishamber Dayal
all r/o E-38, Ranjit Singh Road,
Adarsh Nagar,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 18, Block A, mg. 375 sq. yd. situated at Adarsh Nagar, Delhi area of Village Bharola, Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Dated : 19-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6930.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C-96, situated at Kirti Nagar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Jagan Nath Arora
s/o Tara Chand
F-8, Sector-2, Bali Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Kewal Ram
s/o Shri Khushia Ram,
r/o C-96, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. C-96, Kirti Nagar, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-5-1981
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6910.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 19, Block-I, situated at Kirti Nagar, Village Bassai Darapur, Delhi State, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Parshotam Lal Sethi
s/o Shri Mangal Sain Sethi
r/o I/19, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sohan Lal
s/o Shri Kishan Chand,
Smt. Usha Rani
w/o Shri Kushi Ram,
Smt. Chanchal Rani
w/o Siri Ram
r/o 5/75, Karampura, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on Plot No. 19, Block-I, mg. 266·2/3 sq. yd. at Kirti Nagar, area of Village Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-5-1981

Seal :

FORM ITN6

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6898.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1940 Ward No. IV, situated at Katra Shahansahi, Chandni Chowk, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) M/s. Bhagirath Mal Sat Narain,
Katra Shahansahi,
Chandni Chowk,
Delhithrough its partners Shri Sat Narain Tulshyan
s/o Shri Behari Lal
r/o 1932, Katra Shahansahi,
Chandni Chowk,
Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sita Ram Modi

s/o Shri Nath Mal
r/o No. 37, Rajpur Road,
Delhi-110054.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 1940, Ward No. IV, situated at Katra Shahansahi, Chandni Chowk, Delhi-110006.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6977.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

XIV/1216-12/1 (New) situated at Gali No. 11, Bara Tooti Sadar Bazar, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Ram Lubhai alias Urmila Devi
w/o Shri Pratipal Singh
r/o H. No. 2585/A/4, First Floor,
Gali Anand, Teliwara,
Delhi.

(Transferor)

(2) 1. Shri Gopal Dass
s/o Gehla Ram
2. Shankar Singh
s/o Shri Nanak Singh
3. Smt. Sughra Bi
wd/o Shri Gayasuddin,
r/o XIV/1216-1216/1 (New)
Gali No. 11, Bara Tooti,
Sadar Bazar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. XIV/1216-12/1 (New) Gali No. 11, Bara Tooti, Sadar Bazar, Delhi on K. No. 73, area 218 sq. yd.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Date : 19-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 16th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3771.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. C-71, situated at Shivaji Park, Madipur, New Delhi-26 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer

at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Piar Kaur
w/o S. Kartar Singh
r/o Barara Railway Station,
District Ambala (Haryana)

(Transferor)

- (2) 1. S. Jaswant Singh
s/o S. Hazur Singh
2. S. Bhupinder Singh
3. Shri Abinesh Singh
s/o S. Jaswant Singh
r/o H-3, Shivaji Park,
New Delhi.
4. Karnail Singh
s/o S. Arjan Singh
r/o House No. 352 Dakha Johar,
Delhi-9.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

A plot of land bearing No. C-71 measuring 499.1 sq. yds. in the colony known as Shivaji Park, Madipur New Delhi-26.

VIMAL VASISHT
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 16-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 16th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-J/9-80/6917.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said' Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

15 Road No. 5, situated at Punjabi Bagh, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of,—

(1) Shri Prem Kumar Ahuja
s/o Late Shri Bhupinder Lal Ahuja,
r/o SCF No. 101, Grain Market,
Sector-26, Chandigarh and
as General Attorney of
Smt. Ram Piari Ahuja and
Ashok Ahuja,
r/o SCF No. 101, Grain Market, Sector 26,
Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Yogesh Chander Khera
s/o L. Sunder Lal Khera
D-42, Moti Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Property No. 15 on Road No. 5 in Class D, mg. 272.7 sq. yd. situated at Punjabi Bagh, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 16-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. J. A. C./Acq.-II/S. R.-II/9-80/3706.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. 6-B, situated at Badli Industrial Area, Badli, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1927);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Mohd. Aquil
 s/o Shri Sheikh Salimmudin
 r/o C-165, Defence Colony, New Delhi
 Sole Proprietor of
 M/s. Super India Chappal Co.,
 C-165, Defence Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Poly Plast Pvt. Ltd.,
 63, Darya Ganj, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 6-B, Badli Industrial Area, Badli, Delhi (mg. 1900 sq. yd.).

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 19-5-1981

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.I/9-80/6920.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 130-A, situated at Gupta Colony, Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Delhi on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor as more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shrimati Shanti Devi
w/o Shri Chaman Lal Kauli,
112, Gupta Colony, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Santosh Handa
w/o Shri Virender Pratap Handa
r/o H. No. 8479, Arya Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expression used therein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or the assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 130-A, measuring 175 sq. yd. situated at Gupta Colony, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—
25—96GI/81

Date : 19-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-J/S. R.-J/9-80/6933.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 46, M.C.D. No. 4949 situated at Darya Ganj New Delhi;

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Smt. Kamla Kapoor and Rajinder Mohan Kapoor, r/o 765, Katra Neel, Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Mrs. Rajesh Kohli and Satish Kumar Kohli, 46, Darya Ganj, New Delhi-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Plot No. 46, M.C.D. No. 4949, Darya Ganj, New Delhi-2, entire first and second floor.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New DelhiDate : 19-5-1981
Seal ;

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-I/9-80/6954.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

46 M.C.D. No. 4949, situated at Darya Ganj, New Delhi-2 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Smt. Kamla Kapoor and Rajinder Mohan Kapoor
r/o 765, Katra Neel,
Chandni Chowk, Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Savitri Mehra and Dr. Daya Shankar Mehra,
46, Darya Ganj,
New Delhi-2.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 46, M. C. D. No. 4949, Darya Ganj, New Delhi-1 entire ground floor.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-5-1981

Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA**

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI**

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6936.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C-504 situated at Majlis Park, Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for which transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Karam Vir
and Shri Sat Pal
both ss/o Shri Kali Ram
r/o House No. C-567, Gali No. 12,
Majlis Park, Azadpur,
Delhi-33.

(Transferor)

(2) Smt. Ram Piari
w/o Shri Durga Dass Khanna
r/o House No. C-504, Gali No. 11,
Majlis Park,
Azadpur, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. C-504 land measuring 111s q. yds. situated at Village Bharola Delhi State abadi known as Majlis Park Gali No. 11, Azadpur, Delhi-33.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi.

Date : 19-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6962.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 55 Block F, situated at Mansarovar Garden, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(Shri) Dharam Pal Batra
s/o Shri Kundan Lal Batra
r/o No. 20, Kirti Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) 1. Smt. Anita Gupta
w/o Shri Ashok Kumar and
2. Smt. Gulshan Gupta
w/o Shri Brij Mohan Gupta
r/o B-70, C. C. Colony, Delhi-7.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No. 55 Block F measuring 249.8 sq. yds. at Mansarovar Garden, area of Village Bassai Darapur Delhi State, Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range II, Delhi/New Delhi.

Date : 19-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S. R.-I/9-80/6906-A.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 4470 to 4476 and 4484 Ward No. VI situated at Nai Sarak, Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shri V. B. Andley
(Vishnu Bhagwan Andley)
Advocate,
s/o Late Shri Madan Mohan Andley,
r/o 4458, Nai Sarak, Delhi-6.

(Transferor)

(2) Smt. Bhani Devi
w/o Shri Nathu Ram
r/o 1255, Vaidwara,
Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in 7 shops alongwith double storeyed building bearing property No. 4470 to 4476 and 4484 Ward No. VI, situated at Nai Sarak, Delhi-6 measuring 74 sq. yds.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Delhi/New Delhi,

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 19-5-1981
Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 19th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-II/S.R.-I/9-80/6902.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 4470 to 4476 and 4484 Ward No. VI, situated at Nai Sarak Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri V. B. Andley
(Vishnu Bhagwan Andley)
Advocate
s/o Late Shri Madan Mohan Andley,
Advocate
r/o 4458 Nai Sarak,
Delhi-110006.

(Transferor)

(2) Smt. Vijay Lakshmi Bagla
w/o Shri Kishan Lal Bagla
r/o 1255, Vaidwara, Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

1/2 undivided share in 7 shops alongwith double storied building bearing property No. 4470 to 4476 and 4484 Ward No. VI, situated at Nai Sarak, Delhi measuring 74 sq. yds.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Delhi New Delhi

Date : 19-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1342.—Whereas I
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(1) Shri Randhir Singh
s/o Shri Sis Ram
r/o Village Bijwasan.

(Transferor)

(2) Shri Ramchand,
Shri Balwan and
Shri Suresh
s/o Shri Randhir Singh,
r/o Village Bijwasan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 9 bighas and 12 biswas comprised in Rect. No. 28, K. No. 12 (4-16) and 19 (4-16) in Vill. Bijwasan.

VIMAL VASISHT

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Delhi New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1349.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.

F-8/9 Situated at Malviya Nagar, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the Office of the Registering Officer at
Delhi on September, 1980
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

26—96GI/ { !

(1) Shri Jumma Ram
s/o Shri Pannu Ram
r/o E-2/6, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Sher Singh
s/o Shri Wazir Singh
r/o F-8/9, Malviya Nagar,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. F-8/9, measuring 126 sq. yds. Malviya Nagar,
New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 15-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1341.—Whereas I,

VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Bijwasan

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Randhir Singh
s/o Shri Sis Ram
r/o Village Bijwasan

(Transferor)

(2) S/Shri Ramesh,
Shri Balwan and
Shri Suresh
s/o Shri Randhir Singh
r/o Village Bijwasan.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have in the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring one-third share comprised in Rect. No. 23 K, No. 4 (4-16), 5 (4-16), 6 (5-4) 7/1 (1-04) and 15/1 (2-08).

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1203.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at vill. Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Naval Singh
s/o Ram Nath,
Shri Jag Ram,
Shri Gopal,
Shri Sardar
s/o Shri Kishna
r/o Village Kapashera,
New Delhi.(2) Shri Sagar Construction Co. (P) Ltd.,
New Delhi
through its Director
Shri G. D. Poddar

(Transferor)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 4 biswas, K. No. 699 min. situated in Village Kapashera, Tahsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Date : 15-5-1981

caj :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1200.—Whereas 1,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Naval Singh
S/o Shri Ram Nath
Shri Jag Ram,
Shri Gopal,
Shri Sardar
s/o Shri Kishna,
r/o Village Kapashera,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sagar Construction Co. (P) Ltd.,
New Delhi,
through its Director
Shri G. D. Poddar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 4 biswas K. No. 670/(2-8), 671/1 (0-16), 672 min. (0-8), 699 (0-12), situated in Village Kapashera, Tahsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1981

Seal :

FORM LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1202.—Whereas I
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Naval Singh
s/o Shri Ram Nath,
Shri Jag Ram,
Gopal, Sardar
s/o Kishna
r/o Village Kapashera,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Sarti
w/o Shri Gopal,
Smt. Phool Wati
w/o Shri Sardar Singh,
Smt. Chhann
w/o Shri Jag Ram,
Shri Jaipal
s/o Shri Naval Singh
r/o Village Kapashera,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 12 bighas and 17 biswas bearing K. No. 191 (4-16), 198/1 (4-12), 198/2 (0-4), 206/1 (1-16), 207/2 (1-9) situated in Village Kapashera Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1199.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Kapashera, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Naval Singh
s/o Shri Ram Nath,
Shri Jag Ram,
Shri Gopal
Shri Sardar
s/o Shri Kishna,
r/o Village Kapashera,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Sagar Construction Co. (P) Ltd.
New Delhi
through its Director
Shri G. D. Poddar

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 4 biswas K. No. 671/2 (4.0), 672 min. (0.4), situated in Village Kapashera, New Delhi

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX****ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th May 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1252.—Whereas I
VIMAL VASISHT
 being the Competent Authority under Section
 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)
 (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property,
 having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
 No. Agricultural land situated at Village Satbari
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration
 Act, 1908, (16 of 1908) in the office of the registering officer
 at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which
 is less than the fair market value of the aforesaid property,
 and I have reason to believe that the fair market
 value of the property as aforesaid exceeds the apparent
 consideration therefor by more than fifteen per cent of
 such apparent consideration and that the consideration
 for such transfer as agreed to between the parties has not
 been truly stated in the said instrument of transfer with the
 object of :—

(1) Smt. Chhoti
 w/o Late Shri Changa Mai
 r/o Yusuf Sarai,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Messrs. Ansai Housing & Estates (P) Ltd.,
 115 Ansai Bhawan,
 16 Kasturba Gandhi Marg,
 New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act
 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural lands measuring 4 bighas and 16 biswas
 comprised in K. No. 875 (4-16) in Village Satbari.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
 Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-5-1981

Seal:

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1219.—Whereas I,
VIMAL VASISHT
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S/23 situated at Green Park Extension, New Delhi-16 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Smt. Devinder Mohini Khanna,
w/o Shri Prem Swaroop Khanna,
r/o C-1/17, Safdarjung Development Scheme,
New Delhi-16.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sushila Devi Khanna
w/o Shri Dharam Swaroop Khanna
2. Shri N. S. Khanna
s/o Shri Dharam Swaroop Khanna,
both r/o B-1/40, Safdarjung Enclave,
New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of 500 sq. ft. in the basement of property No. S/23 Green Park Extension, New Delhi-16.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1201.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair-market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957) :—

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—96GI/81

- (1) Shri Naval Singh
s/o Ram Nath,
Shri Jag Ram,
Shri Gopal,
Shri Sardar
s/o Shri Kishna,
r/o Village Kapashera,
New Delhi. (Transferor)
(2) Sagar Construction Co. (P) Ltd.
New Delhi,
through its Director
Shri G. D. Poddar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

'THE SCHEDULE

Agricultural land area 4 bighas and 4 biswas K. No. 672 min, situated in Village Kapashera, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 15-5-1981

Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI**

New Delhi, the 15th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-III/9-80/1232.—Whereas I, VIMAL VASISHT being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land situated at Village Rajokri, New Delhi (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) Shri Ram Sarup
s/o Kanahya (1/4),
Shri Tota
s/o Shri Mohan (1/2),
Shri Indraj
s/o Shri Nathwa (1/4),
all r/o Village Rajokri,
New Delhi.

(Transferor)

- (2) Chandra Family Trust
through its trustee Shri Mahesh Chand Jain
r/o 35, Deputy Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Agricultural land area 12 bighas K. No. 567 (4-16), 568/2 (2-8), 585 (4-16), situated in Village Rajokri, New Delhi.

(b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 or 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 15-5-1981
Seal :

FORM NO. LT.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

New Delhi, the 15th May, 1981

Ref. No. I. A. C./Acq.-I/S. R.-IU/9-80/1233.—Whereas I,
VIMAL VASISHT

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Agricultural land situated at Village Rajokri, Tehsil Mehrauli, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Delhi on September, 1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) Shri Munshi,
Shri Lal Singh,
Shri Jai Dayal
s/o Shri Puran
r/o Village Rajkori,
Tehsil Mehrauli,
New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Chandra Family Trust,
through its trustee
Shri Mahesh Chand Jain
r/o 35, Deputy Ganj,
Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 5 bighas and 10 biswas K. No. 551 560/1 (1-4), Village Rajokri, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi.

Date : 15-5-1981

Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Form I.T.N.S.—

(1) Shri Nihal,
 Shri Bharti,
 Shri Mani Ram
 s/o Shri Bhima (1/5),
 Shri Ganni
 s/o Gordhan (1/5),
 Shri Duli Chand
 s/o Budha (1/5),
 Shri Chhattar
 s/o Ramji Lal (1/5),
 and Mahinder
 s/o Shri Chhattar Singh (1/5),
 all r/o Village Rajokri,
 New Delhi.

(Transferor)

(2) Chandra Family Trust,
 through its trustee
 Shri Mahesh Chand Jain
 r/o 35, Deputy Ganj,
 Sadar Bazar,
 Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Agricultural land area 6 bighas K. No. 559/2 (2-8), 560/2 (3-12), situated in Village Rajokri, Tehsil Mehrauli, New Delhi.

VIMAL VASISHT
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Delhi/New Delhi

Date : 15-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

- (1) Shri Aishabai Ahmed Haji Abdulla
(Transferor)
(2) Smt. Bai Asma Gulamali Khanbhai
(Transferee)
(3) Smt. Bai Asma Gulamali Khanbhai
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA**OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, BOMBAY**

Bombay, the 4th May, 1981

Ref. No. A. R.-I/4466-4/80-81.—Whereas I, SUDHAKAR VERMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. C. S. No. 472 of Fort Division situated at Cawasji Patel Street

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 4-9-1980 Document No. Bom.-202/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom. 202/79 registered with the Sub-Registrar, Bombay on 4/9/1980.

SUDHAKAR VERMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Bombay.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 4-5-1981
Seal :

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 12th May, 1981

Ref. No. A. R -III/A. P.-364/81-82.—Whereas, I, SUDHAKAR VERMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 3 of a private layout and Survey No. 14A(Pt.) situated at Sion Trombay Road, Chembur Village, Bombay (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bombay on 6-9-1980 Document No. S-1138/79 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) The Swastik Textile Mills Ltd. (Transferor)
- (2) Reserve Bank Employees Spartacus CHSL, (Transferee)
- (3) Transferors. (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given to that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1138/79 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 6-9-1980.

SUDHAKAR VERMA
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-III, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-5-1981

Seal :

FORM I.T.N.S.—

(1) M/s. Sayajee Mills Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, NEW DELHI

Bombay, the 12th May, 1981

Ref. No. A. R.I/4471-9/80-81.—Whereas, I SUDHAKAR VERMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C. S. No. 1/265 of Lowers Parel/Div. situated at Pergusion Road, Parel,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 23-9-1980 Document No. Bom. 1769/80-

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) M/s. Morarji Goculdas Spg. & Wvg. Co. Ltd.
(Transferor)

(3) Old Mill.

(Person in occupation of the property
(Transferee))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. Bom 1769/80 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 23-9-1980.

SUDHAKAR VERMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Bombay

Date : 12-5-1981

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Lalita Pawar

(Transferor)

(2) Suswagatam Premises C.H.S.L.

(Transferee)

(3) Tenants.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY**

Bombay, the 12th May, 1981

Ref. No. A. R.-III/A. P.-365/81-82.—Whereas I, SUDHAKAR VERMA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 403, Suburban Scheme No. 3, City Survey No 1616/B & 1616/B/1 to 3 situated at Chembur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 22-9-1980 Document No. S-2480/78).

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-2480 76 and registered with the Sub-Registrar, Bombay, on 22-9-198

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Date : 12-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM NO. I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (1) Shri Jaywant Yeshwant Matathe
(Transferor)
(2) Shri Govind Waman Tikhe & Mrs. Jayshree Lalit Shukla
(Transferee)
(3) Transferors
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May, 1981

Ref. No. A. R.-III/A. P.-366/81—Whereas, I SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Sub-divided Plot No. 805A C. T. S. No. 981 (pt.) & 982 (pt.) situated at Mulund West

and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-9-1980 (Document No. S-580/79)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-589/79 and registered with the Sub-registrar, Bombay, on 26-9-1980.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

28—96GI/81

Date : 14-5-1981

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th May, 1981

Ref. No. A. R.-II/3042-3/September, 1980.—Whereas I,

SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 15, H. No. 2, S. No. 16, S. No. 145, H. No. 1, S. No. 15 sub-divided plot No. 5 situated at Magathane (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jayantilal L. Parikh
2. Smt. Champaben L. Parikh
3. Smt. Sarala L. Parikh
4. Shri Divyesh J. Parikh
5. Shri Chetan J. Parikh

(Transferor)

- (2) Smitanjali Co-operative Housing Society Limited
(Transferee)

- (3) Shri A. S. Bane (Confirming Party)

[Person(s) whom the undersigned knows to be interested in the Property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S. 250/79 with the Sub-Registrar Bombay on 6-9-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay

Date : 15-5-1981

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

Bombay, the 15th May, 1981

Ref. No. A. R.-II/3042-3/September, 1980.—Whereas I,

SUDHAKAR VARMA
being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

S. No. 15, H. No. 2, S. No. 16, S. No. 145, H. No. 1, S. No. 152 subdivided plot No. 5 situated at Village Magathane Borivali West

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby, initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Jayantilal Lallubhai Parikh
2. Champaben Lallubhai Parikh
3. Smt. Sarla J. Parikh,
4. Divyesh J. Parikh and
5. Chetan J. Parikh

(Transferor)

- (2) Smeetanjali Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

- (4) Members of the Society.

Shri A. S. Bane (Confirming Party)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 250/79 with the Sub-registrar, Bombay, on 6-9-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bombay.

Date : 15-5-1981
Seal :

FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 15th May, 1981

Ref. No. A. R.-II/3044-5/September, 1980.—Whereas I,
SUDHAKAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing

S. No. 15, H. No. 2, S. No. 16, S. No. 145, H. No. 1, S. No. 152 Sub-divided Plot No. 7 situated at Magathane village Borivali West;

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) Has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-9-1980

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (1) 1. Shri Jayantilal Lallubhai Parikh
2. Champaben Lallubhai Parikh,
3. Sarla Jayantilal Parikh,
4. Divyesh J. Parikh and
5. Chetan J. Parikh

(Transferor).

- (2) New Gajant Co-op. Housing Society Ltd.

(Transferee)

- (4) Shri A. K. Mahimkar
(confirming party)

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-424/80 with the Sub-Registrar of Bombay on 6-9-1980.

SUDHAKAR VARMA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Bo mbay

Date : 15-5-1981
Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM I.T.N.S.—

(1) Shri Swastik Textile Mills Ltd.

(Transferor)

(2) Chembur Aradhana C.H.S.L.

(Transferee)

(3) Transferors.

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 14th May, 1981

Ref. No. A. R.-III/A. P.-367/81-82.—Whereas, I, SUDHA KAR VARMA

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 37 & C. T. S. No. 366 (pt.) situated at Sion-Trombay Road

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 6-9-1980 (Document No. S-1415/79)

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. S-1415/79 and registered on 6-9-1980 with the Sub-registrar, Bombay.

SUDHAKAR VARMA
Competent AuthorityInspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 14-5-1981

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

